शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.3	14.5
जमशेदपुर	25.8	11.4
डालटनगंज	27.1	10.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

www.lagatar.in ● बुधवार, 13 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 235 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

इंटरनेशनल

- गाजा पर अलग-थलग पड़े इजराइल और अमेरिका
- जीएसटी मसौदे को लेकर 'ग्लोबल साउथ' निराश
- भ्रष्टाचार के एक मामले में नवाज शरीफ हुए बरी
- बान की मून दिवाली पावर ऑफ वन पुरस्कार से सम्मानित

नेशनल

- इसरो 2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा
- खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में 5.55 प्रतिशत पर पहुंची
- अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन 11.7 प्रतिशत बढ़ा
- टीएसपीएससी के अध्यक्ष जनार्दन रेड्डी ने इस्तीफा दिया

स्टेट

- 4 ब्यूरोक्रेट्स पर लगे आरोपों की फाइल हुई बंद
- नए साल में सीएम नीतीश कुमार की होगी झारखंड में एंट्री
- 1.30 लाख करोड़ का हो सकता है राज्य का बजट
- मेक माई सिटी सेफ पर जानकारी देने की अपील

स्पोर्ट्स

- जूनियर हॉकी विश्व के सेमीफाइनल में पहुंचा
- 1 फरवरी को होगी रोनाल्डो व मेस्सी के टीम की भिड़ंत
- नेपाल को हराकर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा
- अश्विनी-तनीषा की जोड़ी रैंकिंग में 24वें स्थान पर

सुर्खियां

किसने क्या कहा

- एआई के नैतिक इस्तेमाल के लिए वैश्विक रूपरेखा बनाने की जरूरत : **नरेंद्र मोदी**
- सड़कों पर गुंडों का कब्जा, सीएम मुझे चोट पहुंचाना चाहते हैं : **आरिफ मोहम्मद**
- हरियाणा में सड़क निर्माण पर खर्च होंगे 3700 करोड़ रुपये : **दुष्यंत चौटाला**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,700
चांदी (किलो)	73,000

ब्रीफ खबरें

एमपी और छग के सीएम आज लेंगे पद की शपथ

रायपुर/भोपाल। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं विष्णुदेव साय और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य बुधवार को शपथ ग्रहण करेंगे. इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के हिस्सा लेने की संभावना है. शपथ ग्रहण की दोनों राज्यों में सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. अधिकारियों ने यह जानकारी दी है.

पीएम मोदी से 20 को मिलेंगी ममता बनर्जी

कोलकाता। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राज्य का बकाया जारी करने की मांग पर बातचीत के लिए 20 दिसंबर को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगी. एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी. पीएमओ ने मोदी से मुलाकात के लिए बनर्जी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है. यह बैठक 20 दिसंबर को पूर्वाह्न करीब 11 बजे होगी.

नागरिकता अधिनियम पर आदेश सुरक्षित

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने असम में अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने से जुड़ी नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना आदेश मंगलवार को सुरक्षित रख लिया है.

जाति गणना मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि जाति जनगणना और भागीदारी के बुनियादी मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए सरकार की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा कुछ अन्य मुद्दों का उल्लेख किया जा रहा है. यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है.

आपराधिक कानूनों पर नये बिल लोस में पेश

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद की स्थायी समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों के मद्देनजर मंगलवार को लोकसभा में आपराधिक कानूनो से संबंधित तीन विधेयकों को वापस ले लिए और इनकी जगह नए विधेयक सदन में पेश किए.

पाकिस्तान में फिदाईन हमला, 23 सैनिक मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को एक थाने पर आतंकवादियों के हमले में कम से कम 23 सुरक्षाकर्मी मारे गये और 16 घायल हो गये. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. आत्मघाती हमलावरों ने दक्षिण वजीरिस्तान कबायली जिले की सीमा से लगे अशांत डेरा इस्माइल खान जिले में दरबान थाने पर हमला किया. आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदे वाहन से थाने की इमारत में टक्कर मार दी और फिर मोर्टार से हमला किया.

गुमला, सिमडेगा, खूंटी, गढ़वा, साहिबगंज में 15% से ज्यादा बच्चे स्कूलों से ड्रॉपआउट

लड़कियां नहीं लड़के आगे

- प्राइमरी में 1.78%, सेकेंडरी में 3.20%, प्लस टू में 7.98% बच्चे ड्रॉप आउट हुए
- प्राइमरी में गुमला में सबसे अधिक 6.65% बच्चे ड्रॉप आउट हुए

सत्य शरण मिश्रा। रांची

झारखंड सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने के लिए कई योजनाएं चला रही है. 2023-24 के बजट में सरकार ने स्कूली शिक्षा विभाग के लिए 12546 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, लेकिन स्कूलों में ड्रॉपआउट रेट नहीं घट पा रहा है. झारखंड में ड्रॉप आउट के एनुअल आंकड़े चिंताजनक हैं. सबसे अधिक ड्रॉपआउट प्लस टू के बच्चे हो रहे हैं. राज्य के 5 जिले गढ़वा, साहिबगंज, गुमला, सिमडेगा और खूंटी में 15 फीसदी से ज्यादा बच्चे ड्रॉपआउट हुए हैं. वहीं प्राइमरी स्कूल में सबसे अधिक ड्रॉपआउट गुमला जिले के बच्चे हुए हैं. कुल 5.65 फीसदी बच्चे यहां ड्रॉपआउट हुए हैं, जबकि सेकेंडरी स्कूल में सबसे अधिक 10.29 फीसदी बच्चे पूर्वी सिंहभूम में ड्रॉपआउट हुए हैं.

राज्य के 24 जिलों के प्राइमरी स्कूलों से 2.36 फीसदी छात्र और 1.14 फीसदी छात्राएं ड्रॉपआउट हुए हैं. यानी कुल 1.78 फीसदी बच्चे प्राइमरी स्कूलों से ड्रॉपाउट हुए हैं. वहीं सेकेंडरी स्कूलों से 3.20 फीसदी बच्चे ड्रॉप आउट हुए हैं। इनमें 3.71 फीसदी लड़के और 2.69 फीसदी लड़कियां शामिल हैं. सबसे बुरा हाल प्लस टू स्कूलों का है. यहां करीब 7.98 फीसदी बच्चे ड्रॉप आउट हुए हैं. इनमें 8.42 फीसदी लड़के और 7.55 फीसदी लड़कियां शामिल हैं.

सेकेंडरी में पूर्वी सिंहभूम जिले मे 10.29% बच्चे ड्रॉप आउट हुए

क्या है ड्रॉप आउट

(अगर कोई बच्चा स्कूल में एडमिशन के बाद लगातार 30 दिनों तक या फिर इससे अधिक समय तक स्कूल में गैर हाजिर रहे तो उसे ड्रॉप आउट माना जाता है.)

प्लस टू में अधिक ड्रॉपआउट वाले 5 जिले

हायर सेकेंडरी	गढ़वा	साहिबगंज	गुमला	सिमडेगा	खूंटी
छात्र	25.83	16.98	18.13	17.52	17.64
छात्रा	15.93	13.04	14.89	13.41	10.94
टोटल	20.61	15.00	16.39	15.28	13.99

प्राइमरी में कम ड्रॉपआउट वाले 5 जिले

प्राइमरी	गढ़वा	बोकारो	जामताड़ा	लातेहार	प.सिंहभूम
छात्र	-2.47	1.60	-0.02	1.39	-0.89
छात्रा	-2.42	-0.15	-0.25	-0.68	-1.73
टोटल	-2.58	0.78	-0.13	0.38	-1.30

माध्यमिक में कम ड्रॉपआउट वाले 5 जिले

माध्यमिक	दुमका	गिरिडीह	लातेहार	पू. सिंहभूम	सरायकेला
छात्र	-0.09	-1.86	-0.24	2.03	-2.81
छात्रा	-1.72	1.09	-1.03	-2.95	-2.24
टोटल	-0.89	-0.40	-0.67	-0.49	-2.53

2023-24

के बजट में स्कूली शिक्षा के लिए 12546 करोड़ का प्रावधान, लेकिन ड्रॉपआउट रेट नहीं घट रहा

प्राइमरी में गुमला में सबसे ज्यादा ड्रॉपआउट

प्राइमरी	गुमला
छात्र	7.52
छात्रा	5.74
टोटल	6.65

पूर्वी सिंहभूम में सेकेंडरी में सबसे ज्यादा ड्रॉपआउट

सेकेंडरी	पूर्वी सिंहभूम
छात्र	9.48
छात्रा	11.12
टोटल	10.29

भजन लाल शर्मा राजस्थान के नए सीएम

राजस्थान में भी नयी टीम: जयपुर में भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद भजन लाल शर्मा को राज्य का नया मुख्यमंत्री घोषित किया गया है. दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा डिप्टी सीएम और बासुदेव देवनानी स्पीकर बनाये गये हैं. नये सीएम ने राज्यपाल कलराज मिश्रा से मिल कर राजस्थान में नयी सरकार के गठन का प्रस्ताव भी पेश कर दिया है. सीएम का शपथ ग्रहण समारोह 15 दिसंबर को होगा. **-पेज 15 भी देखें**

सेपुरी सुरेश कुमार बने डीवीसी के नये चैयरमैन

मैथन। पश्चिम बंगाल कैडर के 1988 बैच के आईएएस अधिकारी सेपुरी सुरेश कुमार को डीवीसी का चैयरमेन बनाया गया है. केंद्र सरकार की कैबिनेट नियुक्ति समिति की चेयरमैन पद के लिए सेपुरी सुरेश कुमार की नियुक्ति को स्वीकृति मिलने के बाद अधिसूचना जारी कर दी गई. उनकी नियुक्ति 31 मई 2026 तक के लिए हुई है. वह मूल रूप से आध्रप्रदेश के रहनेवाले हैं. डीवीसी के चैयरमैन आरएन सिंह पिछले 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हुए थे. उसके बाद से यह पद खाली था. सेपुरी सुरेश कुमार फिलहाल बंगाल सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव व नेताजी सुभाष प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं. चेयरमैन पद पर उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी होने से डीवीसी कर्मियों में खुशी है.

शिवसेना सांसद राउत पर देशद्रोह का केस

यवतमाल। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में पीएम नरेंद्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक लेख लिखने के आरोप में पार्टी के सांसद संजय राउत के खिलाफ देशद्रोह और अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भाजपा के यवतमाल जिला समन्वयक नितिन भुटाड़ा की ओर से राउत के खिलाफ की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है. 'सामना' के कार्यकारी संपादक राउत ने पलटवार करते हुए भाजपा पर सेंसरशिप का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, भाजपा को यह कहने का कोई अधिकार नहीं है कि वह आपातकाल के खिलाफ खड़ी हुई थी क्योंकि लड़ाई इसी तरह की सेंसरशिप के खिलाफ थी. सामना में आलोचना राजनीतिक है. शिकायत में भुटाड़ा ने दावा किया कि राउत ने 10 दिसंबर को पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक लेख लिखा था. राजद्रोह संबंधी कानून सरकार के प्रति असंतोष पैदा करने के मामले में धारा 124 ए के तहत अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान करता है.

- पीएम के खिलाफ लिखा था लेख

पीएम ने एक्स पर वीडियो जारी कर कांग्रेस पार्टी पर कसा तंज

कांग्रेस की डकैती 70 वर्षों से जारी है: मोदी

एजेंसी। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस सांसद धीरज साहू से जुड़े परिसरों से 350 करोड़ रुपये से अधिक की बरामदगी पर मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा. इसके लिए लोकप्रिय क्राइम सीरीज का हवाला दिया. पीएम की यह प्रतिक्रिया भाजपा की ओर से एक्स पर पोस्ट किये गये उस वीडियो के जवाब में आयी, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ साहू की तस्वीरें और झारखंड के सांसद से जुड़े परिसरों पर आईटी रेड में बरामद नकदी के ढेर दिखाई दे रहे हैं.

भाजपा ने वीडियो के साथ लिखा कांग्रेस पेश करती है मनी हाइस्ट : वीडियो में राहुल गांधी को नोटों के ढेर पर लेटे दिखाया गया है. भाजपा ने वीडियो के साथ लिखा- कांग्रेस प्रस्तुत करती है मनी हाइस्ट, जबकि पृष्ठभूमि में क्राइम सीरीज का शीर्षक गीत बज रहा है. बता दें कि मनी हाइस्ट एक स्पेनिश ड्रामा सीरीज है, जिसकी कहानी के केंद्र में डकैती है. पीएम ने पोस्ट में कहा, भारत में मनी हाइस्ट कथा की जरूरत किसे है, जब आपके पास कांग्रेस है. कांग्रेस की डकैतियां 70 वर्षों से प्रसिद्ध हैं और अभी भी जारी हैं. आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को जानकारी दी थी कि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साहू के परिवार के स्वामित्व वाली ओडिशा स्थित बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आयकर विभाग की छापेमारी में 351 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गयी है

जब देश में कांग्रेस है तो मनी हाइस्ट कथा की जरूरत किसे है

वीडियो जारी

- राहुल गांधी पर नोटों की गड्डियों पर लेटे दिखाए गए हैं
- धीरज साहू के परिसरों से मिले नोटों के ढेर भी दिखाए

जांच एजेंसी द्वारा अब तक की सबसे अधिक बरामदगी

यह देश में किसी भी जांच एजेंसी द्वारा एक कार्रवाई में अब तक की सबसे अधिक बरामदगी है. इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने साहू के घर से मिली करोड़ों की नकदी को लेकर एक पोस्ट की थी. उन्होंने एक खबर साझा करते हुए कहा था, देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के भाषणों को सुनें. जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है.

धीरज साहू के ठिकानों पर आईटी छापेमारी समाप्त

रांची। कांग्रेस सांसद धीरज साहू से संबंधित ठिकानों पर आईटी की रेड मंगलवार को समाप्त हो गई. इसके बाद आईटी अफसर व सीआईएसएफ कर्मी चले गए. साहू से संबंधित ठिकानों पर छह दिन तक रेड जारी रही. इससे पहले आईटी की टीम ओडिशा के बालांगीर स्थित सूदपाड़ा में बलदेव इंफ्रा प्रा.लि. कंपनी के परिसर में रेड कर रही थी. जब्त पैसे को टीम ने बालांगीर स्टेट बैंक की शाखा में जमा करा दिए हैं. आईटी की टीम ने 6 दिसंबर को साहू के कई ठिकानों पर छापेमारी कर रुपयों से भरे 30 अलमीरा बरामद किये थे. उस दिन से नोटों की गिनती जारी थी. जानकारी के अनुसार, अब तक की गिनती में आंकड़ा 500 करोड़ रुपये को पार कर गया है. नोटों के अलावा 17 किलोग्राम जेवरात भी मिले हैं. हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि आयकर विभाग की ओर से नहीं की गयी है.

जब तक हम जिंदा हैं बुरी नजर डालने वाले बर्दाश्त नहीं: सीएम

चालाकी से हमें बदनाम किया जा रहा

प्रमुख संवाददाता। रांची/दुमका

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जब तक वे और झामुमो जिंदा हैं, तबतक झारखंड पर बुरी नजर डालने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे. ईडी के समन पर उन्होंने भाजपा पर इशारों-इशारों में हमला करते हुए कहा कि कुछ लोगों को लगा था कि मुख्यमंत्री आज दुमका नहीं पहुंचेंगे, लेकिन यह उनका भ्रम है. हमारे ही समुदाय के कुछ लोग उन लोगों के दलाल बन कर हमें और हमारी सरकार को बदनाम करने का प्रयास करते हैं. बड़ी चतुराई से हमारे खिलाफ षड्यंत्र किया जा रहा. योजनाओं को बदनाम किया जाता है. जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है.

सीएम ने एक बार फिर कहा कि केंद्र अगर झारखंड का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया देता, तो झारखंड में भी गैस सिलिंडर 500 रुपए में मिलता. 2500 रुपए पेंशन और युवाओं को 10 हजार रुपए मिलते. मुख्यमंत्री दुमका के गादी कोरैया पंचायत के ढाका में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान दुमका के लोगों को 1035.10 करोड़ रुपए की 5358 योजनाओं की सौगात दी और लाभुकों के बीच 53 करोड़ 23 लाख 10 हजार रुपए की परिसंपत्ति बांटी. **-शेष पेज 13 पर**

हर घर में पहुंच रही सरकार की योजना

सीएम ने कहा कि राज्य में कोई ऐसा घर नहीं होगा, जहां सरकार की कोई न कोई योजनाएं नहीं पहुंची हो. आज हर घर में योजनाओं का लाभ मिल रहा है. अबुआ सरकार आपके सुख दु:ख में हमेशा आपके साथ है. सरकार लोगों के रोटी-कपड़ा और मकान जैसे मूलभूत जरूरत को पूरा करने के साथ विकास को रफ्तार दे रही है. अबुआ आवास योजना के 8 लाख गरीबों के अपने आशियाना के सपने को पूरा करने जा रहे हैं. 20 लाख अतिरिक्त हरा राशन कार्ड जारी कर उन्हें अनाज दे रहे है और अब चना दाल देने का भी सरकार ने निर्णय लिया है.

नयी तकनीक बोकारो डीपीएस के दो छात्रों ने बनाया नंदिनी सॉफ्टवेयर, टेलीमेडिसिन से होगा इलाज

अब ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस बताएगी गायों की बीमारी

शरदेंदु शेखर। बोकारो

बोकारो डीपीएस की 10वीं कक्षा के विद्यार्थी सर्वज्ञ और कक्षा नौवीं के ऋषित शांडिल्य ने गौ-रक्षा की दिशा में एक अनूठी तकनीक विकसित की है. आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस सेंसर की मदद से गायों व अन्य मवेशियों की बीमारी का पता कर एक विशेष वेब एप के जरिए उनका सही समय इलाज अब संभव हो सकेगा.

गौ-रक्षा की इस पहल से संबंधित अपने इस सॉफ्टवेयर को उन्होंने नंदिनी का नाम दिया है. बच्चों ने बताया कि बोकारो में मवेशियों के अनुपात में पशु चिकित्सकों की काफी कमी है. एक बीमार गाय को देखने के बाद उनके मन में यह आइडिया सूझा और पशुपालकों व पशु चिकित्सकों की मदद करने के उद्देश्य से उन्होंने नया आविष्कार कर डाला. बता दें कि उनकी यह नवोन्मेषता राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एनसीएससी) के राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हो चुकी है. विद्यार्थियों ने मवेशियों की स्वास्थ्य-जांच से जुड़ा एक प्रोटोटाइप मॉडल बनाया है. वेब एप नंदिनी के जरिए चौपाया गायों की जांच कराने के बाद पशुपालक चिकित्सकों से संपर्क कर स्वास्थ्य से जुड़े सुझाव और उपचार के लिए दवा भी पा सकते हैं. इस परियोजना की परिकल्पना मवेशियों में प्रारंभिक बीमारी का पता लगाने के लिए एआई-सक्षम प्रणाली विकसित कर उपयोगकर्ताओं को पशु चिकित्सकों के साथ जोड़ने के लिए एक टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म तैयार करना है. टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म पशु चिकित्सकों और पशुपालकों के बीच की दूरी को पाट देगी, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए पेशेवर सलाह और सेवाओं तक पहुंच आसान हो जाएगी. **-शेष पेज 13 पर**

क्या कहते हैं प्राचार्य

विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने ऋषित और सर्वज्ञ की इस नवोन्मेषता को सराहते हुए कहा कि डीपीएस बोकारो अपने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को तलाश कर निखारने की दिशा में सतत प्रयासरत है. इसके लिए बच्चों को हर अवसर प्रदान किया जाता है.

सॉफ्टवेयर में 26 बीमारियों और 94 लक्षणों का डेटाबेस

इस प्रोजेक्ट में मवेशियों में बीमारियों के निदान करने के लिए दो एआई मॉडल विकसित किए गए हैं. पहला सेंसर से मिले लक्षण संबंधी इनपुट के आधार पर काम करता है. जबकि, दूसरा कंप्यूटर दृष्टि का उपयोग करके गांठ की समस्या से निजात दिलाता है. पहला मॉडल मवेशियों में 26 तरह के रोगों के 94 लक्षणों और 2444 पैरामीटर के आधार पर तैयार किया गया है.

सीबीएसई 10वीं और 12वीं परीक्षाओं की डेटशीट जारी

एजेंसी। नयी दिल्ली

सीबीएसई बोर्ड द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी गयी है. इसके अनुसार परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होंगी और 10 अप्रैल 2024 तक यानी लगभग 55 दिनों तक चलेंगी. इस क्रम में सीबीएसई ने कुछ दिशा निर्देश भी जारी किये हैं. बोर्ड एग्जाम एक ही शिफ्ट में सुबह 10.30 से दोपहर 1.30 बजे तक आयोजित किया जाता है.

सीबीएसई 10वीं का शेड्यूल : सीबीएसई बोर्ड की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार 10वीं के अहम विषयों के टाइमटेबल इस प्रकार है. हिंदी की परीक्षा 21 फरवरी को, अंग्रेजी की 26 फरवरी को और सामाजिक विज्ञान की परीक्षा 7 मार्च, 2024 को होगी, इस क्रम में गणित की 11 मार्च और 13 मार्च को आईटी की परीक्षा होगी. **-शेष पेज 13 पर**

प्रैक्टिकल परीक्षाओं का शेड्यूल भी जारी

सीबीएसई ने कक्षा 10 और 12 की प्रैक्टिकल परीक्षाओं का शेड्यूल भी जारी किया है. सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में दोनों के लिए प्रैक्टिकल परीक्षाएं 1 जनवरी से शुरू होंगी जो 15 फरवरी तक चलेंगी. इसके अलावा शीतकालीन स्कूलों के लिए, दोनों के लिए व्यावहारिक परीक्षाएं/ प्रोजेक्ट/आंतरिक मूल्यांकन 14 नवंबर से 14 दिसंबर, 2023 तक आयोजित की जा रही हैं.

ब्रीफ खबरें

डीवीसी स्वीपर के पद पर नियमित नियुक्ति हो

रांची। सोमझती देवी और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने डीवीसी (दामोदर वेली कॉर्पोरेशन) को यह निर्देश दिया है कि स्वीपर के पद पर नियुक्ति को नियमित किया जाए. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई. राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी ने बहस की. डीवीसी की ओर से अधिवक्ता प्रशांत सिंह ने बहस की. डीवीसी को निर्देश देने के बाद हाईकोर्ट ने यह याचिका निष्पादित कर दी.

गृह सचिव व डीजीपी वीसी से हाजिर हों

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को 1984 के सिख दंगों के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने एवं इससे संबंधित क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने गृह सचिव और डीजीपी को अगली सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाजिर होने का निर्देश दिया है. अब अदालत इस जनहित याचिका पर 19 दिसंबर को सुनवाई करेगी.

पेंशन रोक मामले में सरकार से मांगा जवाब

रांची। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच में चारा घोटाला के दोषी धनंजय शर्मा की सिविल रिव्यू याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने बहस की. उन्होंने अदालत को बताया कि चारा घोटाला मामले में उनके प्रार्थी को दोषी करार दिया गया था. लेकिन 2002 में ही वे रिटायर हो चुके थे. बिहार पेंशन रूल के प्रावधान के मुताबिक, अंतिम आदेश पारित नहीं किये जाने की परिस्थिति में उनकी पेंशन रोकना अनुचित है.

वेब सीरीज संदेश का मुहूर्त संपन्न हुआ

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स और मेरी आवाज मेरी पहचान के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को संदेश नामक वेब सीरीज का पहला मुहूर्त चैंबर भवन में हुआ. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस तरह से आप लोगों ने शुरुआत की है पूरा अंजाम तक पहुंचे . किशन अग्रवाल और सपना मुखर्जी के ऊपर एक शॉट फिल्माया गया. फिल्म कला उप समिति के चेयरमैन आनंद जालान ने कहा कि यह हमारा पहला लघु चित्र है.

'31 जनवरी तक पूरा करें रिम्स का काम'

रांची। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने विजेता कंस्ट्रक्शन की याचिका को स्वीकार करते हुए बिल्डिंग कॉर्पोरेशन का आदेश खारिज कर दिया है. रिम्स परिसर में पांच सौ कमरे का बॉयज हॉस्टल और पांच सौ कमरों का गर्ल्स हॉस्टल बनाने का टेंडर मिला था. जिसके निर्माण में देर हुई. काम पूरा नहीं होने के कारण टेंडर खत्म करते हुए जमा राशि जब्त कर ली गई थी, जिसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया कि काम लगभग पूरा हो गया है. झारखंड बिल्डिंग कॉर्पोरेशन को पूरा किए गए काम का आकलन करने का निर्देश दिया था. अदालत ने अपने फ़ैसले में कहा कि जब लगभग काम पूरा हो चुका है तो बचे हुए काम के लिए दोबारा टेंडर करने से राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान होगा.

वीआईपी सुप्रीमो का हेलीकॉप्टर भी झारखंड के दो जिले में कर चुका है लैंड

नए साल में नीतीश कुमार की होगी झारखंड की राजनीति में एंट्री

सौरभ शुक्ला। रांची

बिहार की सियासत में सक्रिय राजनीतिक दलों की नजर अब झारखंड में टिकी हुई है. एक ओर जहां जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी रांची का दौरा कर चुके हैं. तो वहीं दूसरी तरफ विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सुप्रीमो मुकेश सहनी का हेलीकॉप्टर गढ़वा और साहिबगंज में लैंड कर चुका है. एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान भी रांची पहुंचे और यहां से सीधे रामगढ़ जाकर मां छिन्नमस्तिका के के दरबार में मत्था टेकने के बाद दिल्ली लौट गए. इधर, युवा राष्ट्रीय जनता दल बेतला में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने जा रहा है, ताकि कार्यकर्ताओं को गोलबंद किया जा सके.

खास बातें

- लोजपा(आर) के अध्यक्ष रजरप्पा में टेक चुके हैं मत्था
- युवा राजद का बेतला में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

रायशुमारी के बाद लोजपा (आर) तय करेगी भूमिका

वहीं 9 दिसंबर को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान रांची पहुंचे. एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया. मीडिया से मुखातिब होकर चिराग ने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव में लोजपा अपनी भूमिका पार्टी के कार्यकर्ताओं के निर्णय पर तय करेगी.

मल्लाह आरक्षण की मांग को ले सहनी दो जिले में कर चुके हैं सभा

बिहार की सियासत में सक्रिय विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश साहनी का हेलीकॉप्टर 1 दिसंबर को गढ़वा के रजई विजयी मैदान में जबकि 5 दिसंबर को साहिबगंज में लैंड कर चुका है. मल्लाह जाति को गोलबंद करने के लिए मुकेश गंगाजल लेकर संकल्प भी करवा रहे हैं और इस समाज के लिए आरक्षण की मांग कर रहे हैं.

बेतला में युवा राजद का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

युवा राष्ट्रीय जनता दल का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर(15-16 दिसंबर) को बेतला में आयोजित किया गया है. यहां युवाओं को लालू प्रसाद की सामाजिक न्याय की अवधारणा का पाठ पढ़ाने के लिए राजद के वरिष्ठ नेता पहुंचेंगे. पूर्व केंद्रीय मंत्री सह राजद प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, पूर्व मंत्री सह राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, पूर्व मंत्री सह राजद के राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, युवा राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बुलो मंडल, युवा राजद के झारखंड प्रभारी राजीव झा और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लक्ष्मण यादव उपस्थित रहेंगे.

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रभारी राज्य में सक्रिय

बिहार के सियासत में कुर्सी पर काबिज जनता दल यूनाइटेड झारखंड में खोई अपनी सियासी जमीन की तलाश में पूरी ताकत से जुट गई है. इसी कड़ी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह 28 नवंबर को प्रभारी अशोक चौधरी के साथ रांची पहुंचे. कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मधुकर सिंह को पार्टी में शामिल कराया. 8 दिन के बाद फिर अशोक चौधरी रांची पहुंचे और 21 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रामगढ़ में जोहर नीतीश कार्यक्रम की घोषणा की. रामगढ़ में होने वाले इस कार्यक्रम को जातीय समीकरण से भी जोड़ कर देखा जा रहा है. क्योंकि कुर्मी बाहुल्य क्षेत्र में नीतीश इस समाज में अपनी पैठ बनाने की पूरी कोशिश करेंगे.

जनकल्याण, कृषि और कर्मियों पर भी रहेगा फोकस

2024-25 में 1.30 लाख करोड़ का हो सकता है झारखंड का बजट

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार का अगला बजट (वित्तीय वर्ष- 2024-25) जनकल्याण, कृषि सहित सरकारी कर्मियों पर फोकस रहेगा. बजट का आकार 1.30 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में बजट का आकार 1.16 लाख करोड़ रुपए का था. वहीं इसके पहले वित्तीय वर्ष 2022-23 में बजट का आकार 1.01 लाख करोड़ रुपए का था.

अगले बजट के आकलन के लिए अपुनरक्षित जीवनयापन भत्ता की संभावित दर 260 फीसदी रखने की बात कही गई है. साथ ही बजट में राज्य सरकार द्वारा की गई योजनाओं की घोषणा के लिए राशि उपबंधित करने को कहा गया है. इसकी वजह यह है कि यह चुनावी बजट होगा.

खास बातें

- जीवनयापन भत्ता के लिए संभावित दर 260 फीसदी रखने की संभावना
- वित्तीय वर्ष में 2420 योजनाओं के लिए 76738 करोड़ की मिल चुकी स्वीकृति

अब तक खर्च हो चुके हैं 76738 करोड़

चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक विभिन्न विभागों की 2420 योजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है. इसके एवज में 76738 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जा चुके हैं. वित्त विभाग ने सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए राज्य के सतत एवं समावेशी विकास के लिए बजट तैयार करने को कहा है. बजट प्रस्ताव के गठन में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखे जाने की आवश्यकता पर जोर है.

90 इकाइयों के सृजन की उठाई गई बात

राज्य बजट में कुल 90 ईकाइयों के सृजन, उस पर खर्च और प्रकृति को भी शामिल किया गया है. 15 दिसंबर से बजट आकार लेने लगेगा. भवन निर्माण के मद में बची राशि का उपयोग भी जनकल्याण की योजनाओं में किया जाएगा. सरकार के दायित्व, एसडीजी गोल तथा पिछड़े क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता में रखा गया है. यह भी सुनिश्चित किया गया है कि केंद्र व राज्य की योजनाओं में दोहराव न हो.

स्थापना व्यय में इन आवश्यक तत्वों का समावेश

अगले साल के लिए बजट में कई आवश्यक तत्वों का समावेश भी किया गया है. इसमें वेतन, मजदूरी, देश के अंदर और विदेश यात्रा, राशन की लागत, कार्यालय खर्त, मुद्रण एवं प्रकाशन, विज्ञापन, आपूर्ति सामग्री, इंधन, प्रशिक्षण खर्त, संविदा पर खर्च, व्यवसायिक सेवा, विद्युत शुल्क, किराया दर, पुरस्कार, पेंशन, ऋण,, ब्याज का भुगतान को शामिल किया गया है. कहा गया है कि कर, शुल्क और अधिभारों की वर्तमान दर और पिछले तीन साल में प्राप्ति की वास्तविक स्थित की भी सूचना अंकित की जाए. वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्तियों की वृद्धि दर की प्रवृति को भी बजट में शामिल किया जा रहा है.

आपकी बात

जिस भी क्षेत्र से जुड़ें, समर्पित होकर पूरी ईमानदारी से काम करें. काम भी अच्छा होगा व परिणाम भी बेहतर आएंगे.

नाम : मेघाली सेनगुप्ता
पद : प्राचार्या, बीएन पब्लिक स्कूल
जन्मस्थल : रांची
कार्यक्षेत्र : गदोखर, हजारीबाग

पासवा की वाइस प्रेसीडेंट मेघाली सेनगुप्ता किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. उनके पिता प्रदीप कुमार सेनगुप्ता चिकित्सक के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र से भी जुड़े रहे हैं. पारवाारक माहाल शक्षाणक रहा ह. भाई प्रोणित सेनगुप्ता भी शिक्षक हैं और माता मीनू सेन गुप्ता गृहिणी हैं. मेघाली का जन्म भले ही रांची के डोरंडा में हुआ है, लेकिन उनका बचपन हजारीबाग में गुजरा. बेहत मृदुल व्यवहार की मेघाली हजारीबाग के गदोखर में संचालित भारत नेशनल पब्लिक स्कूल में बतौर प्राचार्या पांच वर्षों से नौनिहालों का भविष्य संवार रही हैं. वह बच्चों को हर गतिविधियों में पारंगत करने के लिए प्रयासरत रहती है. उन्होंने हजारीबाग गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल से वर्ष 2006 में मैट्रिक की परीक्षा उतीर्ण की. वहीं, 2008 में केवी वूमेंस कॉलेज से इंटर और विनोबा भावे विश्वविद्यालय से 2011 में वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल की. मेघाली ने इग्नू से लॉ की उपाधि सोशल वर्क एंड क्रिमिनल जस्टिस और धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन हजारीबाग से बीएड की डिग्री प्राप्त की. उनका गीत-संगीत से भी गहरा लगाव रहा है. पिछले छह साल से वह म्यूजिक अलबम में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं. सहायक डायरेक्टर के रूप में शॉर्ट फिल्म में भी काम किया है. उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि भी काफी बेहतर रही है.

कृष्ण मोहन सिंह की अंतिम यात्रा में हजारों हुए शामिल

मंगलवार को निकाली गयी अंतिम यात्रा में हजारों लोग हुए शामिल.

संवाददाता । रांची

राजधानी के वार्ड 40 (वर्तमान में वार्ड 39) के पूर्व पार्षद कृष्ण मोहन सिंह मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गए. उनकी अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए. दिवंगत कृष्ण मोहन सिंह को आम से लेकर खास तक ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी. 55 वर्ष की उम्र में पटना के निजी अस्पताल में कृष्ण मोहन सिंह ने अंतिम सांस ली. मंगलवार को उनकी अंतिम यात्रा धुर्वा स्थित आवास से निकलकर सिठियो पहुंचा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया. दिवंगत कृष्ण मोहन सिंह को उनके पुत्र ने मुखाग्नि दी.

अंतिम यात्रा में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, कांग्रेसी नेता राजीव रंजन, कांग्रेसी नेता शमशेर आलम, पूर्व डिप्टी मेयर अजयनाथ शाहदेव, बीजेपी नेता रमेश सिंह, बीजेपी नेता मुनचुन राय, वार्ड 37 के पूर्व पार्षद आनंद मूर्ति, झारखंड चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री, पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह, एचईसी श्रमिक यूनियन के नेता समेत हजारों लोग शामिल हुए. बता दें कि सोमवार की सुबह कृष्ण मोहन सिंह का निधन हुआ. वो अपने पीछे तीन पुत्री व एक पुत्र को छोड़ गए हैं. परिवार में चार भाई और बहन में कृष्ण मोहन दूसरे स्थान पर थे.

खास बातें

- अंतिम यात्रा में सुबोधकांत सहाय व अन्य हुए शामिल
- झारखंड बस ऑनर एसो. के अध्यक्ष भी रहे थे

मोंगिया स्टील की याचिका पर कोर्ट ने मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने मोंगिया स्टील लिमिटेड की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सलूजा स्टील लिमिटेड को नोटिस जारी किया है. अदालत ने सलूजा स्टील को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अदालत अब इस मामले में सुनवाई जनवरी के तीसरे सप्ताह में करेगा. मोंगिया स्टील की याचिका में कहा गया है कि कंपनी के मालिक पगड़ीधारी सरदार हैं, अपने ब्रांड के प्रचार में वह खुद होते हैं. इसका फायदा उठाने के लिए उनके भाई ने वर्ष 2014-15 में सलूजा स्टील के नाम से एक अलग कंपनी बनाई, जिसमें वह सरिया का निर्माण कर रहे हैं. वह भी पगड़ीधारी सरदार हैं और सलूजा के मालिक भी अपनी फोटो के साथ अपने ब्रांड का प्रचार करने लगे, जिससे लोगों में यह भ्रम हो रहा है कि सलूजा कंपनी का स्टील मोंगिया ग्रुप का ही है. इसलिए ऐसे विज्ञापन पर रोक लगायी जाए. मोंगिया स्टील की ओर से अधिवक्ता के सुमित गड़ोदिया ने अदालत में बताया कि यह ट्रेड मार्क एक्ट और कॉपी राइट एक्ट का उल्लंघन है.

क्लीन चिट वर्षों तक गायब रहने वाले अफसर को सिर्फ निंदन की सजा

4 ब्यूरोक्रेट्स पर लगे आरोपों की फाइल बंद

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड कैडर के चार आइएएस अफसरों पर लगे आरोपों की फाइल सरकार ने बंद कर दी है. जानकारी के अनुसार इन अफसरों को क्लीन चिट भी दे दी गई है. इन अफसरों में किरण पासी, मनीष रंजन, अरवा राजकमल और बाघमारे प्रसाद कृष्णा का नाम शामिल हैं. आईएएस किरण पासी पर गोड्डा की उपायुक्त रहते हुए वर्ष 2019 में पोषाक आपूर्ति में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगा. लगभग चार साल तक जांच चली. अब फाइल बंद हो गई है.

मनीष रंजन की भी फाइल क्लोज

आइएएस मनीष रंजन पर लगे आरोपों की भी फाइल क्लोज कर दी गई है. मनीष रंजन के खिलाफ पदस्थापना काल में कई परिवाद आए, लेकिन वे फाइलों में ही बंद रह गए. जबकि एक अधिकारी ने उस समय सभी परिवादों को पुट अप कर आगे की कार्यवाही करने की अनुशंसा फाइल पर की थी.

विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा, अब फाइल बंद

2008 बैच के आईएएस अफसर अरवा राजकमल जब बोकारो डीसी थे, तब उन्होंने 8 फरवरी 2013 से 14 दिनों के लिए ईएल के लिए अप्लाई किया था. 7 फरवरी 2013 को उन्होंने बिना किसी सक्षम प्राधिकार को बताए मुख्यालय छोड़ दिया. इसके बाद फिर 14 दिनों की छुट्टी के लिए अप्लाई किया.

बर्खास्तगी तक पहुंचा मामला

आईएएस वाघमारे प्रसाद कृष्णा लगभग तीन साल से अधिक समय से बिना सूचना के अनुपस्थित थे. विभागीय कार्यवाही के संचालन पदाधिकारी सह तत्कालीन अपर मुख्य सचिव इंदु शेखर चतुर्वेदी ने जांच रिपोर्ट कार्मिक विभाग को सौंपी थी. इसके बाद राज्य सरकार ने भारत सरकार को वाघमारे कृष्णा प्रसाद के डीम्ड रेजिगनेशन का प्रस्ताव भेजा था. लेकिन भारत सरकार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया और राज्य सरकार को वापस भेज दिया. अब फाइल बंद कर दी गई है.

CLASSIFIED

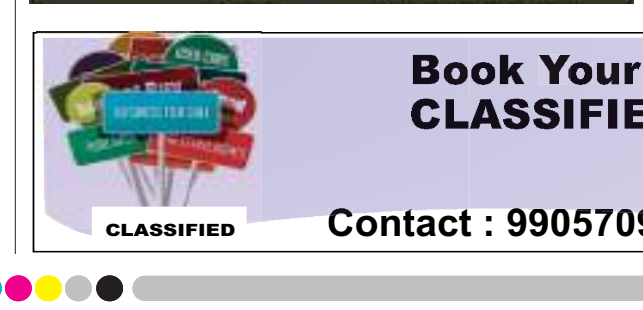

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

बुधवार, 13 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 235

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

रहें सावधान: खर्राटे की आदत, दिन में झपकी और रात में नींद पूरी न होने से हार्ट व ब्रेन की बीमारी का खतरा

फेफड़ों में पानी जमने की समस्या आम, बड़ी संख्या में अस्पताल में भर्ती हो रहे मरीज

सौरभ कुमार शुक्ला। रांची

राज्य में कोरोना के बाद फेफड़ा रोग के मरीजों की संख्या सबसे अधिक बढ़ी है. पल्मोनरी रोग के विशेषज्ञ डॉ निशीथ ने बताया कि कोरोना में सबसे अधिक संक्रमित फेफड़ा ही हुआ था. कहा कि फेफड़े से संबंधित बीमारियों की जांच सबसे महत्वपूर्ण है. छाती के ऑपरेशन के भी कई प्रकार हैं. इनमें छाती में पानी जमने की समस्या अब आम होने लगी है. लोगों में खर्राटे लेने की आदत, दिन में झपकी और रात में नींद पूरी नहीं होने से आगे चल कर हार्ट और ब्रेन की बीमारी होने का खतरा रहता है. उन्होंने बताया कि लोगों में फेफड़े की रोग के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है. इस कारण थोड़ी भी परेशानी होने पर लोग अस्पताल पहुंच कर जांच करा रहे हैं. वैसे लोग जितने कोरोना में गंभीर रूप से संक्रमित हुए थे, उनका थोड़ा-सा भी इंफेक्शन बड़ा रूप ले लेता है.

ऐसे में उन मरीजों को सतर्क रहने की जरूरत है. हालांकि पोस्ट कोविड समस्या सिर्फ एक साल तक ही थी. अब कोरोना प्रभावित नहीं कर रहा है. पर कोरोना के बाद मरीजों में सांस संबंधित परेशानी को लेकर विशेष तौर पर जागरूकता आयी है, जिससे मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है.

प्रदूषण से फेफड़े हो रहे कमजोर: डॉ निशीथ

डॉ निशीथ ने कहा कि कोरोना के बाद पल्मनोलॉजी का महत्व बढ़ गया है. शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग फेफड़ा है. और प्रदूषण होने के कारण फेफड़ा प्रभावित हो रहा है. कैंसर के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं. अब रांची में अत्याधुनिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध है. फेफड़े में पानी भर जाता है और पता नहीं चलता है, तो इसके लिए थायरोस्कॉपिक जांच की जरूरत पड़ती है. यह सुविधा इस शहर में है. कई बार फेफड़े का कैंसर होने पर ब्रोंकोस्कोपिक जांच की जरूरत होती है. इसकी सुविधा भी रांची में है. अपने देश में लंग ट्रांसप्लांट की सुविधा भी अब उपलब्ध है.

फेफड़ों के नाजुक हिस्सों को होता है नुकसान, बन जाती है झिल्ली

डॉ निशीथ ने बताया कि पोस्ट कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें कोविड संक्रमण के कारण फेफड़ों के नाजुक हिस्सों को नुकसान पहुंचता है. फेफड़ों में झिल्ली बन जाती है. फेफड़े कम एक्टिव रह जाते हैं जिससे ऑक्सीजन और कार्बन-डाइऑक्साइड एक्सचेंज होना कम हो जाता है. अगर सही तरह से इलाज न हो, तो जिंदगी भर फेफड़ों संबंधी परेशानी रह सकती है. जो मरीज मोटापा, फेफड़ों की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि से पीड़ित होने के अलावा कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं और लंबे समय तक वेंटिलेटर पर रह चुके हैं, उन्हें पल्मोनरी फाइब्रोसिस का खतरा ज्यादा है.

टीबी को हल्के में न लें, आनेवाले दिन मुश्किल: डॉ ब्रजेश मिश्रा

रिम्स के टीबी और छाती रोग विशेषज्ञ डॉ ब्रजेश ने कहा कि औद्योगिक और खनन क्षेत्र होने के कारण झारखंड में सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ी है. फेफड़े में धूल-कण जाने से दमा, अस्थमा, टीबी, सिलिकोसिस जैसी बीमारी हो रही है. शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो रही है. जिस कारण आगे चलकर इलाज में भी समस्या होती है. पहले ट्यूबरक्लोसिस(टीबी) पौष्टिक भोजन नहीं मिलने के कारण कमजोर लोगों को होता था, लेकिन आज ऐसा नहीं है. टीबी की दवा लेने वाले मरीज जब दवा छोड़ देते थे, तब मल्टीड्रग रेजिस्टेंस (एमडीआर) टीबी होता था, लेकिन अब एमडीआर टीबी के कई मामले सामने आ रहे हैं. इसका इलाज बिल्कुल अलग है. इसे हल्के में नहीं लें, अन्यथा आने वाले दिन मुश्किल भरे हो सकते हैं.

आर्टरीज में खून गाढ़ा होने की समस्या हुई आम: डॉ प्रशांत

रिम्स के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ प्रशांत ने बताया कि कोरोना के बाद वस्कूलर थ्रोमबोसिस, रक्त की धमनियों का गाढ़ा होना, खून का जमना समान्य हो गया है. जिस कारण कोरोना के बाद हृदय के मामलों में बढ़ोतरी हुई है. पर उन्होंने कहा कि पोस्ट कोविड का असर सिर्फ कोरोना के एक साल बाद तक ही था. उसके बाद अब तक हृदय को लेकर कोई नई स्टडी सामने नहीं आई है. लेकिन हृदय रोगियों के मामले 2021 के बाद बढ़े हैं.

कामयाबी...

आशुतोष ने 5 मिनट में 107 गुणन योग हल कर बनाया रिकॉर्ड

संवाददाता। जमशेदपुर

करनडीह के रहने वाले 17 वर्षीय छात्र आशुतोष पाणिग्रही

- **इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स में अपना नाम कराया दर्ज**

ने 10 मिनट में 101 जोड़-घटाव और 5 मिनट में 107 गुणा योग हल कर इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स में अपना नाम दर्ज कराया है.आशुतोष एक ऑटिस्टिक (स्पेशल) बच्चा है, जो ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार से पीड़ित है. मंगलवार को डीडीसी मनीष कुमार ने जिला मुख्यालय में उसे सम्मानित किया. इस मौके स्पेशल बच्चों के लिए काम करने वाली एस्पायर संस्था से जुड़े लगभग 30 बच्चे व उनके अभिभावक उपस्थित थे. सभी बच्चों ने ढोल नगाड़ों की धुन पर जम कर नृत्य किया और अपनी खुशी जाहिर की. इस अवसर पर एस्पायर संस्था की उपाध्यक्ष और आशुतोष की मां डॉ निवेदिता पाणिग्रही ने बताया कि उनके पुत्र ने इंडिया बुक ऑफ रिकाड्र्स में अपना नाम दर्ज कराकर पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है. इंडियन अबेकस करनडीह की ओर से यह सम्मान दिया गया है. सम्मान पाकर आशुतोष भी काफी खुश है. इसका श्रेय वह अपने माता-पिता को देता है. वो चाहता है कि आगे चलकर देश का नाम रौशन करे. पवार लिफ्टिंग के साथ कोडिंग में भी उसकी दिलचस्पी है. डीडीसी मनीष कुमार ने आशुतोष को शुभकामनाएं दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

गर्मी में जल संकट को देखते हुए सरकार बना रही जलाशय डिसिल्टेशन नीति

जागी हेमंत सरकार

कौशल आनंद। रांची

विगत कई वर्षों से झारखंड में गर्मी में जल संकट उत्पन्न हो रहा है. एक ओर जहां सिंचाई के लिए तो वहीं पीने के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है. जलाशयों की साफ-सफाई को लेकर कई बार हाईकोर्ट ने भी सरकार कड़े निर्देश दिए. अब जाकर सरकार इसको लेकर गंभीर दिख रही है. जलाशयों और डैमों की साफ-सफाई के लिए सरकार झारखंड जलाशय डिसिल्टेशन नीति-2023 बनाने जा रही है.

इसका प्रारूप करीब-करीब तैयार कर लिया है. जल्द इसे लागू किए जाने की संभावना है. सरकार का मानना है कि जलाशयों में जलभंडारण को बढ़ाने में इस पॉलिसी से लाभ होगा.

गाद से बालू और अन्य तत्वों का व्यावसायिक इस्तेमाल : जलाशयों में डीएसएल तक सिल्ट भर जाने के पूर्व सिल्ट हटाने के लिए योजनाबद्ध सिस्टम अपनाए जाने से जलाशय में शिल्ट/गाद आदि जमा होने की दर में कमी होगी. इससे निकाली गई गाद या सिल्ट का इस्तेमाल बालू एवं अन्य उपयोगी तत्वों को अलग कर निर्माण के उद्देश्य से ईंट, टाइल्स उद्योगों के लिए किया जा सकता है. इससे राज्य में बालू की आपूर्ति बढ़ेगी और इनके अन्य तत्वों की बिक्री कर राज्य के राजस्व को बढ़ाया जा सकता है.

डिसिल्टेशन पर निर्णय को लेकर कमेटी का गठन होगा

जलाशयों में डिसिल्टेशन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा, अनुमोदन, अनुशंसा के लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा. जिसमें मुख्य अभियंता रूपांकन, समग्र योजना एवं जल विज्ञान अध्यक्ष होंगे, जबकि क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता दो, खनन पदाधिकारी, मतस्य पदाधिकारी, पेयजल पदाधिकारी, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पदाधिकारी इसके सदस्य होंगे.

क्या-क्या है जलाशय डिसिल्टेशन नीति-2023 का उद्देश्य

- सरकार का मानना है कि झारखंड में जल संसाधनों के समग्र विकास एवं प्रबंधन के लिए जलाशयों, डैमों में सिल्ट प्रबंधन एक अहम विषय है.
- जलाशयों के निर्माण काल के बाद कलांतर में सेडिमेंटेशन के कारण इनकी वास्तविक भंडारण क्षमता में कमी होती है. इसके कारण सिंचाई और पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने के साथ बांध की सुरक्षा एवं बाढ़ प्रबंधन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है.
- जलाशयों के डेड स्टोरेज लेबल तक सिल्ट/गाद आदि जमा हो जाने के बाद डिसिल्टेशन कार्य कराया जाना अनिवार्य हो जाता है. मगर जलाशयों के गहरे भाग में डिसिल्टेशन कार्य अधिक खर्चीला होने के साथ-साथ निकाले गए सिल्ट में बाल की कम मात्रा होने के कारण उक्त सिल्ट का न्यूनतम आर्थिक मूल्य ही रह जाता है.
- इस नीति का उद्देश्य है बांध और पर्यावरण की सुरक्षा मापदंड सुनिश्चित करते हुए जलाशयों के लिए स्व-वित्तपोषित राजस्व सृजन आधारित सिल्ट प्रबंधन तैयार करना है. इससे डिसिल्टेशन कार्य और संबंधित पहलुओं के लिए जल संसाधन विभाग के द्वारा एक मार्गदर्शिका तैयार की जाएगी.

खास बातें

- जलाशयों और डैमों में जलभंडारण को बढ़ाने के लिए झारखंड सरकार ने कस ली है कमर
- रांची के दो महत्वपूर्ण जलाशयों रुक्का और गोंदा डैम में गाद के कारण पानी भंडारण की क्षमता कम

यह हाल है रांची के प्रमुख डैमों का हाल

रांची शहर में 80 फीसदी से अधिक क्षेत्रों में वाटर सप्लाई करने वाला गेतलसूद (रुक्का) डैम वर्ष 2015 से पहले डैम का लेबल 1900 फीट तक पानी पेयजल के लिए इस्तेमाल किया जाता था. मगर इसके बाद यह 1910 फीट तक पानी पेयजल के लिए उपयोग होता था. अप्रैल 2019 के बाद 1914 फीट तक पानी पेयजल के लिए उपयोग किया जा रहा है. अब इसके नीचे का कच्चा जल काफी दूषित है.

- गोंदा डैम से वाटर सप्लाई के लिए जलस्तर 2107 फीट तक पानी लिया जाता था. वर्तमान में गाद भर जाने के कारण 2112 फीट तक ही पानी लिया जा रहा है.
- जलकुंभी और गंदा पानी गिरने से गेतलसूद डैम में गाद भरती जा रही है. वर्षों से इस डैम का डिसिल्टिंग नहीं किया गया है. इस डैम का लाइन लाइन नदी स्वर्णरेखा है. लेकिन विद्यापति नगर,हिंदपीढ़ी, कुसई ब्रीज, मुक्तिधाम नामकुम, हरमू नदी और जुमार नदी का गंदा पानी इसमें प्रवेश कर रहा है. जो सीधे तौर पर इस डैम में लगातार प्रभावित हो रहा है. इसके कारण डैम की गुणवत्ता भी खतरे में पड़ गयी है.

अमन हत्याकांड: गांधी और बजरंगी पर चलेगा मुकदमा, कोर्ट में हुई पेशी

पहले से जेल में बंद दोनों 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

संवाददाता। धनबाद

यूपी के कुख्यात अमन सिंह की जेल में गोली मार कर हत्या के मामले में जेल प्रशासन ने मंगलवार को कड़ी सुरक्षा में विकास बजरंगी और सतीश उर्फ गांधी को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी की कोर्ट में पेश किया. कोर्ट ने इस कांड में दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया. अब दोनों के विरुद्ध अमन की हत्या का केस चलेगा. बजरंगी और गांधी दूसरे मामलों पहले से जेल में हैं.

ज्ञात हो कि हमन हत्याकांड के आईओ विनय कुमार ने सोमवार को अदालत में आवेदन देकर धनबाद जेल में बंद विकास बजरंगी व सतीश साव उर्फ गांधी को न्यायिक हिरासत में लेने के लिए अनुरोध किया था. धनबाद के प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी की अदालत ने सहायक लोक अभियोजक समित प्रकाश की दलील सुनने के बाद जेल प्रशासन को दोनों को पेश करने का आदेश दिया था. आईओ विनय कुमार ने अदालत में आवेदन देकर कहा था कि अमन सिंह को गोली मारने के आरोपी रितेश यादव उर्फ सुंदर महतो ने पुलिस के समक्ष दिए अपने इकबालिया बयान में अपने सहयोगी के रूप में सतीश साव उर्फ गांधी व विकास बजरंगी का नाम बताया है. सीसीटीवी फुटेज में भी विकास और गांधी की संलिप्तता दिख रही है.

कोर्ट में पेशी के लिए जाते विकास बजरंगी और सतीश गांधी.

जेल में मारपीट के नौ नामजद पुलिस रिमांड पर

अमन की हत्या के बाद जेल में दो गुटों के बीच हुई मारपीट के मामले के सभी आरोपियों को पुलिस ने रिमांड पर लिया है. ये सभी पहले से दूसरे मामलों में जेल में बंद हैं. अब उन पर जेल में मारपीट, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का भी केस चलेगा. अमन हत्याकांड में तीसरी प्राथमिकी जेलर मुस्तकीम की शिकायत पर 4 दिसंबर को दर्ज की गई थी .इसके मुताबिक 3 को अमन को गोली लगने के बाद जेल में दो गुटों के में मारपीट हुई. मारपीट करने वालों में एक गुट से बजरंगी,चंदन, गांधी और अमर शामिल थे. वहीं दूसरे गुट के कुंदन धिकार उर्फ रोहित, वैभव यादव उर्फ राहुल सिंह, आशीष शुक्ला उर्फ सत्य उर्फ प्रिंस ,दिनेश कुमार गौड़ व भोलू यादव समेत अन्य शामिल थे.

मेडिकल दुकानदार से मांगी 10 लाख की रंगदारी, मामला दर्ज

जसीडीह। मानिकपुर दवा व्यवसायी से 10 लाख की रंगदारी मांगी गयी है. नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गयी है. व्यवसायी जय कुमार वर्णवाल ने थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि अपनी मेडिकल दुकान से खाना खाने घर जा रहे थे, तभी फोन आया और किसी ने कहा- 48 घंटे में 10 लाख रुपए की व्यवस्था कर दो, नहीं तो गोली मार देंगे. उसने अपना नाम अजीत पांडेय बताया. इसके कुछ देर बाद ही एक काली बाइक पर मुंह बांधे एक व्यक्ति आया और बोला कि आपके पास फोन आया था, वहीं रुपया लेने भेजा है, जल्दी दो नहीं तो गोली मार देंगे और मेरे पास रखे 10 हजार रुपए ले लिये. धमकी दी कि अगर थाने में सूचना दी तो अंजाम बुरा होगा. पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुट गयी है.

ईडी करती रही इंतजार, नहीं गये सीएम, पत्र लिख कर पूछा

आरोपी की तरह बुला रहे या जांच में सहयोग के लिए, स्पष्ट करें

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को भी पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे. जवाब में सीएम ने ईडी कार्यालय चिट्ठी भेज दी. जिसे सूरज नाम का कर्मी लेकर ईडी ऑफिस पहुंचा.

बता दें कि सीएम को ईडी ने 6वीं बार समन भेज कर पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन दोपहर बाद 3 बजे सीएम सचिवालय का एक कर्मी पत्र लेकर ईडी के दफ्तर पहुंचा. कर्मी ने ईडी के अधिकारियों को पत्र सौंप दिया. जानकारी के मुताबिक, सीएम की तरफ से ईडी को भेजे पत्र में पूछा गया है कि समन में यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें आरोपी की तरह बुलाया जा रहा है या फिर जांच में सहयोग के लिए. इसके साथ ही सीएम ने अपने पत्र में ईडी से यह आग्रह किया है कि वह उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न करे. सीएम ऑफिस से आए कर्मी का नाम सूरज कुमार बताया गया है.

सीएम चले गए दुमका : बता दें कि सीएम हेमंत सोरेन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए दुमका चले गए. इससे पहले भी सीएम ईडी के बुलावे पर पूछताछ के लिए नहीं गए. ईडी के अधिकारी सीएम से जमीन घोटाला मामले पूछताछ करने वाले थे. हालांकि इधर सीएम के आगमन को लेकर ईडी ऑफिस के बाहर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गये थे.लेकिन सीएम ईडी ऑफिस नहीं पहुंचे.

डेटा डकैती और डीपफेक

सुरजीत सिंह

क्या आपको किसी ने यह बताया कि मुंबई ही नहीं देश के प्रतिष्ठित ताज होटल के 15 लाख ग्राहकों का डेटा चोरी हो गया है. मुंबई के ताज होटल में तमाम अमीर लोग ही ठहरने की हैसियत रखते हैं. उनके नाम, फोन नंबर और दूसरी व्यक्तिगत जानकारियों वाला डेटा चोरी हो गया है. इतना ही नहीं चोरी किया गया डेटा डार्क वेब पर बिक रहा है. 5000 डॉलर यानी करीब 4.16 लाख रुपए में कोई भी व्यक्ति वहां से डेटा को खरीद सकता है. और फिर अपने हिसाब से उनका इस्तेमाल कर सकता है. हम अखबारों में इन खबरों को पढ़ करके खुश होते हैं कि पुलिस ने 10 साइबर अपराधियों को पकड़ा. पांच को पकड़ा. पर साइबर अपराधी इससे बहुत आगे निकल चुके हैं. और फोन नंबर के सहारे पुलिस की कार्रवाई चल रही है. पिछले महीने की 31 तारीख को खबर आयी कि भारत के 81.5 करोड़ से अधिक लोगों के डेटा चोरी हो गए हैं. ये डेटा कोरोना के दौरान टेस्टिंग के वक्त इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने कलेक्ट किया था. अब तक करोड़ों लोगों के आधार डाटा चोरी होने की खबरें आ चुकी हैं. इसी साल 5 अप्रैल को खबर आई थी कि देश के 70 करोड़ लोगों का डेटा चोरी हो गया है. जिसे डार्क वेब पर बेचने की तैयारी की जा रही है. आंध्र प्रदेश पुलिस की साइबराबाद पुलिस ने डेटा चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ा था. अपराधियों ने 24 राज्यों और 8 मेट्रो शहरों से डेटा चुराए थे. ज्यादातर डेटा छात्रों और टेक कंपनियों के थे. इसके अलावा कैब इस्तेमाल करने वाले 1.84 लाख लोगों के डेटा भी इसमें शामिल थे. इसके अलावा इंस्टाग्राम, अमेजन, नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, पेटीएम, फोन पे, जोमेटो, पॉलिसी बाजार, अप स्टोक्स, बुक माय शो जैसी कंपनियों के डेटा भी थे. सर्फशार्क की एक रिपोर्ट बताती है कि अक्टूबर-दिसंबर 2022 के दौरान भारत में 85 लाख लोगों के डेटा चोरी हुए, जबकि जनवरी-मार्च 2023 के दौरान 21.34 लाख लोगों के.

बड़ी चिंता

हालात ये हैं कि डेटा चोरी के मामले में हम दुनिया भर में छठे स्थान पर हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत में प्रति दिन अलग-अलग सेक्टर से करीब 23 हजार से अधिक लोगों के डेटा चोरी हो रहे हैं. ऐसा लग रहा है देश में डेटा डकैतों का चौतरफा हमला हो रहा है. दुनिया के अनेक देशों ने डेटा चोरी रोकने के लिए कानून बना लिए हैं. लेकिन भारत में डेटा प्रोटेक्शन बिल को लेकर अब तक सिर्फ चर्चा हो रही है. कंज्यूमर डेटा प्रोटेक्शन के लिए अगर कोई कानून बने, तभी इसे रोक पाना संभव हो पाएगा. कुल मिला कर डेटा प्रोटेक्शन की वजह से देश भर में खतरनाक स्थिति बनती जा रही है. और इस स्थिति में कोई भी व्यक्ति नहीं कह सकता कि वह सुरक्षित है.

डीपफेक से पैदा हुआ बड़ा खतरा

- **घटना :** ऐसे तो सोशल मीडिया पर बहुत सारे फर्जी और एडिटेड फोटो व वीडियो मौजूद हैं. पर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रचलन के बाद यह संकट ज्यादा बढ़ गया है. क्योंकि असली-नकली फोटो या वीडियो में फर्क करना मुश्किल हो गया है. पिछले दिनों एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के चेहरे का इस्तेमाल कर वायरल किए गए कई वीडियो क्लिप देखने के बाद देश में इस पर गंभीरता से चर्चा होने लगी है.
- **संकट :** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति के चेहरे व चेहरे के हाव-भाव, बॉडी एक्शन आदि का इस्तेमाल किसी दूसरी वीडियो या फोटो के साथ जोड़ कर डीपफेक वीडियो-फोटो तैयार किया जाता है. एआई के दुरूपयोग का यह एख बड़ा उदाहरण है. इसे रोकने के लिए किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अब तक कोई ठोस प्रयास नहीं किए हैं. यू-ट्यूब ने सिर्फ यह कहा है कि वीडियो अपलोड करते वक्त यह घोषणा देनी होगी कि वीडियो में एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया है. लेकिन अगर कोई व्यक्ति इस बात को छिपा लेता है, तो उसे पकड़ने का कोई इंतजाम नहीं.

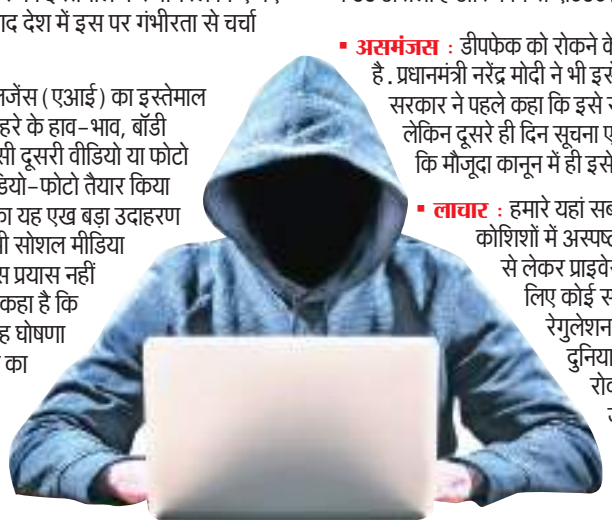

- **सरकारी कोशिश :** डीपफेक या एडिटेड फोटो-वीडियो पर रोक लगाने को लेकर सरकारी प्रयासों की बात करें, तो निराशाजनक बात सामने आती है. सरकार सिर्फ यह कर रही है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कह रही है कि ऐसे कंटेंट को हटा दें. जबकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी यह समझने में वक्त लग जाता है कि कौन से कंटेंट असली हैं और कौन से एडिटेड.
- **असमंजस :** डीपफेक को रोकने के लिए सरकारी कोशिशें चल रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे गंभीर माना है. जिसके बाद सरकार ने पहले कहा कि इसे रोकने के लिए नया कानून बनेगा. लेकिन दूसरे ही दिन सूचना एवं तकनीक मंत्रालय ने कह दिया कि मौजूदा कानून में ही इसे रोकने के लिए प्रावधान हैं.
- **लाचार :** हमारे यहां सबसे बड़ी संकट सरकारी कोशिशों में अस्पष्टता है. भारत में डेटा सिक्यूरिटी से लेकर प्राइवेसी और डीपफेक को रोकने के लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं है. आईटी रेगुलेशन में हम बहुत पीछे चल रहे हैं. दुनिया के कई देश ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कानून बना रहे हैं, जबकि हम सिर्फ बयानों तक ही सीमित हैं. कुल मिला कर हम आईटी रेगुलेशन के मामले में बहुत पीछे चल रहे हैं.

पूर्व उप प्रमुख की पुलिस मुखबिरी के आरोप में की हत्या

किरीबुरू। नक्सलियों ने पूर्व उप प्रमुख कमल पूर्ति की हत्या पुलिस मुखबिरी के आरोप में सोमवार की रात कर दी. पुलिस ने रायगढ़ा सड़क से कमल का शव बरामद किया है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. नक्सली पूर्व में भी दो बार कमल की हत्या का प्रयास कर चुके थे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली. इस बार उन्हें नक्सलियों ने मौत के घाट उतार दिया. गुदड़ी थाना क्षेत्र पहले से नक्सल प्रभावित रहा है.

एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि रायगढ़ा के कमल पूर्ति की अपराधियों ने हत्या कर दी है. सूत्रों से सत्यापन करने पर पता चला कि कमल पूर्ति की हत्या गोली मार कर की गई. हत्या नक्सली दस्ते ने की है, ऐसा लगता है. मृतक कमल पूर्ति का प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के साथ संपर्क रहा था और इनका पूर्व का आपराधिक इतिहास भी था. गुदड़ी थाने में उनके विरुद्ध कई मामले दर्ज है. जिसमें वो जेल भी जा चुके थे.

ब्रीफ खबरें

श्यामपुर बी कोलियरी में सुरक्षा सप्ताह आयोजित

निरसा । ईसीएल के मुगमा क्षेत्र अंतर्गत श्यामपुर कोलियरी में वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह का आयोजन मंगलवार को प्रबंधक द्वारा शुरू किया गया. जिसमें अधिकारी से लेकर कोलियरी के सभी कोल कर्मी उपस्थित थे. प्रबंधन ने कहा कि हर साल की भांति इस साल भी सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है. जिसका उद्देश्य कोलियरी में काम करने वाले सभी मजदूर सभी कोल कर्मियों की सुरक्षा संबंधी हर विषय की जानकारी देना तथा उन्हें सुरक्षित रखकर कार्य करवाना है.

पुरातन काली मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू

निरसा । गोपीनाथपुर के गुदलीभीटा गांव में मंगलवार को कलशयात्रा के साथ नवनिर्मित पुरातन काली मंदिर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई. कलशयात्रा में भारत भारत स्वाभिमान न्यास के धनबाद जिला संयोजक मनजीत सिंह, नयाडांगा काली मंदिर के मखू सिंह, पतंजलि के मनोज सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. ज्ञात हो कि इस पुरातन काली मंदिर का पुनर्निर्माण निरसा मध्य पंचायत की मुखिया रीता देवी के पति मनोज सिंह ने कराया है.

जिला परिषद संवेदक संघ ने की शोक सभा

धनबाद । मंगलवार 12 दिसंबर को लुबी सर्कुलर रोड स्थित उत्सव भवन में धनबाद जिला परिषद संवेदक संघ ने जिला परिषद सदस्य स्वर्गीय संजय महतो के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए शोक सभा का आयोजन किया. सभी संवेदकों ने 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की. जिला परिषद संवेदक संघ के अध्यक्ष आकाश रवानी ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया कहा कि स्वर्गीय संजय महतो सरल स्वभाव के थे.

पूर्व शिक्षिका के निधन पर हुई शोक सभा

सिंदरी । सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी की पूर्व शिक्षिका अंजना सिंह की कैंसर से हुई सोमवार को आकस्मिक मृत्यु पर विद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन मंगलवार को किया गया. सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल सिंदरी के प्राचार्य सुनील कुमार पाठक ने बताया कि पूर्व शिक्षिका अंजना सिंह वर्ष 1995 से सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में सामाजिक विज्ञान की शिक्षिका थीं. वह पिछले तीन वर्षों से असाध्य बीमारी कैंसर से पीड़ित थीं और रांची में उनका इलाज चल रहा था.

पूरे राज्य में भ्रष्टाचार का आलम : उमेश गोस्वामी

निरसा । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी निरसा प्रखंड की ओर से मंगलवार को पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष विमल बाउरी की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी उपस्थित थे. गोस्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि निरसा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए ग्राम एवं बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने को लेकर पार्टी जगह-जगह बैठक कर क्षेत्र की ज्वलंत समस्या से जनता के साथ सीधे जुड़ रही है.

विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक

महुदा । मंगलवार को कांड्रा पंचायत सचिवालय में कार्यकारिणी समिति की बैठक मुखिया रिंकु देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में मुख्य रूप से पंचायत के अंतर्गत वार्ड क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का समीक्षा कर अवलोकन किया गया. साथ ही आगे होने वाले महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने का निर्णय लिया गया. वहीं 21 दिसंबर को सरकार आपके द्वार की सफलता को लेकर तैयारी से संबंधित चर्चा किया गया.

पुराना बाजार से हटे अतिक्रमण: अजय लाल

धनबाद । पुराना बाजार चैंबर के अध्यक्ष अजय नारायण लाल ने नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सहायक नगर आयुक्त से मिलकर एक ज्ञापन सौपा है. अजय नारायण ने कहा कि पुराना बाजार में जाम की विकट समस्या है. जाम लगने का मुख्य कारण सड़क का किया गया अतिक्रमण है. ठेले वालों के साथ ही पक्के दुकानदारों ने भी 12 से 16 फिट का झज्जा निकाल कर सड़क का अतिक्रमण कर रखा है. अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सहायक नगर आयुक्त को ज्ञापन दिया है.

सौंपा ज्ञापन : टासरा प्रोजेक्ट में लोगों को 75 प्रतिशत नियोजन को लेकर झाकोमयू के प्रतिनिधिमंडल ने कल्याणेश्वरी को दिया ज्ञापन

सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो आर्थिक नाकेबंदी होगी : मलय

संवाददाता । सिंदरी

सेल चासनाला की महत्वाकांक्षी परियोजना टासरा प्रोजेक्ट में स्थानीय लोगों को 75 प्रतिशत नियोजन सहित अन्य सुविधाओं को लेकर झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने सेल इडी, सेल टासरा महाप्रबंधक टीके राय तथा टासरा संवेदक कल्याणेश्वरी टासरा माइनिंग प्रा लिमिटेड को मंगलवार को ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे झाकोमयू केन्द्रीय सदस्य सह ग्रामीण रैयत विस्थापित विकास मोर्चा अध्यक्ष मलय चंद्र महतो ने प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि सात दिनों के अंदर मांग पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो टासरा प्रोजेक्ट की आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी.

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित स्थानीय लोगों और विस्थापितों को 75 प्रतिशत नियोजन व रैयत विस्थापितों को मूलभूत सुविधाएं सेल टासरा प्रबंधन मुहैया नहीं करा रही है. इसको लेकर झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन कदम बढ़ाते हुए सेल एक्सक्यूटिव डायरेक्टर के नाम पत्र सेल मुख्य महाप्रबंधक संजय तिवारी, सेल टासरा महाप्रबंधक टी के राय और संवेदक केटीएमपीएल को पदाधिकारी सुमित कुमार के माध्यम से पत्र देकर नियोजन सहित सुविधाओं पर कार्रवाई के लिए आग्रह किया गया है. उन्होंने कहा कि टासरा, रोहड़ाबांध और कांड्रा के रैयत ग्रामीण टासरा के कोयले का प्रदूषण झेल रहे हैं. ओबी डंप कर प्रबंधन जमीन हड़पने का काम कर रही है. उन्होंने कहा कि पूर्व के समझौते पर आज भी पूर्ण रूप से नियोजन और मुआवजा राशि प्रबंधन के पास बकाया है. सेल टासरा प्रबंधन पानी निकालकर मिट्टी को ओबी डंप क्षेत्र में फेंकने का काम शुरू कर दिया है और स्थानीय लोगों को दरकिनार कर रही है. उन्होंने सेल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि सात दिनों के अंदर प्रबंधन द्वारा सकारात्मक पहल नहीं करने पर टासरा प्रोजेक्ट की आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी. सेल मुख्य महाप्रबंधक पर्सनल संजय तिवारी ने कहा कि केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के नीतियों का पालन सेल प्रबंधन अवश्य कर रही है. झाकोमयू प्रतिनिधिमंडल में ग्रामीण रैयत विस्थापित मोर्चा अध्यक्ष मलय चंद्र महतो, मोर्चा उपाध्यक्ष निपेन विश्वकर्मा, सचिव राजेश महतो, कोषाध्यक्ष बिनोद महतो, वार्ड नं 53 सचिव राज रौशन सिंह, झामुमो संगठन सचिव सुरेश मुंडा, निकेश होरो, माणिक चंद्र महतो, रोहित सिंह, राहुल सिंह, मो फिरदौसी, वरुण कुमार, मो वकील अहमद, मो इमरान अंसारी, बबलू राय, आनंद महतो, विकास महतो, मनोज महतो, विवेक महतो, तुषार कुमार सहित अन्य झाकोमयू सदस्य व रैयत ग्रामीण मौजूद थे.

रखी मांग

- मूलभूत सुविधाएं सेल टासरा प्रबंधन मुहैया नहीं करा रही है
- कांड्रा के ग्रामीण टासरा के कोयले का प्रदूषण झेल रहे हैं

सेल टासरा जीएम को ज्ञापन देते झाकेमयू के प्रतिनिधिमंडल

निर्माण: 167 करोड़ की लागत से बना है सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल

अस्पताल तैयार, मरीज को है अब चालू होने का इंतजार

मरीज परेशान

- 2016 में अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू हुआ था
- तकनीकी कारणों से अस्पताल समय से नहीं बन पाया

रविन्द्र कुमार । धनबाद

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना फेज 3 के तहत एसएनएमएमसीएच धनबाद के परिसर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. बावजूद मरीजों को इसका अब तक लाभ नहीं मिल सका है. बताते चलें की 27.08.2016 से अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू किया गया था. काम समाप्ति की तिथि जून 2021 में रखी गई थी. इस दौरान जमीन संबंधी व्यवधान और कई तकनीकी कारणों से अस्पताल समय से नहीं बन पाया. अब जब अस्पताल बन कर तैयार है, इसके बाद भी गंभीर रोग से ग्रसित मरीज बाहर जाने के लिए विवश हैं. बीते दो वर्षों से अस्पताल शुरू करने की बात अधिकारी करते हैं लेकिन इस वर्ष भी यह संभव नहीं हो सका. नेफ्रोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, कॉर्डियोलॉजी, कार्डियो थोरॉसिस सर्जरी, यूरोलॉजी, मेडिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी, सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी, प्लास्टिक व बर्न सर्जरी, न्यूरो सर्जरी संबंधित बीमारी के लिए मरीजों को धनबाद से बाहर जाना पड़ता है. इससे मरीजों को जहां काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं वहीं आने जाने में काफी समय भी लगता है.

ये होंगी खास विशेषताएं

- रिम्स रांची के बाद सुविधाओं के मामले में राज्य का दूसरा अस्पताल होगा.
- सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में कुल 200 बेड होंगे.
- अलग-अलग विभाग के आईसीयू में कुल 40 बेड व 8 ओटी होगा.
- कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी व गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी रोगियों का इलाज संभव होगा.

विशेषज्ञ चिकित्सकों की बाट जोह रहा है अस्पताल

विशेषज्ञ चिकित्सक के लिए राज्य स्तर से नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई थी. बीते वर्ष से अब तक करीब चार बार विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया भी की गई लेकिन सरकार को विशेषज्ञ नहीं मिले. जानकार बताते हैं की कुछ नियम व शर्तों की वजह से चिकित्सक रुचि नहीं दिखा रहे हैं. ऐसे में एक वर्ष से अस्पताल विशेषज्ञ चिकित्सकों की बाट जोह रहा है. बता दें की स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए झारखंड कैबिनेट ने 94 डॉक्टरों के पद सृजित किए हैं. डॉक्टरों की नियुक्ति जेपीएससी के माध्यम से करने का निर्णय लिया गया है.

200 बेड का यह अस्पताल बनकर है तैयार

अस्पताल के लिए 167 करोड़ रुपए आवंटित किए गए. इसमें 80 करोड़ रुपए से अस्पताल निर्माण करने और 1.65 करोड़ रुपये संसाधन पर खर्च करने थे. 50 प्रतिशत राशि को अस्पताल के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण इत्यादि के लिए खर्च किया गया. अस्पताल के लिए जरूरी उपकरणों की खरीदारी कर ली गई है. 200 बेड का अस्पताल बनकर तैयार है. यहां 160 जनरल और 40 आइसीयू बेड लगाए गए हैं. आठ माड्यूलर आपरेशन थिएटर स्थापित किए गए हैं. अस्पताल में अलग से रेडियोलाजी और पैथोलाजी की भी तैयारी की गई है. अधिकारियों की मानें, तो भवन निर्माण से लेकर वहां उपकरण के अधिष्ठापन का काम लगभग पूरा हो चुका है.

छात्रों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी जा रही है: मथुरा महतो

तेतुलामारी । बाघमारा प्रखंड के नगरी कला उत्तर पंचायत फुटबॉल ग्राउंड में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, बाघमारा सीओ रवि भूषण प्रसाद, जिला परिषद सदस्य मो. इजराफिल उर्फ लाला मुखिया राजेंद्र प्रसाद महतो उर्फ रिंकू महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर के किया. अपने संबोधन में विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि आम लोगों के लिए इससे बेहतर उपहार आज तक किसी सरकार के कार्यकाल में नही मिला. गरीबों को जहां अबुआ आवास का लाभ मिल रहा है. वहीं छात्रों के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड की सुविधा हेमंत सोरेन सरकार में दिया जा रहा है. स्वास्थ्य सुविधा के साथ आम लोगों के लिए जमीन से जुड़ा समस्या का समाधान किया जा रहा है. वर्तमान की झारखंड सरकार सभी लोगों के लिए काम कर रही है. उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि सरकार आपके दरवाजे तक आई है इसका लाभ लें. वहीं कार्यक्रम में 25 स्टॉल लगाया गया है. जिसमे संबंधित विभाग के अधिकारी बैठे थे. आबुआ आवास योजना, पेंशन योजना और गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के साथ राशन कार्ड को लेकर ज्यादा आवेदन जमा किया गया. सभी आवेदन पर जांच कर लाभुकों को जल्द ही योजना का लाभ मिल देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई. इधर नगरी कला दक्षिण पंचायत के मुखिया राजेंद्र प्रसाद महतो उर्फ रिंकू महतो ने कहा कि झारखंड सरकार की योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लाभुकों ने काफी उत्साह दिखाया है.

कड़ाके की ठंड ने दी दस्तक सुबह-शाम बढ़ी कनकनी

संवाददाता । धनबाद

जिले में कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है. बीते एक सप्ताह से तापमान में लगातार कमी आ रही है. इसी कड़ी में बीते 24 घंटों में जिले के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है. न्यूनतम तापमान गिरकर 10 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर चला आया है. 12 दिसंबर को इस सीजन के अब तक का सबसे ठंडा दिन रहा. मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 14 दिसंबर को न्यूनतम तापमान गिरकर नौ डिग्री सेल्सियस पर चला आएगा. अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट आने के साथ ही कनकनी बढ़ गयी है. दिन में चल रही ठंडी हवा सिरहन पैदा कर रही है. जबकि सुबह और शाम को कनकनी महसूस हो रही है. ठंड बढ़ने से शाम को बाजारों में लोगों की चहल कदमी कम हुई है. वहीं रात के आठ से नौ बजे के बीच दुकाने बंद हो जा रही हैं और सड़कें सुनसान हो जा रही हैं. शहर के कुछ चौक-चौराहे पर लोगों को अलाव जला कर ठंड से बचने का प्रयास करते देखा जा सकता है. अधिकतर चौक-चौराहों पर लोगों को अब सरकारी अलाव जलने का इंतज़ार है. हालांकि अब तक सरकारी अलाव जलाने की व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन और नगर निगम की बैठक नहीं हुई है. बता दें कि बीते वर्ष भी आधी ठंड गुजरने के बाद सरकारी बाबू जागे थे और अलाव जली थी.

अगले चार दिनों का संभावित तापमान

तिथि	अधिकतम	न्यूनतम
13 दिसंबर	25	10
14 दिसंबर	25	9
15 दिसंबर	25	9
16 दिसंबर	25	0

समय सीमा खत्म, पूरा नहीं हुआ 7 करोड़ के सीएनडी प्लांट का कार्य

संवाददाता । धनबाद

नगर निगम द्वारा सीएनडी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिस वेस्ट) प्लांट शुरु करने की योजना की अवधि पूरी होने के बावजूद कार्य अब तक पूरा नहीं किया गया है. बता दें कि 2 दिसम्बर को कार्य की अवधि समाप्त हो गई है. निगम द्वारा बिल्डिंग वेस्ट मेटेरियल से पेवर ब्लॉक बनाने की योजना है. इस प्लांट के बनने से धनबाद की रैंकिंग भी सुधरेगी. इसके बाद भी निगम द्वारा इस प्लांट का कार्य पूरा नहीं किया गया है. इस प्लांट का कार्य हैदराबाद की कंपनी एच आर स्क्वायर को मिली है.

प्लांट की कुल लागत 7 करोड़ रुपये है. पुराने मकान और बिल्डिंग से निकलने वाले मलबे डंपिंग यार्ड के लिए मुसीबत बन रहे है. नगर निगम ने पिछले साल इसे उपयोग में लाने के लिए सीएनडी प्लांट लगाने की योजना बनाई थी. दिसंबर 2022 में टेंडर फाइनल हुआ. हैदराबाद की कंपनी एचआर स्क्वायर को काम दिया गया. आमाघाटा में दो एकड़ जमीन में काम भी शुरू हुआ, एक साल में काम पूरा होना था. लेकिन जमीन की पेंच में मामला उलझ गया था. इसके बाद गोधर में जमीन चिन्हित किया गया है. गोधर में मिली जमीन आमघाटा से कम है, इसलिए इसके डिज़ाइन में बदलाव का प्रस्ताव भेजा गया था.

नए डिज़ाइन को पीएमसी से मंजूरी मिल गई है. इसके बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है. गोधर में चिन्हित जमीन पर अब तक सिर्फ एक गार्ड रूम और एक शौचालय ही बना है. बता दें कि बिल्डिंग वेस्ट मेटेरियल का काम दो चरण में होना है . पहले चरण में प्लांट का निर्माण और दूसरे चरण में नई कंपनी का चयन कर पेवर ब्लॉक का निर्माण कराना है. चयनित कंपनी को लोगों के घर से बिल्डिंग वेस्ट उठाना है. इसके लिए एक टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाना है. नगर निगम खुद इस पेवर ब्लॉक का प्रयोग करेगा. साथ ही इसे बेचकर निगम की राजस्व वृद्धि की भी योजना है.

धनबाद नगर निगम कार्यालय

निशा ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दो सिल्वर मेडल जीते

महुदा । महुदा बस्ती के रहने वाली मैहर निशा के जमशेदपुर और बरकाखाना में डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा से अंडर 17 वर्षीय बालिका वर्ग बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कुल दो सिल्वर पदक जीत कर मंगलवार को गांव पहुंचे पर ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. साथ ही मिठाई व पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया. वहीं निशा राज्य लेवल पर रामगढ़ के बरकाखाना से खेल कर दो सिल्वर मेडल जीत कर आने से क्षेत्र में खुसी की लहर है. जीत कर आयी मैहर निशा इस जीत के पीछे अपनी कड़ी मेहनत और परिजनों का सहयोग परिणाम बताया. निशा ने कहा कि सभी लोग अपनी बेटियों को खेल के प्रति आगे बढ़ने दें ताकि देश का नाम रोशन कर सके.ओर बेटियों को उनका सम्मान मिल सके. इधर महुदा पंचायत के मुखिया बदरूद्दीन अंसारी व पंचायत समिति सदस्य दिलखूस देहाती ने कहा कि आज हमारे पंचायत के बेटियां नहीं हमारे पंचायत का नाम रौशन किया है. निशा से सभी लड़कियों को प्रेरणा लेनी चाहिए.

विधायक के प्रयास के बावजूद प्रबंधन और रैयतों में नहीं बनी सकी सहमति

संवाददाता । तेतुलामारी

बीसीसीएल एरिया पांच के तेतुलमारी कोलियरी प्रबंधक और नगरी कला व चंदौर पहाड़ी बस्ती के रैयतों के बीच मुआवजा और नियोजन को लेकर घंटों चली हंगामेदार वार्ता मंगलवार को विफल रही. रैयतों अपने जमीन के बदले मुआवजा व नियोजन एक माह के अंदर मांग रहे थे जबकि महाप्रबंधक अनूप कुमार राय रैयतो से छः माह का समय मांग रहे थे. रैयत व प्रबंधन की बीच घंटों हंगामेदार वार्ता में आखिरकार बेनतीजा रही.

उल्लेखनीय है कि तेतुलामारी कोलियरी में संचालित चेन्नई राधा आउटसोर्सिंग कंपनी में नियोजन मुआवजा की मांग को लेकर रैयत 11 दिनों तक कंपनी का कार्य बाधित कर धरना पर बैठे थे. सोमवार की देर शाम धरना स्थल पर पहुंचे गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने प्रबंधन से बातचीत कर सकारात्मक पहल रैयतो से समंजन स्थापित करने के लिए रैयतो व प्रबंधन में मंगलवार को वार्ता करने की सहमति बनी थी. बावजूद मंगलवार को वार्ता विफल होने से विधायक लंबोदर महतो का प्रयास भी निष्फल रहा.

वार्ता विफल होने के बाद आजसू के केंद्रीय महासचिव संतोष महतो ने नगरी कला में आजसू पार्टी के कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित कर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन षड्यंत्र रच कर रैयतों का हक मारना चाहती है. विधायक के समक्ष प्रबंधन ने सकारात्मक वार्ता करने की बात स्विकार किया था. ओर दूसरी तरफ़ प्रबंधन ने गुपचुप तरीके से धारा 144 लगवाने का षड्यंत्र किया. आजसू पार्टी भारतीय कानून व्यवस्था को मानती है. इसलिए आंदोलन को स्थगित किया गया.

धरना खत्म धारा 144 लागू

आजसू पार्टी के उपाध्यक्ष सह आंदोलन के नेतृत्वकर्ता नरेश महतो ने कहा कि आजसू पार्टी द्वारा एक दिसंबर से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रशासन द्वारा धारा 144 लगाने के बाद समाप्त कर दिया गया नरेश ने कहा कि प्रबंधन रैयतों का हक नही देना चाहती है इसलिए चुपके से धारा 144 लगवाया. जबकि एक दिन पूर्व ही विधायक लंबोदर महतो के साथ वार्ता में सबकुछ क्लियर हो गया था.

सीट फुल मुंबई-दिल्ली-सूरत से बिहार-झारखंड आनेवाली ट्रेनों में अभी से है सीट फुल

बिहार-यूपी की ट्रेनों में टिकट बुकिंग के लिए मारामारी

संवाददाता । धनबाद

भले सीढ़े तीन महीने बाद 25 मार्च को होली है, लेकिन अभी से ही बिहार-यूपी की ट्रेनों में टिकट बुकिंग के लिए मारामारी हो रही है. मुंबई-दिल्ली-सूरत-लुधियाना, चेन्नई समेत कई बड़े शहरों से बिहार-झारखंड की ओर आनेवाली ट्रेनों की सीटें फुल हो चुकी है. महानगरों में काम करनेवाले प्रवासी होली जैसे पर्व में गांव व अपने घर आकर परिवार के साथ होली खेलना पसंद करते हैं.

दीपावली और छठ पूजा की तरह होली में प्रवासी बिहार और झारखंड आते हैं. रेलवे सूत्रों के अनुसार धनबाद से भी बिहार, यूपी समेत कई राज्यों की ओर जानेवाली ट्रेनों में काफी तेजी से टिकटें बुक हो रही है. गंगा-दामोदर, गंगा-सतलज, मौर्य, पाटलीपुत्र, जयनगर आदि ट्रेनों की टिकटें सबसे अधिक बुकिंग हो रही हैं. कम भीड़वाली ट्रेनों में गिनती की ही सीटें बची हुई है. रेलवे सूत्रों के अनुसार कंफर्म टिकट के लिए अधिकतर यात्री टिकट दलालों का सहारा ले रहे हैं. टिकट दलाल धनबाद स्टेशन रोड से लेकर शहर के हीरापुर, बैंकमोड़, धनसार, झरिया, सिंदरी, बरमसिया आदि इलाकों में सक्रिय हैं, जो साइबर कैफे में बैठकर टिकट बुकिंग करते हैं. टिकट दलाल इतने माहिर हैं कि विदेश सॉफ्टवेयर व शॉर्प सर्वर के माध्यम से चंद सेकेंड में एक सौ से अधिक टिकट एक बार में बुक कर लेते हैं. नियमतः एक यूजर आईडी से महीने में 24 टिकट ही बुक कर सकते हैं, लेकिन दलाल विदेशी सॉफ्टवेयर अनगिनत टिकटें बुक करते हैं. वहीं मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के साथ-साथ राजधानी जैसी वीआइपी ट्रेनों में होली को लेकर अधिकतर सीटें फुल हैं.

23 मार्च को नई दिल्ली से हावड़ा और सियालदह जानेवाली दोनों राजधानी एक्सप्रेस में थर्ड व सेकेंड एसी में वेटिंग लिस्ट है। 24 मार्च को भी दोनों ट्रेनों में गिनती की सीटें ही बची हैं। रेलवे अधिकारी के अनुसार संभवतः दो-तीन दिनों में खाली सीटें फुल हो जाएगी. इसके अलावा धनबाद से पटना जानेवाली गंगा-दामोदर व धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस में भी होली से बुकिंग तेजी से हो रही है.

इन ट्रेनों में काफी सीटें खाली हैं, लेकिन जनवरी से टिकट बुकिंग की रफ्तार बढ़ेगी. मुंबई-हावड़ा मेल में 22 मार्च से स्लीपर से सेकेंड एसी तक फुल, भावनगर टर्मिनस-आसनसोल साप्ताहिक पारसनाथ एक्सप्रेस में 19 मार्च को स्लीपर से सेकेंड एसी तक फुल है. कालका-हावड़ा नेताजी में 22 से 24 मार्च तक स्लीपर में आरएसी, थर्ड एसी में 22 व 23 मार्च को वेटिंग लिस्ट है.

टिकट नहीं

- होली में प्रवासी बिहार और झारखंड आते हैं
- अधिकतर यात्री टिकट दलालों का सहारा ले रहे हैं

केंद्र की नीति से जनता कर रही त्राहिमाम : अरूप चटर्जी

संवाददाता । निरसा

केंद्र की मोदी सरकार की कॉरपोरेट परस्त जन विरोधी नीतियों के खिलाफ कोलकाता से निकली जन चेतना यात्रा मंगलवार को निरसा पहुंची. माससं कार्यकर्ताओं ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया. यात्रा में विभिन्न संगठनों से करीब 100 लोग शामिल हैं. निरसा के यज्ञ मैदान सभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों से देश की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है. महंगाई चरम पर है. बेरोजगारी बढ़ती जा रही है. कल-कारखाने बंद होते जा रहे हैं. सार्वजनिक उद्योगों का निजीकारण हो रहा है. इससे लोगों का ध्यान भड़काने के लिए धर्म का सहारा लिया जा रहा है. सभा को माससं नेता आगम राम, कार्तिक चंद्र दत्त, गोविंद सिंह आदि ने संबोधित किया.

ब्रीफ खबरें

बोकारो में डिज्नीलैंड मेले का हुआ शुभारंभ

बोकारो। बोकारो जिले के चास स्थित तेलीडीह फोरलेन के समीप मंगलवार को डिज्नीलैंड मेले का शुभारंभ चास नगर निगम के निवर्तमान मेयर भोलू पासवान ने फीता काटकर किया. मौके पर भोलू ने कहा कि लंबे समय से यहां डिज्नीलैंड मेला नहीं लगा था. अब यहां के लोग डिज्नीलैंड मेले का आनंद उठा सकेंगे. इस मौके पर मेले के संचालक शंकर प्रसाद गुप्ता ने कहा कि डिज्नीलैंड मेले में एंट्री पास मुफ्त दिया जा रहा है. मेले में मारुति सर्कस सहित देसी विदेशी झूले के साथ मीना बाजार भी लगा हुआ है.

गावां में लगा महिला बंध्याकरण शिविर

गावां (गिरिडीह)। गावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को बंध्याकरण शिविर का आयोजन किया गया है. शिविर में प्रखंड के विभिन्न इलाकों के कुल 21 महिलाओं का बंध्याकरण किया जाएगा. शिविर में डॉ बीके सिंह को प्रतिनियुक्त किया गया है. वहीं, शिविर को सफल बनाने में गावां के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी चंद्रमोहन कुमार, डॉ हब्बीउल्लाह खान, बीटीटी उषा देवी, प्रियंका मरांडी, शिशिर उपाध्याय, रंजन कुमार आदि सराहनीय योगदान दे रहे हैं.

गुणायतन की घटना के बाद प्रशासन अलर्ट

पीरटांड़ (गिरिडीह)। जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के गुणायतन परिसर में मंदिर निर्माण के कार्य में लगे क्रेन से गिरकर युवक की हुई मौत पर प्रशासन अलर्ट हो गया है. बताया गया कि युवक क्रेन के ऊपर काम कर रहा था इसी दरम्यान उसके पैर फिसलने से वह नीचे जा गिरा जिसमें उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान गिरिडीह सदर प्रखंड के चेतादीह निवासी फिरोज अंसारी उर्फ चरका के रूप में किया गया है. वहीं घटना के बाद डुमरी एसडीएम ने एक नोटिस जारी किया.

ऐतिहासिक होगी संकल्प सभा : यादव

गावां (गिरिडीह)। गावां पंचायत भवन में मंगलवार को भाकपा माले की प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपस्थित थे. बैठक में 18 दिसंबर को राजधनवार में आयोजित संकल्प सभा की सफलता पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया. तय किया गया कि प्रखंड के सभी 17 पंचायतों से हजारों की संख्या में लोग संकल्प सभा में भाग लेंगे. इसके लिए पंचायत वार कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई.

उग्रवाद प्रभावित गांव में बांटी सामग्री

बोकारो। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 26वीं वाहिनी के कमांडेंट राजीव रंजन के निर्देशानुसार एवं नारायण बलाई (द्वितीय कमान अधिकारी) की उपस्थिति में सिविक एक्शन प्रोग्राम गोमिया प्रखंड के बड़की सीधाबारा एवं पचमों पंचायत के अत्यधिक नक्सल प्रभावित अंबाटांड़, रोला, मुरपा, झुमरा पहाड़ एवं नावाडीह में किया गया. इस दौरान झुमरा पहाड़ के कंपनी कमांडर निरीक्षक जीडी राकेश कुमार राय ने बताया कि इस कार्यक्रम में बच्चों को स्कूल बैग आदि दिया गया है.

लक्ष्मण सिंह ने किया क्षेत्र का दौरा

धनवार (गिरिडीह)। भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह मंगलवार को धनवार प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों का दौरा किया. इस क्रम में सिंह धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे और कार्यकर्ताओं से मिले. जहां कार्यकर्ताओं से केंद्र की मोदी सरकार की साढ़े नौ वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया.

विधायक ने मुक्ति धाम घाट का कराया सफाई

बेरमो। गोमिया के होसिर स्थित बोकारो नदी के किनारे मुक्तिधाम घाट का मंगलवार को स्थानीय विधायक डॉ लंबोदर महतो ने अपने सहयोगियों के साथ सफाई कार्य करवाया. इस दौरान उन्होंने जेसीबी मशीन लगाकर मुक्तिधाम घाट का समतलीकरण एवं वहां उगे हुए झाड़ियों का सफाई भी कराया. इस संबंध में विधायक ने कहा कि बोकारो नदी के बाएं तट पर स्थानीय ग्रामीण छठ पूजा सहित अन्य पूजा का कार्यक्रम करते हैं.

गिरिडीह : जलाशय में मेहमान परिंदों की अठखेलियों से खिंचे चले आते हैं सैलानी

प्रवासी पक्षियों से गुलजार हुआ खंडोली पर्यटन स्थल

आबिद अंजुम। बेंगाबाद (गिरिडीह)

गिरीडीह जिले का मशहूर पर्यटन स्थल खंडोली प्रवासी पक्षियों से गुलजार होने लगा है. हर साल शरद ऋतु का आरंभ होते ही सैंकड़ों मील की दूरी तय कर ये प्रवासी पक्षी खंडोली जलाशय पहुंचते हैं. पूरे जाड़े के मौसम तक खंडोली ही इनका आशियाना होता है. यहां का प्राकृतिक सौंदर्य सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता है, खंडोली जलाशय में मेहमान परिंदों की अठखेलियां पर्यटकों को अपनी तरफ खींचती हैं. शरद ऋतु शुरू होते ही यहां पर्यटकों का आना शुरू हो जाता है. लोग यहां की मनोरम वादियों का भरपूर लुत्फ उठाते हैं.

गिरिडीह शहर से उत्तर-पूर्व आठ किलोमीटर की दूरी पर करीब 6300 एकड़ में फैला खंडोली जलाशय पक्षियों की विविधता के लिए भी जाना जाता है. डॉ. सत्यप्रकाश, डॉ. गौतम व अमित जैन बताते हैं कि खंडोली जलाशय में आने वाले प्रवासी पक्षियों में साइबेरियन डक और उनकी अलग-अलग प्रजातियां शामिल हैं. फेरुजीनस डक, ओरिएंटल डाटर, ब्लैक हेडेड ब्रूज, आइबिस लेजर एडजुटेंट, कॉमन पोचार्ड, ऑस्प्रे और वेस्टर्न मास हैरियर आदि शमिल हैं. अत्यधिक ठंड वाले स्थानों से ये प्रवासी पक्षी हिमालय पार कर हजारों मील का सफर तय कर भारत के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचते हैं. जिनमें से खंडोली जलाशय भी एक है. बताया जाता है कि अत्यधिक ठंड पड़ने वाले देशों से पक्षी भोजन की तलाश में हजारों मील का सफर तय कर यहां पहुंचते हैं. शरद ऋतु सामाप्त होते ही ये मेहमान परिंदे वापस अपने वतन लौट जाते हैं. दिसंबर से फरवरी माह तक इन परिंदों की किलकारियां खंडोली जलाशय में गूंजती रहती है.

सर्वे और पेट्रोलिंग का दिया गया है निर्देश: डीएफओ

कुछ वर्ष पूर्व तक खंडोली जलाशय में आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या बहुत अधिक होती थी. मगर बीते कुछ वर्षों से इनकी संख्या कम होती जा रही है. इसकी मुख्य वजह स्थानीय लोगों द्वारा इन पक्षियों का शिकार किया जाना है. इससे भयभीत होकर ये पक्षी अपना आशियाना बदल लेते हैं. वन विभाग के फॉरेस्ट ऑफिसर परवेश अग्रवाल ने बताया कि खंडोली जलाशय में इन पक्षियों के सर्वे के लिए रेंजरों को निर्देश दिया गया है. वहीं, शिकार पर रोक लगाने के लिए जलाशय के इर्द-गिर्द लगातार पेट्रोलिंग कराई जा रही है. सुबह से शाम तक टीम इस क्षेत्र में पेट्रोलिंग करती है. पक्षियों का शिकार करते पकड़े जाने पर ऐसे लोगों विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

जिला समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन, संरक्षक कुमार राकेश बोले-

दुकानों को उजाड़ने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था करे प्रशासन

संवाददाता। बोकारो

बोकारो समाहरणालय के समक्ष मंगलवार को झुग्गी-झोपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ ने पांच सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन और घेराव किया. हवाई अड्डा चहारदीवारी और दुंदीबाद स्थित मीट-मुर्गा दुकानदारों ने महासंघ के अध्यक्ष भगवान सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में प्रदर्शन के बाद उपायुक्त बोकारो के नाम अपर समाहर्ता मेनका को मांगपत्र सौंपा. इस दौरान सुबह से दुंदीबाद और सेक्टर 12 मोड़ की सभी मीट दुकानें बंद रहीं. प्रदर्शन को संबोधित करते महासंघ के संरक्षक कुमार राकेश ने कहा कि बोकारो हवाई अड्डा से हवाई सेवा के प्रारंभ होने से पूर्व जिला प्रशासन दुंदीबाद के आस-पास मीट दुकानों को हटाना चाहता है. लेकिन उचित स्थान पर पुनर्वास के बिना हटाना उचित नहीं होगा.

वहीं, महासंघ के अध्यक्ष कुशवाहा ने कहा कि फुटपाथ दुकानदार और झुग्गी-झोपड़ी वासियों की लड़ाई तबतक जारी रहेगी जबतक पुनर्वास नहीं होगा. इस दौरान महासंघ के संरक्षक सह आप के प्रदेश समिति सदस्य विधान चंद्र राय, धनबाद जिला संयोजक अशोक महतो समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया. प्रदर्शन को रामचंद्र राम, बुधनी देवी, सुनीता देवी, पूजा देवी, छाया देवी, मनोहर महतो, लखन महतो आदि ने भी संबोधित किया. प्रदर्शन के बाद उपायुक्त बोकारो को सौंपे गए पांच सूत्री मांगपत्र में पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के तहत सभी मीट-मुर्गा दुकानदारों को पुनर्वासित करने, दुग्गल गेट के समीप खाली मैदान में बोकारो इस्पात प्रबंधन और जिला प्रशासन की सहमति से बसाने, सेक्टर पांच हटिया की तरफ चबूतरा बनाकर देने, सभी दुकानों में बिजली-पानी का कनेक्शन देने तथा जिला प्रशासन से मीट-मुर्गा दुकानदारों को स्थाई लाइसेंस देने की मांगें शामिल हैं.

मौके पर आम आदमी पार्टी और महासंघ के मनौवर अंसारी, कारु महतो, अजय महतो, राजेन्द्र महतो, रोहित कुमार गुप्ता, बिनोद महतो, संकरी देवी, सोना देवी, सोनी देवी, शबरी देवी, आशा देवी, संगीता देवी, लक्ष्मी देवी, सपना देवी, रेखा देवी, रूप देवी, सोनामणि देवी, काजल देवी, विलासी देवी, काजल देवी, रीता देवी, उमेश महतो, कपिल मेहता, निमाई चंद्र महादानी, गणेश गौरांग, मुकेश मेहता, कैलाश कुमार, बबलू चौधरी, पुतुल कुमार मेहता, गोविंद प्रसाद, रोहित कुमार गुप्ता, आशीष कुमार, मिथुन कुमार, बहादुर मेहता, रंजीत कुमार, प्रदीप कुमार, अनिल महतो, सुजीत कुमार, प्रकाश महतो, जीतू कुमार, राजू रजवार, संतोष कुमार सहित अन्य उपस्थित थे.

प्रदर्शन में शामिल फुटपाथ दुकानदार व झुग्गी-झोपड़ी वासी.

खास बातें

- अध्यक्ष ने उपायुक्त बोकारो के नाम मांग पत्र सौंपा
- लड़ाई जारी रहेगी, जब तक पुनर्वास नहीं हो जाता : अध्यक्ष

पीरटांड़ में 90% बच्चों को पिलायी गयी दवा

पीरटांड़ (गिरिडीह)। तीन दिवसीय पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान के अंतिम दिन मंगलवार को स्वास्थ्य कर्मी और सहिया घर-घर जाकर वैसे नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाई जो किसी कारणवश दो दिन में दवा नहीं पी सके थे. पोलियो अभियान में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो खुराक पिलाया गया. पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत पीरटांड़ प्रखंड में कुल 151 बूथ बनाया गया थे जिसमें 02 टीम, 6 मोबाइल टीम, 31 सुपरवाइजर, 302 वैक्सिनेटर को लगाया गया था. जबकि प्रखंड के 20684 बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का खुराक पिलाया गया. जबकि अभियान को सफल बनाने में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी शशिकांत कुमार, बीपीएम सरिता कुमारी, एएनएम सोहाग कुमारी, शांति आदि शामिल थीं.

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार के तहत धनवार के केंदुआ पंचायत में मंगलवार को शिविर का आयोजन हुआ. उद्घाटन धनवार बीडीओ देवेंद्र कुमार दास, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आरपी दास, मुखिया कार्तिक दास, सांसद प्रतिनिधि उदय सिंह व पंसस निरंजन तिवारी आदि ने किया. शिविर में लोगों को कार्यक्रम तथा योजनाओं की जानकारी दी गई. उनकी आवश्यकता और अर्हता के अनुसार आवेदन आमंत्रित किये गए. वहीं लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया. शिविर में विभिन्न विभागों के कुल 21 स्टॉल लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों का आवेदन लिया जा रहा था. बैंक द्वारा शिविर नहीं लगाए जाने से केसीसी के इच्छुक किसान नाराजगी भी जता रहे थे. कार्यक्रम में सीआई धनंजय प्रसाद, बीटीएम रंजीत वर्मा, प्रदीप कुमार, जैबुना खातून, विनीत देवी, सुदामा पंडित आदि सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया.

डाकघर परिसर में हड़ताल शुरू

संवाददाता। गिरिडीह

अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के केंद्रीय महासचिव एसएस महादेवैवा के आह्वान पर अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ गिरिडीह मंडल का मंगलवार को प्रधान डाकघर परिसर में देशव्यापी हड़ताल शुरू किया. ग्रामीण डाक सेवक संघ अपने साथ सूत्री मांगों के समर्थन में प्रधान डाकघर के मुख्य द्वार पर केंद्र सरकार के मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन किया. संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि वर्तमान की केंद्र सरकार जीडीएस के जीवन के साथ फिरंगी सरकार की तरह खिलवाड़ कर रही है, कहा की ग्रामीण डाक सेवक संघ के विभिन्न मांगों के समर्थन में सरकार के पास हम लोगों की मांगें निष्क्रिय रूप से पड़ी हुई है उसे केंद्र सरकार उसे स्वीकृति प्रदान करने में अनदेखी कर रही है. पांडेय ने कहा कि सरकार के पास हम लोगों की लंबी समय से लंबित मांगों को हल करने के लिए मजबूर होकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाना पड़ा. उन्होंने कहा कि हम लोगों की सात सूत्री मांगों में मुख्य रूप से 8 घंटे काम और पेंशन सहित सभी लाभ प्रदान करने नियमित कर्मचारियों के समान एक-एक 2016 से टीआरसी का 12, 14 और 36 वर्ष की सेवा पूरी करने पर तर्क संकट निर्धारण वरिष्ठ नागरिकों के लिए वेटेज वृद्धि, समय वित्तीय उन्नयन सहित कमलेश चंद्र समिति की सभी सकारात्मक सिफारिश का तत्काल कार्यान्वयन करना आदि मांग शामिल है.

बाबूलाल के सहयोग से कई पंचायतों में बांटे गये कंबल

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड के थानसिंहडीह, नारोटांड़, छोटकी लदबेदवा, कारीपहरी सहित विभिन्न पंचायतों में कंबल का वितरण किया गया. स्थानीय विधायक बाबूलाल मरांडी के सहयोग से मुखिया प्रतिनिधि मदन यादव और दिनेश ठाकुर ने जरुरतमंदों के बीच कंबल बांटे. मौके पर मुखिया प्रतिनिधि ने कहा कि बाबूलाल मरांडी लगातार इस क्षेत्र का दौरा कर सभी लोगों को मदद कर रहे हैं. अत्यधिक ठंड को देखते हुए विधायक ने पूरे विधानसभा क्षेत्र में कंबल वितरण करवाया.

डीएवी स्वांग की छात्रा वीणा का इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन

बेरमो। केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर आयोजित इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता के लिए डीएवी पब्लिक स्कूल स्वांग की छात्रा वीणा बर्मन का चयन हुआ है. इस प्रतियोगिता में 10वीं के छात्रा वीणा बर्मन के प्रोजेक्ट का चयन हुआ है. विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग की ओर से वीणा को प्रोत्साहन स्वरूप 10 हजार रुपए का चेक व प्रमाणपत्र भेजा गया है. वीणा बर्मन की इस उपलब्धि पर डीएवी स्वांग के प्राचार्य डॉ एसके शर्मा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूल के दूसरे बच्चों को इससे सीख लेते हुए इस तरह के रचनात्मक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए.

बोकारो : विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जागरूकता कार्यक्रम

मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनेगा

संवाददाता। बोकारो

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत केंद्र की मोदी सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजनों तक पहुंचाने एवं योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से निकाली गई यात्रा मंगलवार को रितुडीह पंचायत पहुंची. इस दौरान आदर्श उच्च विद्यालय सोनाटांड़ में बोकारो विधायक बिरंची नारायण एवं चास बीडीओ के नेतृत्व में आमजनों ने स्वागत किया गया. समारोह की अध्यक्षता चास बीडीओ एवं संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष बैधनाथ प्रसाद ने की विधायक विरंची नारायण ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है. देश में प्रतिदिन नए कीर्तिमान बन रहे हैं, साथ ही देश के आमजनों को सभी मौलिक सुविधा विभिन्न दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं यथा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान, पीएम आवास, उज्जवला, हर घर को नल से जल योजना, किसान क्रेडिट बीमा, शौचालय समेत अन्य योजनाओं के माध्यम से मिल रहा है. उन्होंने उपस्थित लोगों को सभी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की. वहीं, चास बीडीओ ने केंद्र सरकार की सभी योजनाओं को विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से आमजनों के जीवन शैली में काफी बदलाव हुआ है. मौके पर निशुल्क गैस सिलेंडर, चेक लाभुकों के बीच वितरित किया गया. मौके पर मुख्य रूप से संजय त्यागी, दीपनारायण सिंह, राधा देवी, संतोष बर्मा, शंकर रजक, अरुण गुप्ता, संतोष साह, जय कुमार,नौशाद आलम, संजू देवी, रामाधार यादव, भोज बहादुर थापा आदि शामिल थे.

चास में मनोरंजन केंद्र में बुजुर्गों ने की जमकर मस्ती

बोकारो। चास गुजरात कॉलोनी निवासी श्याम जैन और उनकी पत्नी सुमित्रा जैन ने एनएससी सुकून बुजुर्ग मनोरंजन केंद्र में एक कार्यक्रम का आयोजन किया. बताते चलें कि 11 दिसंबर 2013 में जैन दंपती ने अपने जीवन काल में ही अपने मरणोपरांत क्रियाकलापों को पूरा किया था. इस अवसर पर मंदिर जाकर पूजा कार्यक्रम के बाद अनेक किन्नर के साथ नृत्य कार्यक्रम रखा गया. श्याम जैन ने बताया कि हम इस दुनिया में खाली हाथ आए और खाली हाथ जाएंगे. इसलिए अपने इस मनुष्य जीवन को भरपूर आनंद के साथ बिताना है और लोगों के काम आना है. आदमी जितना दूसरों की सहायता करता है, उतना ही ईश्वर उनकी मदद के लिए खड़े रहते हैं. इस अवसर पर बुजुर्ग मनोरंजन केंद्र के संचालक पीएन लाल ने इस तरह के कदम की प्रशंसा की.

दौरा केंद्रीय पर्यवेक्षक विकसित भारत संकल्प यात्रा, कई कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

सूचना प्रसारण मंत्रालय के अपर महानिदेशक ने किया निरीक्षण

संवाददाता। बेरमो

सूचना प्रसारण मंत्रालय के अपर महानिदेशक सह विकसित भारत संकल्प यात्रा के केंद्रीय पर्यवेक्षक शंभूनाथ चौधरी अपने दो दिवसीय झारखंड दौरा के दूसरे दिन बोकारो पहुंचे. यहां उन्होंने पेटरवार फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी., विकसित भारत संकल्प यात्रा की जिला नोडल पदाधिकारी मनीषा वत्स एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत किए जा रहे कार्यक्रमों एवं आने वाले दिनों में प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी ली. उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के महत्व और इसके पीछे प्रधानमंत्री के विजन से संबंधित पदाधिकारियों को अवगत कराया. इसके अलावा जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम), प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई) आदि से संबंधित परियोजनाओं की जानकारी ली. मौके पर उपस्थित उप विकास आयुक्त ने विस्तार से जिले में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी.

केंद्रीय पर्यवेक्षक ने पेटरवार प्रखंड के ओरदाना पंचायत में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में शामिल हुए. यहां इन्होंने कई लाभुकों के बीच पीएम उज्जवला योजना के तहत गैस चूल्हा वितरण किया. वहीं, टीम आगे भूमिहीनों के लिए जिला प्रशासन बोकारो के पहल पर गोमिया प्रखंड के सियारी पंचायत में बनाएं गए पीएम आवास कॉम्पलेक्स एवं लर्निंग म्यूजियम के रूप में विकसित किए गए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीवीबी) गोमिया का भी निरीक्षण किया. केंद्रीय पर्यवेक्षक शंभूनाथ चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त की. उन्होंने कहा कि वह जिले में हुए इन विकास कार्यों की जानकारी केंद्रीय स्तर पर उचित प्लेटफार्म पर रखेंगे.

मौके पर पीआइबी के ओमकांर पांडेय, जिला कृषि पदाधिकारी उमेश तिर्की, जेएसएलपीएस के डीपीएम प्रकाश रंजन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, परियोजना पदाधिकारी डीआरडीए पंकज दूबे, मणीकांत, गोमिया बीडीओ महादेव महतो सहित अन्य प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय कर्मी आदि उपस्थित थे.

खास बातें

- केंद्रीय पर्यवेक्षक दो दिवसीय दौरा के बोकारो पहुंचे
- जिले में हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा की

घरों में जाकर अबुआ आवास के लाभुकों का चयन करेगी टीम

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

अबुआ आवास चयन को लेकर बनी टीम को मंगलवार को गावां प्रखंड मुख्यालय सभागार में प्रशिक्षण दिया गया. इस टीम के जरिए राज्य व केंद्र सरकार की आवास योजना से वंचित लाभुकों को अबुआ आवास योजना का लाभ दिया जाएगा. गावां प्रखंड के बीडीओ महेंद्र रविदास ने बताया कि प्रखंड में अबुआ आवास के लाभुकों का प्राथमिकता के आधार पर चयन के लिए चार सदस्यीय टीम का गठन किया गया है. ये सदस्य पंचायतों में घर-घर जाकर योग्य लाभुकों का चयन करेंगे. टीम में पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रमुख, उपप्रमुख, पंचायत सचिव व रोजगार सेवक शामिल हैं.

बीडीओ ने बताया कि सदस्यों को गांव के वार्ड मेंबर से भी हस्ताक्षर कराने को कहा गया है. इसके लिए अब तक आऐ आवेदनों की स्क्रूटनी होगी. पूर्व में सरकार की पीएम आवास, भीमराव अंबेडकर आवास, बिरसा आवास व इंदिरा आवास योजना का लाभ ले चुके लोग के पात्र नहीं होंगे. मौके पर सीओ अविनाश रंजन, प्रभारी बीएओ प्रदीप राम, मनरेगा बीपीओ भीखदेव पासवान, सीआई सुखदेव वर्मा, नकुल राम, सतीश चौधरी, कार्तिक विश्वकर्मा, कामेश्वर यादव आदि मौजूद थे.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- भारत में बांस का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य – **असम**
- भारत वर्ष 2024 में किसकी अध्यक्षता करेगा – **अंतरराष्ट्रीय चीनी संगठन**
- लोकसभा में किस आधार पर सीटें बांटी जाती हैं – **जनसंख्या**
- किसे फलोद्यानों का स्वर्ग कहा जाता है – **सिक्किम**
- भारत में जूट का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य – **पश्चिम बंगाल**
- सूर्य की ऊर्जा का मुख्य कारण क्या है – **नाभिकीय संलयन**
- रातापानी टाइगर रिजर्व किस राज्य में है – **मध्य प्रदेश**
- झारखंड में झारखंड धाम किस जिले में है – **गिरिडीह**
- ट्रेफलगार के युद्ध में नेपोलियन किस देश से हार गया था – **इंग्लैंड**
- बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहां दिया था – **सारनाथ**

ब्रीफ खबरें

घरेलू विवाद में महिला ने खाया जहर, भर्ती

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र के हरला में मंगलवार को घरेलू विवाद होने के कारण 35 वर्षीय महिला बसंती देवी पति बिनोद यादव ने जहर खा लिया. परिजनों को मालूम होते ही आनन-फानन में गावां सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉ हब्बीउल्लाह खान ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल धनवार रेफर कर दिया. जहां प्राथमिक उपचार किया जा रहा है. चिकित्सक ने बताया कि इलाज से लगातार सुधार जारी है.

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

लोहरदगा। कंडरा न्यू जय माता होटल के समीप देर रात सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई. घटना की सूचना पर मिलते ही पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है. बताया जाता है कि लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत कंडरा में न्यू जय माता होटल के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई. मौके पर डीएसपी परमेश्वर प्रसाद, एसआई, कुलदीप राम घटना स्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया.

पिकअप वाहन की चोरी, केस दर्ज

गुमला। सिसई थाना रोड से मंगलवार की रात बृजमोहन कुमार गुप्ता का पिकअप वाहन चोरी हो गई. इस संबंध में ब्रजमोहन ने सिसई थाना में आवेदन दिया है और अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है. दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि मेरा पिकअप वाहन है. जिसको ड्राइवर अपने डाड़हा गांव स्थित घर के सामने खड़ा कर रखा था. इसी दौरान सोमवार की रात्रि को किसी अज्ञात चोरों ने मेरा पिकअप वाहन को चोरी कर लिया है.

साइबर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

बेंगाबाद (गिरिडीह)। साइबर अपराध के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए बेंगाबाद पुलिस ने मंगलवार को थाना क्षेत्र के फुरसोडीह में छापेमारी की. छापेमारी दल का नेतृत्व पुलिस इंस्पेक्टर ममता कुमारी कर रही थी. जबकि दल में थाना प्रभारी विकास पासवान, एसआई विकेश मेहरा दल बल के साथ उपस्थित थे. पुलिस टीम ने फुरसोडीह के रहने वाले दो साइबर अपराध के आरोपियों घर पर धावा बोला. पुलिस टीम को देखते ही साइबर अपराधी भागने लगे.

थाना से स्क्रैप ले जा रही महिलाओं को पकड़ा

आदित्यपुर। आदित्यपुर थाना में कचरा चुनने के बहाने बोरे में भरकर थाना परिसर से स्क्रैप ले जा रही महिलाओं को पुलिस कर्मियों ने रोककर चुराकर ले जा रही स्क्रैप को बरामद किया है. स्क्रैप चुराकर ले जा रही महिला ने कहा कि थाना प्रभारी के आदेश से थाना के अंदर कचरा चुनती हूं. इस पर पुलिसकर्मियों ने कहा कि आपको कचरा चुनने को बोला गया था लेकिन आप बोरे में भरकर थाना में जब्त स्क्रैप के टुकड़े, केबल आदि क्यों ले जा रही है. इसके बाद महिलाओं को थाने में घुसने से रोक दिया.

150 बोरी अवैध कोयला को पुलिस ने किया जब्त

सरिया (गिरिडीह)। सरिया थाना क्षेत्र के कैलाटंड पंचायत अंतर्गत बघनाल में 150 बोरी अवैध कोयला का डंप किया गया था. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कोयला को जब्त कर लिया, इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया. ज्ञात हो कि बोकारो जिला के बंद पड़े कोयला खदान से कोयला निकाल कर बाइक के द्वारा कोयला लाते हुए सरिया व बगोदर के कुछ इलाके में डंप किया जाता है. जिसके बाद बिरनी, राजधनवार सहित बिहार तक कोयला भेज दिया जाता है.

टेंट दुकान के बाहर से कारपेट की चोरी

बेंगाबाद (गिरिडीह)। घुठिया मोड़ स्थित एनएच 114 ए के किनारे खुशबू टेंट हाउस के बाहर रखा लाखों मूल्य का कारपेट चोरों ने सोमवार की रात चोरी कर ली. भींगे हुए कारपेट को दुकान संचालक ने दुकान के बाहर सूखने के लिए छोड़ दिया था. चोरों ने बाहर रखे कारपेट के बंडलों में से लगभग 25 बंडल नए कार्पेट की चोरी कर ली, जबकि पुराने खराब हुए कारपेट को छोड़ दिया है. चोरी हुए कारपेट का दाम 1 लाख 75 हजार रुपये है.

जमशेदपुर : टांडा सज्जाद और टाइगर मोबाइल जवान की हत्या का है आरोपी

कुख्यात चौड़ा राजू के घर पहुंची पुलिस, कई वाहन जब्त

संवाददाता। जमशेदपुर

मानगो में पिछले दिनों हुए एक जवान समेत दो लोगों की हत्या मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है. मंगलवार को पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुख्यात बदमाश राजू अंसारी उर्फ चौड़ा राजू के आजादनगर वारिश कॉलोनी स्थित घर में दबिश दी. पुलिस ने चौड़ा राजू के घर से एक बुलेट, एक बाइक, एक स्कूटी, दो कार और एक टेंपो जब्त किया है. घर में मौजूद महिलाओं से इन वाहनों के कागजात मांगे गए, तो महिलाएं कागजात प्रस्तुत नहीं कर सकी. इस पर पुलिस ने सभी वाहन को जब्त कर लिया और अपने साथ थाना ले गई. पुलिस ने चौड़ा राजू की खोज में घर की भी तलाशी ली लेकिन कुछ नहीं मिला. पुलिस का कहना है कि चौड़ा राजू की तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है. पुलिस की कार्रवाई के दौरान मानगो नगर निगम की टीम भी मौजूद थी. निगम ने घर की मापी की, ताकि अतिक्रमण का पता लगाया जा सके.

छापामारी करती पुलिस.

क्या था मामला

मानगो के रोड नंबर 16 में गैंगस्टर टांडा सज्जाद की हत्या के बाद टाइगर मोबाइल जवान पर फायरिंग करने के दौरान पकड़े गए शूटर संजय सरकार से पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली थी. संजय ने पूरे वारदात के पीछे सरायकेला के कुख्यात बदमाश राजू अंसारी उर्फ चौड़ा राजू के शामिल होने की बात कही थी. बताया था कि इसके लिए पिछले तीन दिनों से रेकी चल रही थी. हथियार के साथ शूटर टांडा के लिए घात लगाकर बैठे थे. इस अभियान की अगुवाई चौड़ा का बेहद करीबी साथी ईचागढ़ निवासी कादिर कर रहा था. मौका मिलते ही उसकी हत्या कर दी गई.

डीएसपी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई

डीएसपी मुख्यालय वन वीरेंद्र कुमार राम के नेतृत्व में मानगो और आजादनगर की पुलिस बदमाश चौड़ा राजू के घर पहुंची और एक-एक सामानों की जांच की. भारी संख्या में पुलिस के पहुंचते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया. डीएसपी ने बताया कि जिस बाइक से घटना को अंजाम दिया गया है वह जांच में चोरी की निकली है. इसलिए चौड़ा राजू के घर से बरामद सभी वाहनों को सत्यापन के लिए थाना ले जाया जा रहा है. घर अतिक्रमण कर बनाया गया है या नहीं इसकी जांच भी नगर निगम द्वारा की जा रही है.

आओ जानें

2023 में अभी तक कितनी हुईं हत्याएं

गुमला	55	पलामू	90
लोहरदगा	16	रांची	102
चतरा	61	साहिबगंज	36
गढ़वा	83	दुमका	32
कोडरमा	39	चाईबासा	78
खूंटी	35	बोकारो	52
रामगढ़	29	लातेहार	37
पाकुड़	20	जामताड़ा	12
धनबाद	77	सरायकेला	34
गिरिडीह	90	सिमडेगा	32
हजारीबाग	79	देवघर	66
जमशेदपुर	53	गोड्डा	35

तस्करी के लिए ले जा रहे 23 पशु जब्त, चालक को भेजा जेल

संवाददाता। गुमला

खास बातें

- सिसई थाने की पुलिस ने सोमवार रात छापेमारी की
- पुलिस को देखकर चालक ट्रक को लेकर भाग रहा था

सिसई थाना की पुलिस ने तस्करी के लिए ले जा रहे 23 पशुओं को सोमवार की रात जब्त कर लिया है. वाहन चालक रांची जिला के चान्हो थाना क्षेत्र के पंडरी निवासी मुर्तजा अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया. एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल ने बताया कि कत्थे रंग के चार पहिया वाहन से पशुओं को लादकर बूचड़खाना ले जाने की सिसई पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी. सूचना के सत्यापन के लिए वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर थाना प्रभारी आदित्य कुमार चौधरी व सअनि अनवर अंसारी ने सोमवार की रात्रि करीब चार बजे सिसई चौक में वाहन जांच शुरु किया. गुमला से रांची की ओर जा रहे ट्रक को पुलिस ने रोकने का इशारा किया तब चालक ट्रक लेकर भागने का प्रयास किया.

पुलिस ने पीछा किया और वाहन को महुआडीपा के पास पकड़ लिया. जांच किया गया तो ट्रक में तस्करी के लिए ले जा रहे मवेशी बरामद किया गया. वाहन चालक मुर्तजा अंसारी को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार चालक ने बताया कि वाहन मालिक सवानी कुरैशी व पशु तस्कर रांची के विक्की कुरैशी के द्वारा छत्तीसगढ़ के टांगरटोली से वाहन में पशुओं को लाद कर रांची भेजा जा रहा था.

पंचनामा, पोस्टमार्टम और खोखे चुनने से गिरफ्तारी तक कब पहुंचेगी पुलिस

दुबई में प्रिंस तो नेपाल में छोटू पुलिस के लिए दोनों हैं सिरदर्द

संवाददाता। धनबाद

धनबाद पुलिस के लिए फिलहाल दो बड़े सिरदर्द हैं, इनमें एक है प्रिंस खान तो दूसरा आशीष रंजन उर्फ छोटू. फिलहाल दोनों के विदेश में होने की सूचना है. प्रिंस खान के दुबई में होने की सूचना के बाद उसको पकड़कर देश लाने की कवायद चल रही है. अब आशीष रंजन उर्फ छोटू के नेपाल में होने की जानकारी हाथ लगी है.

अमन सिंह हत्याकांड में आशीष रंजन ने न सिर्फ खुद का ऑडियो जारी कर वारदात में खुद की संलिप्तता कबूली बल्कि जेल में बंद यूपी के रितेश यादव ने इकबालिया बयान में आशीष रंजन द्वारा हत्या कराने की बात कही है. जब तक ये लोग पुलिस की पकड़ में नहीं आ जाते तब तक पंचनामा करने, पोस्टमार्टम कराने और मौका-ए-वारदात से खोखे चुनने तक ही पुलिस के कार्य सीमित रहेंगे. .

कोयले में बादशाहत या फिर कुछ और .... कभी अमन सिंह का गुर्गा रहा आशीष रंजन फिलहाल तक अमन सिंह हत्याकांड का मास्टर माइंड माना जा रहा है. वारदात को अंजाम देने के पीछे कुछ कारण बताए जा रहे हैं. इनमें सबसे बड़ी वजह कोयले की रंगदारी में हिस्सेदारी की बात सामने आ रही है. अमन सिंह कोयले की कमाई में अपना रुतबा कायम कर चुका था, अमन को भले ही नीरज सिंह जैसे सनसनी फैलाने वाली हत्याकांड से नाम मिला, लेकिन उस नाम कोयलांचल में खौफ पैदा करने वाला बनाने के लिए आशीष समेत कई लोगों का साथ मिला था. लेकिन अमन अपने साथियों की कदर नहीं करता था, रंगदारी की रकम में भी वो मनमर्जी तरीके से साथियों को हिस्से देता था. आशीष ने जब इस विरोध किया तो उसे ही अपने गिरोह से अलग कर दिया, उसकी जगह पर बोकारो के राहुल सिंह की पीठ पर हाथ रख दिया. राहुल के कमान संभालते ही उसने एके 47 की तड़तड़ाते हुए अपना वीडियो वायरल किया और कोल कारोबारियों को धमकी देने के अंदाज में कहा कि जो अमन सिंह की बात नहीं सुनेगा उसको उपर जाना पड़ेगा. माना जा रहा है कि अमन सिंह का यह रवैया आशीष को बुरा लगा और उसने अमन से बदला लेने की ठान ली. इसके बाद फुलप्रूफ प्लान बनाकर रितेश को धनबाद भेजा और अमन को गोलियों से छलनी कर दिया. फिलहाल तक पुलिस की स्टोरी में मुख्य विलेन आशीष रंजन ही है, आशीष की गिरफ्तारी के बाद अमन हत्याकांड में नए खुलासे की उम्मीद की जा सकती है. अमन की हत्या में धनबाद के हाईलेबल दिमागवालों के शामिल होने की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है.

प्रिंस खान

समीर मंडल हत्याकांड का आरोपी है छोटू

धनबाद : सरायढेला के जमीन कारोबारी समीर मंडल की हत्या के मामले में पुलिस ने आशीष रंजन, जयमंगल हाजरा और सतीश उर्फ गांधी के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी. इस मामले में जमानत मिलने के बाद से ही वह भूमिगत हो गया. इस दौरान आशीष ने कई रंगदारी के फोन जरूर किए थे. वहीं सतीश गांधी भी इस वारदात के बाद ही जेल में बंद है. गांधी के खिलाफ भी धनबाद में कई मुकदमे दर्ज हैं. समीर मंडल हत्याकांड में गांधी पर गोली मारने का आरोप है. वारदात में गांधी द्वारा दोनों हाथों से पिस्टल चलाकर समीर मंडल को गोली मारने की बात पुलिस को आशीष ने बताई थी.

हत्यारोपित युवक गिरफ्तार, गया जेल

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के कुम्हार टोली में सोमवार को अयूब शेख नामक युवक की हुई हत्या मामले में गुमला थाना के पुलिस ने मेहंदी हसन उर्फ गोल्डन 35 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के गहन पूछताछ में गिरफ्तार मेहंदी हसन ने अपना आरोप स्वीकार कर लिया है. गिरफ्तार हत्यारोपित मेहंदी हसन ने अयूब शेख पर 40 हजार रुपए चोरी का आरोप लगाया है. कहा कि पैसे मांगने पर वापस नहीं कर रहा था. जिस कारण गुस्से में आकर क्रिकेट के बल्ला से उसकी पिटाई कर दी. जिससे वह बेहोश हो गया, उसके ऊपर पानी डाल दिया. जिससे उसकी मौत हो गई. इलाज कराने के नाम पर सुबह टेंपो से सदर अस्पताल पहुंचाया और वहां से भाग गया. ज्ञात हो कि अयूब शेख बड़े थाना क्षेत्र का रहने वाला था और गुमला कुम्हारटोली में किराए के मकान पर रहकर मजदूरी का काम करता था. हत्यारोपित मेहंदी हसन भी उसके बगल के कमरे में रहता था. हत्या की घटना के बाद पुलिस अनुसंधान में शक के आधार पर मेहंदी हसन को गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद पुलिस ने हत्या मामले का उद्भेदन करते हुए है आरोपी को जेल भेज दिया.

पूर्व अखबार एजेंट का सड़क दुर्घटना में निधन

बेरमो। फुसरो स्टेशन कॉलोनी निवासी सह पूर्व अखबार के एजेंट 60 वर्षीय शैलेंद्र सिंह का फुसरो-कल्याणी मेन मुख्य सड़क पर दुर्घटना में घायल हो गए. आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बोकारो ले जाने के क्रम में उसका निधन हो गया. उनके शव को पैतृक निवास बिहार के वैशाली जिला के लालगंज ले जाया गया. जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा. निधन पर मीडियाकर्मियों ने अपनी संवेदना जताई. शोक व्यक्त करने वालों में सत्यदेव सिंह, राकेश वर्मा, सौरभ सिंह, सत्येंद्र सिंह, सिद्धार्थ नारायण पोद्दार आदि ने शोक जताया है.

आदित्यपुर : पूर्व हेडमास्टर के घर चोरी का हुआ खुलासा

चोरी के ऑटो के साथ लाखों के जेवरात बरामद

संवाददाता। आदित्यपुर

पिछले दिनों आरआईटी थाना क्षेत्र के एमआईजी 146 में हुई पूर्व हेडमास्टर के घर लाखों की चोरी का खुलासा हुआ है. पुलिस को चोरी में प्रयुक्त ऑटो के साथ लाखों के जेवरात बरामद करने में सफलता हाथ लगी है. बता दें कि चोरों ने पूर्व हेडमास्टर के घर का ताला तोड़कर साढ़े 12 लाख के जेवरात और 5 हजार नगदी की चोरी की थी. चोरी की पूरी घटना पड़ोसी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी.

यह वारदात आरआईटी थाना क्षेत्र के एमआईजी 146 में पिछले रविवार 4 दिसंबर को हुई थी. उस रात एसएन हाईस्कूल की पूर्व हेडमास्टर सुचिता चंदा के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने साढ़े 12 लाख के जेवरात और 5 हजार नगदी की चोरी कर ली. सुचिता घर में ताला लगाकर शादी समारोह में हिस्सा लेने गए हुए थे. मजे की बात है कि चोरी करने सभी 4 चोर टेम्पो में आए थे जिनकी हरकत पड़ोसी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी. हरे और पीले रंग के टेंपो में आये 4 युवक पहले रात सवा 10 बजे और दोबारा रात ढाई बजे आये थे. सुबह जब चंदा वापस आई तो मुख्य द्वार का ताला टूटा पाया, घर के अंदर घुसे तो अलमीरा टूटा था, सामान बिखरे पड़े थे.

तब उन्होंने पड़ोसी बीपी श्रीवास्तव से सारी बात कही थी. जिसके बाद बीपी श्रीवास्तव ने अपने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो चोरों की हरकत सामने आ गई. जिसके बाद मकान मालिक ने लिखित शिकायत आरआईटी थाना में की थी. पुलिस ने इस घटना में शामिल चोर सूरज कोतवाल उर्फ सूरज पात्रो उर्फ सरफराज, विक्की सिंह उर्फ कैफ, नवीन कुमार झा, तथा चोरी के जेवरात खरीदने वाले सोनार चौका निवासी वीरेंद्र कुमार वर्मा को भी गिरफ्तार किया गया है. साथ ही पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त ऑटो जेएच 05 डीएन 4622 को भी जब्त किया है. इस बात की जानकारी प्रेसवार्ता में जिले के एसपी डॉ विमल कुमार ने सरायकेला में दी.

नीरज हत्याकांड : साजिशकर्ता व शूटर जाएंगे अलग-अलग जेल

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्या को अंजाम देने वाले शूटर सागर सिंह उर्फ शिबू, सोनू उर्फ कुर्बान, लाइजनर की भूमिका निभाने के आरोपी पंकज सिंह व डब्ल्यू मिश्रा को धनबाद से दूसरे जेल में शिफ्ट किया जाएगा.

इस संबंध में मंगलवार को जेल प्रशासन के आवेदन पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में सुनवाई हुई. धनबाद मंडल कारा के प्रभारी अधीक्षक ने जेल आईजी के निर्देश पर शूटर सागर उर्फ शिबू सिंह को कोडरमा, सोनू उर्फ कुर्बान को गुमला, पंकज सिंह को जामताड़ा, डबलू मिश्रा को साहिबगंज जेल, जबकि जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू को घाघीडीह जेल जमशेदपुर भेजने की अनुमति मांगी. कोर्ट को दिए आवेदन में अधीक्षक ने कहा है कि तीन दिसंबर को जेल में बंद अमन सिंह की हत्या के बाद इसके प्रतिशोध में अमन के सहयोगियों के जेल में हिंसक घटना को अंजाम देने की आशंका है. इसलिए जेल महानिरीक्षक के आदेश के आलोक में उक्त बंदियों को दूसरे जेल में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाए. कोर्ट ने इस बिंदु पर सुनवाई के लिए 14 दिसंबर की तारीख निर्धारित की है.

युवक को बाइक सवार ने ठोका, घायल

घाटशिला। घाटशिला थाना क्षेत्र के कसीदा गांव स्थित नं 18 फोरलेन के सर्विस रोड पर मंगलवार की सुबह बाइक सवार ने टहल रहे युवक को जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में टहल रहा युवक और बाइक चालक दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. 108 एंबुलेंस की मदद से बाइक सवार को अनुमंडल अस्पताल लाया गया और दूसरे घायल को लोगों ने निजी नर्सिंग होम पहुंचाया. उसे इंटरनल ब्लीडिंग होने के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई थी. दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया है. घटना की सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोल की पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली.

मेक माई सिटी सेफ पर दें जानकारी, मिलेगी मदद

महिलाएं असुरक्षित महसूस करें, तो पुलिस को दें जानकारी

सौरभ सिंह। रांची

महिलाएं किसी स्थान पर यदि असुरक्षित महसूस कर रही हैं, तो इसकी जानकारी झारखंड पुलिस को दे सकती हैं. इसे लेकर झारखंड पुलिस ने मेक माई सिटी सेफ शुरू किया है. इसके माध्यम से महिला और लड़कियां वैसी जगह जहां पर खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं, इसकी जानकारी झारखंड पुलिस को तुरंत दे सकती हैं.

जानें कैसे दे सकती हैं जानकारी : जानकारी देने के लिए झारखंड पुलिस की वेबसाइट jhpolice .gov. in पर लॉग इन करना है. इसके बाद मेक माई सिटी सेफ पर क्लिक करते ही एक विंडो खुलेगा, जिसमें कुछ जानकारियां देनी है. जिसमें नाम, मोबाइल नंबर, जिला, पता देना है.

हालांकि ये जानकारी झारखंड पुलिस की तरफ से किसी के साथ साझा नहीं किया जाएगा. इसके बाद वैसे कारण जिस वजह से महिला खुद को वहां सुरक्षित महसूस नहीं करती है. उसकी पूरी जानकारी, इसके अलावा वैसे स्थान नाम का जहां महिला खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं, उसकी भी जानकारी देना है. फिर उस स्थान के असुरक्षित होने का कारण भी बताना है. फिर मेक माई सिटी की वेबसाइट पर सबमिट कर देना है.

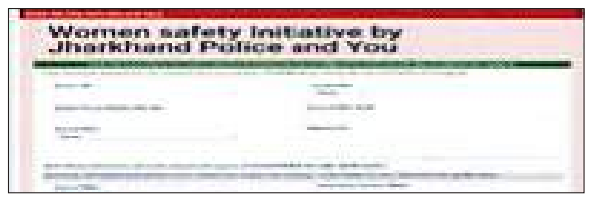

महिलाओं की सुविधा के लिए हुई शुरुआत

महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है,ताकि वो अपने आसपास के किसी भी असुरक्षित स्थान की जानकारी पुलिस को दे सकें. नागरिकों की पहचान देना अनिवार्य नहीं है. इसलिए नागरिकों से सार्वजनिक स्थान जो महिलाओं के लिए और सुरक्षित है, इसकी सूचना निश्चिंत होकर साझा कर सकते हैं. पुलिस सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई करेगी.

प्रताड़ना **प्रताड़ना और अवसाद से ट्रेन के आगे कूदकर 27 नवंबर को वैज्ञानिक ने दी थी जान**

वैज्ञानिक के करोड़ों की संपत्ति हड़पना चाहते हैं बेटी-दामाद

संवाददाता। धनबाद

सिंफर के रिटायर्ड वैज्ञानिक हीरापुर निवासी अभिजीत विश्वास की मौत के बाद उनके करोड़ों की संपत्ति बेटी-दामाद ही हड़पना चाहते हैं. रेल पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रताड़ना और अवसाद से ट्रेन के आगे कूदकर 27 नवंबर को वैज्ञानिक ने धनबाद स्टेशन से एक किमी दूर बरमसिया फाटक के निकट ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी थी.

बेटी अनमोना गुप्ता और दामाद राजन गुप्ता दिल्ली से धनबाद पहुंचकर दाह संस्कार किया और एक-दो दिन बाद वापस चले. जीआरपी को घटना के दिन सुसाइड नोट मिला तो पता चला कि वैज्ञानिक की बेटी को उनके दामाद प्रताड़ित करते थे, इसलिए उन्होंने तंग आकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने दामाद के खिलाफ जांच शुरू की तो पता चला कि दामाद ने अपनी पत्नी के खिलाफ न्यायालय में सीपी केस कर दिया, जिसमें कहा गया है कि राजन की पत्नी अनमोना अपने कथित प्रेमी सायक विश्वास, शांतनु और सायक की पत्नी मिलकर उनके ससुर की करोड़ों की संपत्ति हड़पना चाहते हैं. जिसमें रुपये, फ्लैट और जमीन आदि शामिल है.

साजिश के तहत पहले दोनों बच्चों को लेकर दिल्ली के रोहिणी स्थित फ्लैट से धनबाद पहुंची और उसके ससुराल में बच्चों को रखकर गाजियाबाद सायक के पास चली गई. फिर कारोबार के लिए ससुर से एक करोड़ मांगने लगी. राजन ने जब फोन कर पत्नी से पूछा तो कहा कि वह योगा सेंटर चला रही है. जिसमें सायक उनकी मदद कर रहे हैं. पुलिस अनुसंधान से पता चला है कि बेटी-दामाद दिवंगत वैज्ञानिक की संपत्ति हड़पना चाहते हैं. जिसकी बारिकी से जांच की जा रही है. रेल पुलिस सूत्रों के अनुसार दिवंगत सिंफर वैज्ञानिक के बेटी-दामाद की ओर से तरह-तरह के आरोप लगाये जाने के बाद पहले दोनों को नोटिस भेजा गया. दोनों हाजिर नहीं हुए तो पुलिस टीम मंगलवार को दिल्ली और लखनऊ पहुंची. लखनऊ में अनमोना और दिल्ली में राजन से पूछताछ कर धनबाद लौटेगी. उसके बाद विस्तृत रिपोर्ट वरीय पुलिस अधिकारी को सौंपा जाएगा. रेल एसपी मनोज स्वर्गियारी के निर्देश पर आगे की कार्रवाई होगी.

रेल पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक अभिजीत विश्वास का कोई संतान नहीं होने के कारण उन्होंने अपने साले की बेटी अनमोना को गोद लिया था. उसे पढ़ा लिखाकर पालन&पोषण किया, बड़ी होने के बाद उसने इच्छा अनुसार प्रेम विवाह राजन गुप्ता के साथ कर लिया. अनमोना और राजन दिल्ली में रहने लगे. दोनों को दो संतान हुए, लेकिन बाद में विवाद होने पर दोनों बच्चों को वैज्ञानिक के घर में लाकर रख दिया गया. जहां वैज्ञानिक ही दोनों बच्चों को अंग्रेजी स्कूल में पढ़ा रहे थे. पुलिस का मानना है कि बेटी-दामाद की प्रताड़ना से तंग आकर वैज्ञानिक ने आत्महत्या की है.

फाइल फोटो

खानबाड़ी के बाबू लोहार को मिली जान से मारने की धमकी

संवाददाता। आदित्यपुर

कुड़मी सेना (टोटिमिक) के अध्यक्ष लालटू महतो के खिलाफ खानबाड़ी के बाबू लोहार ने जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप लगाते हुए आदित्यपुर थाना में शिकायत की है. शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

शिकायत वाद में बाबू लोहार ने बताया कि दिन्दली मौजा के खाता संख्या 261, खेसरा नंबर 1170 और 1171 जो उसके पिता पठान लोहार के नाम पर बंदोबस्त है. इसपर 1983 से उनका कब्जा है. इस जमीन पर उसका परिवार पिछले 40 सालों से शांति पूर्वक निवास कर रहे हैं, मगर अब लालटू महतो और छोटू महतो उन्हें जमीन छोड़ने की धमकी दे रहा है. बाबू ने बताया कि उक्त के द्वारा गोली मारने की धमकी दी जा रही है जिससे उसका परिवार भयाक्रांत है.

वहीं लालटू महतो ने कहाकि उनपर लगे आरोप बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं. जिस जमीन पर बाबू लोहार दावेदारी कर रहा है दरअसल वह जमीन उसका है ही नहीं. वह जमीन एक विधवा का है और बाबू उसके जमीन को अपना बताकर कब्जा जमाए रखा है. यह जमीन हमारे पूर्वजों की थी जिसपर उन्हें बसाया गया था. आज मुझे साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष नवम चंद्रबुध भाग्य वृद्धि करेगा. किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग ले सकते हैं. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा.

वृषभ समय सामान्य है. कोई विवाद हो सकता है. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. अन्न का दान करें.

मिथुन समय सामान्य है. किसी नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत मिल पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

कर्क शाम का समय उत्तम है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें. शिवलिंग पर दूध अर्पण करें.

सिंह शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को अर्घ दे.

कन्या मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा पर सोच विचार कर ही करें.

तुला अपनों के कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकता है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक विद्यार्थी को शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु समय बहुत ही उत्तम फल प्रदान करेगा. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी.

मकर खर्च में वृद्धि होगा. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक करेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं. अन्न दान करें.

कुंभ समय सामान्य है. उतावले पन में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है.

मीन विवाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. आय के लिए समय उत्तम है. कोई बड़ा लाभ से मन प्रसन्न रहेगा.

रिम्स के निदेशक को मातृशोक

रांची। रिम्स निदेशक डॉ. राजीव कुमार गुप्ता की माता चिंता देवी (90) का निधन मंगलवार को रिम्स में इलाज के दौरान हो गई. उन्होंने सुबह करीब 8:30 बजे अंतिम सांस ली. डॉ. राजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि उम्र अधिक होने के कारण वे लंबे समय से बीमार चल रही थीं. वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों से ग्रस्त थीं. सांस की समस्या होने पर तीन दिन पूर्व उन्हें क्रिटिकल केयर विभाग में डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य की देखरेख में भर्ती किया गया था. इलाज के दौरान हृदय गति रुकने के कारण उनकी मौत हुई. रिम्स निदेशक के पिता रघुनंदन प्रसाद का निधन भी 3 साल पहले हो चुका है. माता चिंता देवी अपने पीछे 3 बेटा व 2 बेटी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गई. मंगलवार को ही उनके शव को पटना स्थित पैतृक आवास ले जाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया.

झारखंड राज्यस्तरीय संगोष्ठी आज

रांची। मुस्लिम लॉ के अंतर्गत विरासत व वैवाहिक विवाद विषय पर एक दिवसीय झारखंड राज्यस्तरीय संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को गोस्नर थ्योलोजिकल कॉलेज सभागार में किया गया है. इस अवसर पर न्यायाधीश, अधिवक्ता, उलेमा, शरीयत कानून के जानकार ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के चेयरमैन भाग ले रहे हैं. यह जानकारी झारखंड स्टेट बार काउंसिल सदस्य, अधिवक्ता झारखंड उच्च न्यायालय के सह संयोजक अधिवक्ता एके रसीदी ने दी.

लक्ष्मण प्र. सिंह ने किया गांवों का दौरा

रांची/गिरिडीह। भाजपा नेता और पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने मंगलवार को धनवार प्रखंड के कई गांवों का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की. उन्होंने कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी के साढ़े 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी और उन योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने की अपील की. कहा कि आज मोदी सरकार देश को आगे बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है. मौके पर उदय सिंह, पवन सिंह, सोहन यादव आदि अधीर राय समेत मौजूद थे.

परिचर्चा : सरना धर्म भवन में पाहन महासंघ की बैठक, आदिवासी धर्म-संस्कृति बचाने को लेकर विचार-विमर्श

सरना पूजा-पद्धति खत्म करने का हो रहा है षड्यंत्र : पाहन

विशेष संवाददाता। रांची

पाहन महासंघ की बैठक मंगलवार को सरना धर्म भवन में हुई. बैठक में सरना आदिवासी धर्म-संस्कृति पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में पाहनों ने कहा कि आज लगातार आदिवासियों के धर्म संस्कृति सभ्यता पर प्रहार किया जा रहा है और उनकी पूजा पद्धति से छेड़छाड़ कर उन्हें खत्म करने प्रयास किया जा रहा है. आदिवासियों को बरगलाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है और उन्हें समाप्त करने की बड़ी साजिश चल रही है. जिससे उनकी मूल पहचान और अधिकारों का भी हनन हो रहा है. जिससे समाज में भटकाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. पाहन महासंघ ने समाज से अपील की है कि वे अपने जीवन के सारे नेग दस्तूर काम क्रिया पारंपरिक रीति-रिवाजों और पहनाई व्यवस्था के अनुसार ही कराएं तभी हमारा धर्म हमारा समाज हमारी पहचान और हमारी परंपरा बचेगी, क्योंकि आज आदिवासी और उसके धर्म को निशाना बनाया जा रहा है.

उसके लिए पहनाई व्यवस्था को खत्म किया जा रहा है और पाहनों की हत्या की जा रही है. यह एक बड़ा षड्यंत्र है. बैठक में जगदीश पाहन, हलदर चंदन पाहन, जेवियर पाहन, महावीर पाहन, अकलू पाहन, वसंत पाहन, कुशल पाहन, विजय पाहन, उमेश पाहन, डोमन पाहन, विक्की पाहन, भोलानाथ सिंह मुंडा, मनोज कुमार मुंडा, आनन्द तांबा, मुन्ना टोप्पो, निरंजना हेरेंज टोप्पो सहित कई अन्य उपस्थित थे.

झारखंड प्रदेश पाहन महासंघ की बैठक में भाग ले रहे आदिवासी नेता.

बैठक में कई प्रस्ताव पारित

- सर्वसम्मति से सलाहकार समिति का गठन.
- कोषागार और कोषाध्यक्ष की नियुक्ति की गई की नियुक्ति की गई. महिलाओं शाखा की नियुक्ति की गई.
- मासिक बैठक का निर्णय लिया गया.
- बर्थ सर्टिफिकेट, मैरिज सर्टिफिकेट, डेथ सर्टिफिकेट सहित सभी सर्टिफिकेटों पर क्षेत्र के पाहन का जिसमें प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर तक पाहनों को जोड़ने का चरणबद्ध अभियान चलाया जाएगा.
- सभी क्षेत्रों में उक्त क्षेत्र के पाहन द्वारा ही बर्थ सर्टिफिकेट, मैरिज सर्टिफिकेट, डेथ सर्टिफिकेट सहित अन्य सर्टिफिकेट निर्गत कराया जाएगा. जिसके लिए पाहन महासंघ जल्द जिलाधिकारी और प्रशासनिक विभागीय अधिकारियों से मुलाकात करेंगा.

राज्य सरकार सीएनटी/एसपीटी एक्ट में संशोधन कर थाने की बाध्यता करें खत्म

आदिवासियों ने राज्य सरकार से मांगा अपना हक और अधिकार

खास बातें

- आदिवासी सेना की बैठक में कई मुद्दों पर हुआ विचार-विमर्श
- लोस चुनाव से पहले आदिवासी सरना धर्म कोड हो लागू : कच्छप

संवाददाता। रांची

एचईसी डैम साईड स्थित होटल में झारखंड आदिवासी सेना की केंद्रीय समिति, जिला समिति एवं रांची जिला महानगर के प्रतिनिधियों व सामाजिक अगुवाओं की बैठक हुई, जिसमें स्थानीय नीति खतियान के अधिकार पर बनाये जाने पर जोर दिया गया. बैठक की अध्यक्षता आदिवासी सेना के केन्द्रीय अध्यक्ष अजय कच्छप ने की. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार स्थानीय नीति व नियोजन नीति खतियान के आधार पर जल्द बनाये. नीति नहीं बनने की वजह से झारखंड राज्य के युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं. उनका भविष्य सुरक्षित नजर नहीं है. आदिवासियों को हक एवं अधिकार दिलाये और आदिवासी छात्रों को शिक्षा लोन के साथ ही युवाओं को व्यवसाय के लिए आसानी से ऋण सुविधाएं उपलब्ध करायें, ताकि युवा मजबूती से आगे बढे.केंद्रीय महासचिव एल्विन लकड़ा ने बताया कि बहुत जल्द आदिवासी सेना का राज्यस्तरीय सम्मेलन होगा. जिसके लिए आदिवासी सेना संगठन का विस्तार सभी जिलों में जिला कमेटी,प्रखंड कमेटी का विस्तार हो. जिसके लिए अगला बैठक 20 दिसंबर को सैटेलाइट कालोनी स्थित भुसूर सरना स्थल में होगी. रांची जिला महानगर अध्यक्ष अजीत लकड़ा ने कहा कि राज्य सरकार सीएनटी/एसपीटी एक्ट में संशोधन करते हुए थाना की बाध्यता को खत्म करें. जिससे झारखंड राज्य के निवासी कहीं भी जमीन खरीद कर निवास कर सकेंगे. केन्द्रीय उपाध्यक्ष चिलगू कच्छप ने कहा कि केंद्र सरकार आगामी लोकसभा चुनाव से पूर्व देश के समस्त आदिवासी जो कि अपनी संस्कृतिक से पहचाने जाते हैं, उनके सरकार जितनी जल्दी हो सके, आदिवासी/सरना धर्म कोड लागू करें.

मौके पर केंद्रीय उपाध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य नामकुम(पूर्वी)-विपिन टोप्पो,महासचिव रामा महली (रातु), पूर्व मुखिया सह संगठन सचिव-निकोलस एक्का, करमा कमल लिंडा,सुमन लोहरा, झरीय उरांव, अर्पना बाडा, मंशा बडाईक, किशन बुकूड़वार, जीतराम बेदिया,सोनू उरांव, समीर लकडा आदि शामिल थे. संचालन केन्द्रीय संगठन सचिव राजेश लिंडा ने किया.

बैठक के बाद शक्ति प्रदर्शन करते हुए आदिवासी सेना के सदस्य एवं पदाधिकारी

आओ जानें

झारखंड के जलप्रपात- चार

बुढ़ाघाघ जलप्रपात : यह जलप्रपात लातेहार जिले में स्थित है. यह लोधाघाघ के नाम से भी जाना जाता है. यह जलप्रपात उत्तरी कोयल नदी पर स्थित है. यह झारखण्ड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है, जो बरसात के पानी पर निर्भर रहता है. इसकी ऊंचाई लगभग 137 मीटर है.

मिरचइया जलप्रपात : यह जलप्रपात लातेहार जिले में स्थित है जो गारू प्रखंड मुख्यालय से तीन किलोमीटर दूरी पर बेतला व्याघ्र परियोजना के अंतर्गत आरक्षित क्षेत्र में अवस्थित है. यह उत्तरी कोयल नदी की सहायक नदी पर है. यह झारखंड के सबसे सुरक्षित झरनों में से एक है, जो काले ग्रेनाइट से बना है, जो लावा के रूप में जमा होता है, जिसके ऊपर से जलधारा बहती है.

गौतम घाघ जलप्रपात : यह जलप्रपात लातेहार जिले में स्थित है. इसकी जलधारा अधिक ऊंचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस पास का हरा भरा दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है.

केलाघाघ बांध : सिमडेगा में छिंडा नदी पर केलाघाघ बाँध सबसे सुंदर बांध है. यह जिला एच.क्यू से 4 किमी की दूरी पर स्थित है. प्यारा वाटरडैम कई पहाड़ियों से घिरा हुआ है जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है. जिला प्रशासन मोटर नौकायन और पैरासेलिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है. केलाघाघ बाँध में एक पठार है जहां एक छोटा और सुंदर पार्क मौजूद है.

आजसू ने की 498 लोगों की जम्बो जेट केंद्रीय समिति की घोषणा

संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए देवशरण भगत ने पार्टी की 498 लोगों की केंद्रीय समिति की घोषणा की. उन्होंने कहा कि केन्द्रीय महाधिवेशन आजसू पार्टी की सर्वोच्च बॉडी है. जहां नीतियां बनती हैं, भावी कार्यक्रम बनते हैं, संविधान में संशोधन किया जाता है और संगठन के केंद्रीय समिति और केंद्रीय पदाधिकारी को नया दायित्व दिया जाता है. 29, 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में पार्टी का महाधिवेशन आयोजित किया गया था. जिसमें विशेषज्ञों तथा बुद्धिजीवियों ने अपने विचारों एवं अनुभवों को झारखंड के हित के लिए एक मंच में रखा था. पार्टी के केंद्रीय महाधिवेशन में पहली बार गांव से लेकर देश-विदेश तक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. इसी क्रम में संगठन की केंद्रीय समिति के सदस्यों की घोषणा केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के अनुमोदन के बाद की गई.

केंद्रीय महाधिवेशन में लिए गए निर्णय के अनुसार केंद्रीय समिति में 50 प्रतिशत युवा तथा 30 प्रतिशत महिला के साथ साथ सभी जाति, धर्म, क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का निर्णय लिया. इसी क्रम में आज राज्य के सभी 24 जिलों से कुल 498 केंद्रीय समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई. कल केंद्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी.

लिवेन्स हॉस्टल का उद्घाटन, क्रिसमस गैदरिंग की गई

संवाददाता। रांची

संत बार्कमैन चर्च दिघिया बोड़या के परिसर में मंगलवार को लिवेन्स हॉस्टल का उद्घाटन हुआ एवं रांची धर्मप्रांत के पुरोहितों ने क्रिसमस गैदरिंग मनायी. इस समारोह के मुख्य अतिथि आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एवं बिशप थिओदोर मस्करेन्हास थे. समारोह की शुरुआत में 100 क्षमता वाले लिवेन्स हॉस्टल का उद्घाटन आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने किया एवं लिवेन्स हॉस्टल के लिए प्रार्थना की. साथ ही हॉस्टल हॉल में प्रवेश कर मिस्सा बलिदान में भाग लिया.

इस अवसर पर क्रिसमस कैरोल गीत भी गाया गया. आर्च बिशप फेलिक्स टोप्पो एसजे ने अपने क्रिसमस संदेश में कहा कि क्रिसमस आनंद का समय है, खुशियां बाटने का संदेश देता है.बिशप थिओडोर मस्करेन्हास ने अपने धर्मोपदेश में कहा कि इन दिनों हम क्रिसमस की तैयारी में हैं और क्रिसमस हमें चरणी की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है. क्रिसमस एक प्रतीक है कि ईश्वर सदा हमारे साथ हैं और हमारी तकलीफों में हमें सांत्वना प्रदान करते हैं. हॉस्टल के माध्यम से बच्चों का जीवन उज्ज्वल बनाने पर जोर दिया. क्रिसमस गैंदरिग का संचालन डिकन बिपिन तोपनो ने किया. साथ ही सभी पुरोहितों के बीच क्रिसमस उपहार बांटे गए. इस अवसर पर अनीस बाड़ा फादर अंजेलुस, फ़ादर पीटर सांगा, फादर डेविड बाड़ा रांची धर्मप्रांत के 75 पुरोहित, हॉस्टल के बच्चे एवं सिस्टर गण मौजूद थे.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की आर्थिक नाकेबंदी 16 - 17 दिसंबर को

आर्थिक नाकेबंदी को सीपीआई ने दिया समर्थन

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की ओर से 16 एवं 17 दिसंबर को आहूत आर्थिक नाकेबंदी का सीपीआई एवं जय आदिवासी केंद्रीय परिषद ने समर्थन देने का एलान किया. झारखंड को बेहतर राज्य बनाने, अबुआ दिशुम- अबुआ राइज की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, छात्रों एवं नौजवानों, बुद्धिजीवियों, किसानों, मजदूरों से समर्थन, सहायता व संघर्ष का साथ देने की अपील की है. अलबर्ट एक्का चौक स्थित सीपीआई कार्यालय में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोल रहे थे. राज्य सचिव महेंद्र पाठक, कार्यालय सचिव अजय सिंह, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पीके पांडेय, जय आदिवासी केंद्रीय परिषद की अध्यक्ष निरंजना हेरेंज ने यह घोषणा की. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी की मांगे जायज है, उनकी मांगों को सरकार नजरंदाज ना करें. प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि आर्थिक नाकेबंदी राज्य के आंदोलनकारियों के स्वाभिमान की लड़ाई है। 15 दिसंबर को मशाल जुलूस प्रत्येक जिले में होंगी. रांची के जिला स्कूल प्रांगण से अल्बर्ट एक्का चौक तक जुलूस निकालकर आर्थिक नाकेबंदी को सफल बनाने का आह्वान किया जायेगा. इस अवसर पर उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, सयोजक सरोजनी कच्छप, सीताराम उरांव, मो अलीम अंसारी, कार्यालय सचिव अजय सिंह सहित शामिल थे.

धीरज साहू कैश कांड पर बोले इरफान, कहा-

राजा परिवार से आते हैं धीरज

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों से मिले करोड़ों रुपए के मामले में विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि धीरज साहू राजा परिवार से आते हैं. इतना पैसा मिलना कोई बड़ी बात नहीं है. उन्होंने धीरज साहू को अपना अभिभावक बताते हुए एक कहा कि आज भाजपा शोर मचा रही है कि पैसा पकड़ाया है. पैसा पकड़ाया. उनको यह शोभा नहीं देता है. धीरज साहू मजबूत परिवार से हैं. शुरू से राजा परिवार से ताल्लुक रखते हैं. जब देश गुलाम था उस वक्त भी जब

देश के पास कुछ नहीं था तो उनके परिवार ने 50 लाख रुपया देश को दिया था. 40 किलो सोना दिया था. वह बिजनेस परिवार से हैं, उनका शराब का बिजनेस है और वह पूरा हिसाब अपने पैसे का दे देंगे. इनकम टैक्स विभाग जानना चाहता है उनके पैसे के बारे में तो ठीक है वे जवाब दे देंगे. साथ ही इनकम टैक्स भी जवाब देना चाहिए कि इस नौटंकी में पर्दे के पीछे की सच्चाई क्या है. उन्होंने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा जो दुष्प्रचार कर रही है, वह सही नहीं है. आप लोगों को भाजपा की मानसिकता समझनी होगी. गरीब को आवास को हम आवास देते हैं तो उनको दिक्कत है, गरीब को राशन दे रहे हैं उसमें भी दिक्कत, गरीब का लोन माफ करने पर भी इनको दिक्कत होती है. ये जल, जंगल, जमीन को लूटने आये हैं. ये धर्म की राजनीति करते हैं.

पहल किसानों के हितैषी ड्रोन बने विकसित भारत संकल्प यात्रा के आकर्षण का केंद्र

महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा ड्रोन का प्रशिक्षण

खास बातें

- 15 हजार महिला स्वयं सहायता समूहों दिया जाएगा प्रशिक्षण
- ड्रोन से होगा खेतों में पोषक उर्वरको का छिड़काव

प्रमुख संवाददाता। रांची

भारत सरकार हजारों महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करेगी. हम अपने कृषि कार्यों के लिए ड्रोन सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल करेंगे. शुरुआत में 15 हजार महिला स्वयं सहायता समूहों ड्रोन का प्रशिक्षण दिया जाना है. प्रधानमंत्री की पहल पर महिला किसान ने ड्रोन केंद्र को लांच किया. आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में एक स्वयं सहायता समूह की सदस्य कोमलापति वेंकट रावनम्मा ने कृषि उद्देश्यों के लिए केवल 12 दिनों में ड्रोन उड़ाने का कौशल सीखा. उन्होंने 30 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए.विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान के दौरान आयोजित देशव्यापी लाइव प्रदर्शनों में दर्शकों और किसानों को मंत्रमुग्ध करते हुए ड्रोन इस शो में चर्चा का विषय बन गए हैं. लोग वीबीएसवाई आईईसी वैन और ड्रोन शो का बेसब्री से इंतजार करते हैं. आसमान में उड़ती और हवा में गूंजती ध्वनि वाली उड़ने वाली मशीनें दर्शकों, विशेषकर किसानों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं .

देश के सभी कोनों में ड्रोन प्रदर्शनों को कृषक समुदाय, विशेषकर महिला किसानों द्वारा काफी सराहा जा रहा है. केरल से हिमाचल प्रदेश , गुजरात से त्रिपुरा तक ड्रोन प्रदर्शनों के माध्यम से स्पष्ट सन्देश दिया गया कि ड्रोन कृषि में सकारात्मक बदलाव के लिए अत्यंत आवश्यक है. लाइव प्रदर्शन में उर्वरकों के संतुलित उपयोग को दर्शाया गया, जिसमें अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करने पर जोर दिया गया . ड्रोन ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) और अन्य सूक्ष्म पोषक उर्वरकों का छिड़काव किया, जो प्रौद्योगिकी द्वारा कृषि क्षेत्र में लाए गए सटीक महत्वपूर्ण परिवर्तनों को दर्शाता है. यही नहीं, ड्रोन द्वारा कीटनाशक छिड़काव के लाइव प्रदर्शन ने प्रभावी कीट प्रबंधन में इस तकनीक के सकारात्मक प्रभावों से जनता को अवगत करवाया. साथ ही तरल उर्वरकों और कीटनाशकों के हवाई छिड़काव के लाइव प्रदर्शन ने एक ऐसी कृषि पद्धति को दर्शाया जो कि सीमित समय में अत्यधिक उर्वरकों के उपयोग को नियंत्रित करती है.

उत्सुकता और उत्साह से ड्रोन को देखता महिला किसानों का समूह.

सहायक की परीक्षा रद्द किये जाने के खिलाफ भाजयुमो का प्रदर्शन

रांची। भाजपा युवा मोर्चा ने जेएसएससी द्वारा सचिवालय सहायक परीक्षा रद्द करने के विरोध में लालपुर के न्यूक्लियस मॉल के पास प्रदर्शन किया. कार्यकर्ताओं ने हेमंत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सीएम का पुतला फूंका. मोर्चा अध्यक्ष किसलय तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार लगातार युवाओं को ठगने का काम कर रही है. इसी क्रम में फिर एक बार एक नया कारनामा करते हुए एक और परीक्षा को रद्द कर दी गयी है, लेकिन युवा मोर्चा लगातार युवाओं के मुद्दों को लेकर आंदोलन करती रहेगी. मौके पर रमेश सिंह, रोमित नारायण सिंह, बसंत दास, जितेंद्र सिंह पटेल, नीरज सिंह, विनय सिंह बंटी, रणधीर सिंह, अमिताभ धीरज, रोहित सिंह रॉनी, सचिन साहू, प्रिंस कुमार, सनोज सिंह समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

सीयूजे ने दक्षिण कोरिया के विवि के साथ किया एमओयू

संवाददाता। रांची

झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने दक्षिण कोरिया के तीन विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू साइन किया है. सीयूजे के कुलपति प्रो. क्षितिज भूषण दास पिछले दिनों दक्षिण कोरिया के दौरे पर थे, जहां उन्होंने हंगुक विदेशी भाषा अध्ययन विश्वविद्यालय, केम्योंग विश्वविद्यालय और बुसान विदेशी भाषा अध्ययन विश्वविद्यालय भारत की उभरती अर्थव्यवस्था, भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कोरियाई के लिए भारत के महत्व जैसे विषय पर अपना व्याख्यान दिया. वहीं दौरे में एमओयू भी साइन किया. कुलपति ने कहा कि यह दौरा सीयूजे के शैक्षिण विकास के लिए महत्वपूर्ण है. इस एमओयू से छात्रों को लाभ मिलेगा. जल्द ही कोरियाई छात्र सीयूजे अध्ययन करने आएंगे. कुलपति के साथ गए हुए इस्टर्न लैंग्वेज के प्राध्यापक शशि मिश्रा ने बताया कि हंगुक विश्वविद्यालय के साथ अनेक तरह के शैक्षणिक कार्य साथ में किए जा रहे हैं. खास तौर पर टैंडम कक्षा, जिसमें 12 कोरियाई छात्र और 12 सीयूजे के छात्र पिछले तीन सेमेस्टर से भाषा का आदान-प्रदान करते आ रहे है. शिक्षा जगत में यह एक अच्छी पहल है. इस कक्षा के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र भाषा के साथ साथ अनेक विषयों पर अपना विचार अदान प्रदान करते हैं.

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार को लेकर राज्य में उत्साह का माहौल

अबुआ आवास सबका आवास

झारखण्ड के इतिहास में पहली बार राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध कराने के लिए एक महत्वाकांक्षी आवास योजना शुरू की गयी है। अबुआ आवास योजना के अंतर्गत राज्य के 8 लाख परिवारों को सम्मानजनक जिंदगी जीने के लिए सुसज्जित आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत स्वच्छ रसोई सहित तीन कमरों के पक्का घर का प्रावधान किया गया है। योग्य लाभुकों के लिए योजना के तहत आवास निर्माण के लिए सहयोग राशि बढ़ाकर दो लाख रुपए दिया जाएगा। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत लाखों की संख्या में अबुआ आवास योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन आ रहे हैं। सभी जरूरतमंद लोग नजदीकी शिविर में जाकर योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन दे सकते हैं।

धन्यवाद मुख्यमंत्री जी, अब मैं भी साइकिल से स्कूल जा सकूँगा

झारखण्ड / बोकारो

कसमार प्रखण्ड के टांगटोना पंचायत में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सरोज कुमार महतो को साइकिल खरीदने हेतु ₹4,500 राशि मिली है।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय टांगटोना के कक्षा नौ का छात्र सरोज कुमार महतो को आन-द-स्पाट डीबीटी के जरिए साइकिल की राशि उसके खाते में हस्तांतरित की गयी है। सरोज जैसे राज्य के 8 लाख छात्र-छात्राओं को यह राशि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है।

साइकिल की राशि प्राप्त होने के बाद सरोज खुश है।

• साइकिल के लिए मिली राशि

सरोज पहले पैदल स्कूल जाता था, जिससे स्कूल आने-जाने में उसका काफी समय बर्बाद हो जाता था। सरोज ने साइकिल की राशि के लिए सीएम हेमन्त सोरेन और राज्य सरकार को धन्यवाद किया और कहा कि अब मैं भी साइकिल से स्कूल पढ़ने जा सकूँगा।

अब तक कुल आवेदन प्राप्त

29,67,282*

*डाटा जानकारी 12/12/2023, 06:00 PM

जोहार, मैंने चुनाव से पहले वादा किया था कि आपकी यह सरकार एयरकंडीशन कमरों से नहीं बल्कि आमजन के बीच, उनके द्वार-द्वार जाकर उन्हें राज्य सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगी। उसी का उदाहरण है विगत 3 वर्षों से राज्य के कोने-कोने में शिविर लगाया जा रहा है, जहां लाखों-करोड़ों लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया है, उन्हें योजनाओं का अधिकार मिला है।

- हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

लाखों जरूरतमंद को मिला पेंशन का अधिकार

झारखण्ड / पूर्वी सिंहभूम-गोड्डा

पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया प्रखण्ड स्थित लोधाशोली पंचायत निवासी श्रीमती सुरुज गोप कहती हैं कि जब मुझे अपने पंचायत में आयोजित शिविर की जानकारी मिली तो सबसे पहले मैंने पेंशन के लिए आवेदन दिया और वापस घर जाने लगी। लेकिन शिविर में आए पदाधिकारियों ने मुझे कुछ देर रुकने को कहा। इसके बाद मात्र दस मिनट में मेरा पेंशन स्वीकृत हो गया।

मुझे बताया गया है कि अगले महीने से मेरे बैंक खाते में पेंशन की राशि आ जाएगी। इस राशि से मुझे बहुत मदद मिलेगी। पहले पेंशन के लिए कार्यालय का चक्कर काटने में बहुत समय निकल जाता था। वहां बैठे लोग बोल रहे थे कि पेंशन की राशि भी हर महीने 5 से 10 तारीख मेरे खाते में आ जाया करेगी। हम जैसे गरीब लोगों का बुढ़ापे का सहारा बनने के लिए हेमन्त बेटा को आशीर्वाद।

• सर्वजन की सरकार दे रही पेंशन का अधिकार

इसी तरह गोड्डा प्रखण्ड के पांडुबथान पंचायत में आयोजित सरकार आपके द्वार के शिविर में पहुंचे वृद्ध दुर्गा महतो को सर्वजन पेंशन योजना के तहत पेंशन की स्वीकृति दी गयी। पूर्व में एक-दो बार आवेदन किया, लेकिन पेंशन स्वीकृति प्राप्त करने में सफलता नहीं मिली थी। उन्होंने बताया कि उम्र ज्यादा होने के कारण वह बार-बार प्रखण्ड कार्यालय नहीं जा सकते थे।

पंचायत क्षेत्र में लगने वाले शिविर की जानकारी मिलने पर वह अपने परिजनों के साथ वहां पहुंचे। जहां तुरंत आवेदन प्रक्रिया पूरी करते हुए उन्हें ऑन-द-स्पॉट पेंशन की स्वीकृति दी गयी।

पेंशन स्वीकृति पत्र प्राप्त करते हुए उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। दुर्गा महतो कहते हैं पहले अनेकों बार मैं ब्लॉक ऑफिस गया पर मुझे हर बार बोल दिया जाता था कि पेंशन की जगह खाली होगी तभी मिलेगी।

सर्वजन पेंशन योजना शुरू कर हेमन्त बेटा और झारखण्ड सरकार ने मुझे जैसे लाखों जरूरतमंद लोगों को काफी मदद दिया है। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि इतने वर्षों तक चक्कर लगाने के बाद मुझे पेंशन मिलेगा। हेमन्त बेटा को ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद, जोहार।

सुदूर क्षेत्रों में पहुंची सरकार, दिया अभियान के तहत अधिकार

झारखण्ड/पश्चिमी सिंहभूम

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान तहत पश्चिमी सिंहभूम जिले के सुदूरवर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पंचायत स्तरीय शिविर का आयोजन सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में जिला प्रशासन के द्वारा दूरस्थ आनंदपुर के रंगामाटी, गुदड़ी के झरियो कमरोड़ा, जाते, बंदगांव के टेबो, कारो नदी को पार कर बांदु पंचायत आदि दूरस्थ स्थानों में शिविर आयोजित कर स्थानीय लोगों से आवास, युवाओं से गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना तहत आवेदन प्राप्त किया जा रहा है।

राज्य की कुशल और संवेदनशील नेतृत्व वाली सरकार निरंतर जनहित की योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सदैव क्रियाशील है और इसी महत्वाकांक्षी सोच के साथ जिले और ब्लॉक पदाधिकारी दुर्गम क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लाभ से डॉक्टर बनने का सपना होगा पूरा

झारखण्ड / खूंटी

• गरीबी नहीं बनेगी पढ़ाई में बाधा, हेमन्त सरकार का है वादा

उच्च शिक्षा में आर्थिक सहायता के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गयी गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, झारखण्ड के छात्र-छात्राओं को बेहद पसंद आ रहा है। इस योजना के लाभ से छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा को नया मुकाम देने के लिए उत्साहित हैं। तोरपा प्रखण्ड के दियांकेल पंचायत निवासी हेबसिबा कंडूलना ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन भरा है। प्रचार-प्रसार के माध्यम से स्मृति को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में जानकारी मिली। साथ ही अपने क्षेत्र में लगने वाले आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित होने वाले शिविर के बारे में उन्हें पता चला। स्मृति ने बताया कि शिविर में उनका आवेदन स्वीकृत कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण मेडिकल क्षेत्र में जाने का सपना पूरा नहीं हो पा रहा था, लेकिन योजना के लाभ मिलने से अब वह मेडिकल की पढ़ाई कर आगे बढ़ेगी।

धन्यवाद हेमन्त सरकार

मुझे सर्वजन पेंशन योजना का लाभ मिला है। गांव में लगे शिविर में आवेदन देने के साथ ही मेरा पेंशन स्वीकृत हुआ। अब मुझे अपनी जरूरतों को पूरा करने में परेशानी नहीं होगी। सर्वजन पेंशन से मेरे जैसे लाखों जरूरतमंद लोगों को मदद देने के लिए मुख्यमंत्री जी का शुक्रिया।

मोहम्मद आसीन,
पीरटांड़, गिरिडीह

इञाक् जुतुम दो अनिल टुडू काना, आतो-कैरासोल, इञ दो लाहा ते दो कूप योजना रेयाक् पोरहो दो बाञ आगलेदा, मेनखान दिनकालोम दो बिरसा सिंचाई कूप योजना रेयाक् पोरहो दोञ आम केदा ओना इयाते नोआ बोछोर दो आडी मोज तेञ चास-बास केदा, दाक् रेयाक् ओभाव दो बाड होयलेना आर से नित हो चास-बास लागित् दाक् रेयाक् ओभाव दो बानुक आकादा। बिरसा सिंचाई कूप योजना रेयाक् पोरहो इमाञ लागित् ते इञ दो सिरामंत्री हेमन्त सोरेन आडी-आडीञ सारहावेद काना।

अनिल टुडू, गोड्डा

तोपचांची प्रखण्ड के प्रिंस कुमार का आय, जाति और आवासीय प्रमाण पत्र मात्र एक घंटे में बना। प्रिंस कुमार के पिता ओमप्रकाश महतो ने सीएम के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे अपने बेटे के लिए आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई दिनों से प्रयासरत थे। पंचायत शिविर में आवेदन दिया और 1 घंटे में उन्हें तीनों प्रमाण पत्र मिल गए।

ओमप्रकाश महतो, धनबाद

सबल बनीं दीदी-बहनें, सुनिश्चित हुआ आजीविका का आधार

• स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदी-बहनों को राशि वितरण

झारखण्ड / धनबाद

क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से मदद कर रही है हेमन्त सरकार। धनबाद प्रखण्ड के गोपीनाथडीह पंचायत में आयोजित शिविर के दौरान जेएसएलपीएस अंतर्गत गठित एवं संचालित स्वयं सहायता समूह को 20 लाख 33 हजार का ऋण स्वयं सहायता समूह की दीदियों को दिया गया। दीदियों ने बताया कि ऋण राशि का प्रयोग वे गौ पालन, बकरी पालन, राशन दुकान संचालन समेत अन्य व्यापार कर आजीविका बढ़ाने में करेंगी, जिससे सबल बनने और आर्थिक विकास में उन्हें काफी मदद मिलेगी। धनबाद की दीदी-बहनों की तरह राज्य की लाखों दीदियों को राज्य सरकार ने कई करोड़ की योजनाओं से जोड़ा है। स्वयं सहायता समूह की दीदी-बहनों ने इस कार्यक्रम में उन्हें मिले आर्थिक लाभ हेतु मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और राज्य सरकार को धन्यवाद दिया है।

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से युवाओं के सपने होंगे साकार

• युवाओं को आर्थिक सहायता

झारखण्ड / पलामू

पलामू के रजवाडीह पंचायत में आयोजित शिविर में पहुंचकर स्थानीय निवासी शुभम कुमार ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन दिया। आवेदन की स्वीकृति के पश्चात बैंक से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर उन्हें ऋण उपलब्ध हो सकेगा। शुभम कुमार ने बताया कि आर्थिक स्थिति में कमजोर होने के कारण उसे इंजीनियरिंग की पढ़ाई में समस्या आ रही थी। कर्ज लेने की नौबत आ रही थी, लेकिन गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ मिलने से अब पढ़ाई में बाधा नहीं होगी। योजना की तारीफ करते हुए शुभम कहते हैं कि पढ़ने के लिए हेमन्त सरकार रियायती दर पर 15 लाख तक का ऋण देगी और गारंटर भी सरकार बनेगी। मैंने सुना है पढ़ाई पूरी करने के बाद सरकार को थोड़ा-थोड़ा करके ही पैसा चुकाना होगा। योजना का लाभ मिलने से उनके जैसे कई युवाओं को पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी।

प्रेस की कलम से....

बारिश के बीच भी शिविर में पहुंचे आवेदक

ट्रैक्टर से नदी पार कर पहुंचे सरकार के नुमाइंदे

राज्य के 4.90 लाख बच्चों को मिली साइकिल की राशि

अबुआ आवास के लिए शिविरों में उमड़ी भीड़

सरकार आपके द्वार में आवेदनों की लगी झड़ी

ऑन स्पॉट मामलों का निपटारा

जरूरतमंदों को योजनाओं से सबल बना रही सरकार

जनसमस्याओं का मौके पर निपटारा

विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का किया गया आयोजन

वैभिन्न प्रखंडो में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम में आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन

मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी 35 लाख किसानों को केसीसी से जोड़ने का दिया है लक्ष्य

किसान क्रेडिट कार्ड के लाभुकों की संख्या पहुंची 22 लाख

80187 लाभुकों के बीच 132.74 करोड़ रु. की परिसंपत्तियां बांटी सीएम ने कहा- जिनके पास घर नहीं उन्हें मिलेगा अबुआ आवास

कई नई योजनाओं की सौगात दे रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री

घर तक आयी सरकार, योजनाओं का लाभ लें

किसानों और महिलाओं को मिला योजनाओं का लाभ

सियासत में धनशक्ति

विश्व प्रसिद्ध लेखक ताल्सताय की एक प्रसिद्ध कहानी है जिसका शीर्षक है : अंततः एक इंसान को कितनी जमीन चाहिए. कहानी का उपसंहार श्मशान साढ़े तीन फीट चौड़े और आठ फीट लंबे जमीन भर से होता है, जिसे कब्र कहते हैं. वैसे इससे सीख शायद ही कोई लेता है. झारखंड में धीरज साहू एक प्रतीक बन गया है. धनसंग्रह के हर अवैध और सियासी प्रभाव का प्रतीक. ऐसे किसी भी व्यक्ति का राजनीति में होना, वह भी भारत के सर्वोच्च सदनों में एक का सदस्य, बताता है कि भारत की राजनीति क्या आकार ग्रहण करती जा रही है. एडीआर जैसे चुनाव सुधारों के लिए सक्रिय संस्था चेतावनी देती रही है कि राजनीति पर अरबपति और करोड़पति प्रभावी हो गए हैं. चुनावों में बहने वाला बेशुमार धन बताता है कि राजनीति अब एक ऐसा संस्थानिक तरीका बन गया है, जहां पहुंच कर धनपशु न केवल संरक्षण, बल्कि बेजा हैसियत और विशेषाधिकार भी पा जाते हैं. जिस देश में राजनीति को समाजसेवा का पवित्र जरिया बनना था, वहां अब राजनीति एक ऐसी गारंटी बन रही है, जहां बेशुमार धन वालों की पूछ बढ़ती जा रही है. अब वक्त आ गया है कि राजनीति को भ्रष्टाचार से न केवल मुक्त करने के लिए एक आम सहमति बने. चुनावों को गरीब आदमी के लिए सहज बनाने के लिए भी उसमें बहने वाले धन की पूरी जांच हो, ताकि कोई धन के प्रभाव से उच्च सदन का सदस्य बनने का सपना न देखे या कोई भी दल ऐसे किसी भी व्यक्ति को सदस्य बनाने की पहल ही न कर सके. कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती इस समय यह है कि वह इधर-उधर की बातें करने के बजाय ठोस कदम उठाए और जांच का तर्क दे कर अवैध तरीके से धन संग्रह करने वाले के प्रति किसी तरह की भी नरमी न दिखाए. उसे होने वाला राजनीतिक नुकसान हो चुका है, लेकिन आगे के लिए उसे सख्त होने की जरूरत है. इसके साथ ही ऐसे किसी व्यक्ति का संरक्षण किसी भी स्तर पर नहीं होना चाहिए, जो एक सीमा से अधिक धन रखता हो. यह सीमा संसद को तय करना चाहिए, ताकि धनपतियों से संसद और विधायिका को मुक्त किया जाए. चुनाव लड़ने की अर्हता में एक प्रावधान धनसीमा भी होना जरूरी है. लोकतंत्र की मर्यादा एक ऐसी राजनीति में है जिसमें धनबल कम से कम प्रयोग होता है. दुनिया में अनेक ऐसे लोकतंत्र हैं जहां चुनावों के लिए राज्य प्रायोजित प्रावधान किए जाते हैं. स्कैंडेवियन देशों के लोकतंत्र की महत्ता इसी में मानी जाती है कि वहां ज्यादा खुलापन है और चुनावों के लिए कठोर नियम बने हुए हैं. अमेरिका जैसे लोकतंत्र जरूर धन के बेशुमार इस्तेमाल के प्रतीक है. भारत को इससे बचते हुए अपनी गरिमा और संस्कृति के अनुरूप प्रणाली बनाने की जरूरत है.

कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती इस समय यह है कि वह इधर-उधर की बातें करने के बजाय ठोस कदम उठाए और जांच का तर्क दे कर अवैध तरीके से धन संग्रह करने वाले के प्रति किसी तरह की भी नरमी न दिखाए. उसे होने वाला राजनीतिक नुकसान हो चुका है.

सुभाषित

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव संपदः।।

अचानक आवेश में आ कर बिना सोचे समझे कोई कार्य नहीं करना चाहिए, क्योंकि विवेकशून्यता सबसे बड़ी विपत्तियों का घर होती है. इसके विपरीत जो व्यक्ति सोच–समझकर कार्य करता है, गुणों से आकृष्ट होने वाली मां लक्ष्मी स्वयं ही उसका चुनाव कर लेती हैं.

विपक्ष को बदलना होगा नजरिया

हिंसक मूल्यहीनता की स्वीकार्यता हमारी स्वीकृति की सीमाओं से कहीं ज्यादा फैल चुकी है, लेकिन अधिनायकवाद के खतरे की तरह ही, काफी लोग यह भी मान बैठे हैं कि अभी भी कोई इतनी व्यापक हिंसा नहीं हो रही है, जो किसी के विवेक पर दबाव डालती हो या अव्यवस्था की आशंका पैदा करती हो. उन्हें ऐसे ख़तरे की आशंकाएं बहुत दूर की बातें लगती हैं. कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की आलोचना को प्रमुखता दी है.

• देश-काल

प्रतापभानु मेहता

विपक्ष अभी भी एक असरदार आलोचना के लिए सटीक भाषा और अवसर की तलाश में जूझ रहा है. फिलहाल तो यह उन्हीं लोगों से संवाद बना पा रहा है, जो पहले से ही उससे सहमत हैं. हाल के विधानसभा चुनावों में उत्तर भारत में भाजपा की जोरदार जीत ने इस सवाल को फिर से खोल दिया है. ऐसी परिस्थिति में विपक्ष के लिए समुचित रणनीति क्या हो सकती है, जबकि उसका सामना एक अत्यधिक चालाक और लोकप्रिय प्रधानमंत्री से है, जिसके पास एक गहराई से जुड़ी हुई प्रेरणा और उत्साह से लबरेज, सभी संसाधनों से संपन्न, रणनीतिक रूप से स्मार्ट राजनीतिक मशीन है. और इसके साथ ही, जबकि अलग-अलग हिस्सों में आर्थिक असंतोषों के बावजूद केंद्र सरकार के खिलाफ असंतोष की कोई लहर भी मौजूद नहीं है? विपक्ष के लिए चुनौती यह है कि वह सरकार की कोई ऐसी सुस्पष्ट आलोचना नहीं ईजाद कर पा रहा है, जिससे पीछा छुड़ा पाना उसके लिए नामुमकिन हो. भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने हाल ही में कहा था कि हालांकि कांग्रेस का संप्रेषण बेहद शक्तिशाली था, लेकिन यह उन्हीं लोगों की ओर उन्मुख था जो पहले ही उससे सहमत हो चुके थे. जैसा कि 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' द्वारा तैयार किए गए बेहद महत्वपूर्ण चुनाव विश्लेषण से पता चलता है, जिन राज्यों में कांग्रेस की हार हुई है, वहां उसके वोट शेयर में खास कमी नहीं आयी है. विडम्बना यह हुई है कि विपक्ष द्वारा भाजपा-विरोधी वोटों को एकजुट करने के बजाय, खुद भाजपा कांग्रेस-विरोधी वोटों को एकजुट करने में कामयाब हो गयी है. यह स्थिति छत्तीसगढ़ में सबसे गंभीर है, जहां कांग्रेस का वोट शेयर लगभग स्थिर रहा है, जबकि भाजपा का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत बढ़ गया है. कुल वोट शेयर में स्थिरता के नीचे सूक्ष्म स्तर पर वोटों की इधर से उधर आवाजाही के आंकड़े सामने नहीं आ पाते हैं. लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस, ज्यादातर उन्हीं लोगों से मुखातिब रही है, जो पहले से ही उससे सहमत हो चुके हैं. आखिर इसके क्या कारण हो सकते हैं? मुख्य समस्या यह है कि कांग्रेस का बौद्धिक पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से उन वैचारिक परिवर्तनों के विपरीत है, जिनकी उसे आवश्यकता है. दरअसल, एक सुस्त क़िस्म का सामाजिक नियतिवाद भारतीय राजनीति में वामपंथ और मध्यममार्गी दलों के लिए अभिशाप बन चुका है. यह धड़ा वर्षों से, सर्वहारा वर्ग के समकक्ष किसी ऐसे स्वाभाविक सामाजिक समूह की तलाश कर रहा है, जिसे केवल उसकी सामाजिक स्थिति के आधार पर मुक्ति का एजेंट मान लिया जाए. कभी ये दलित होते हैं, कभी अल्पसंख्यक होते हैं तो कभी आमतौर पर जाति समूह होते हैं. नतीजतन आज राजनीति अनिवार्यतः सामाजिक पहचान के अंकगणित तक सिमट कर रह गयी है. जाति जनगणना की वकालत करना इस गलती की नवीनतम अभिव्यक्ति थी. यह राजनीतिक रूप से अदूरदर्शी कदम था, क्योंकि विकास का कोई ऐसा गंभीर एजेंडा नहीं है, जिसके लिए जाति जनगणना की आवश्यकता हो. यह सामाजिक नियतिवाद नैतिक रूप से घिनौना है. यह मतदाताओं को जटिल परिस्थितियों में निर्णय लेने वाले राजनीतिक परिवर्तनकारी एजेंटों के बजाय एक बंधी हुई पहचान के एक स्थिर कथानक के रूप में मान लेता है. यह अनुभवों में भी ग़लत साबित हो चुका है, जैसा कि भाजपा ने दलितों, पिछड़ों और अनुसूचित जनजातियों की राजनीतिक पहचान में लाए गए प्रभावशाली परिवर्तन ने साबित कर दिया है. राज्य की लगभग सभी महत्वपूर्ण संस्थाओं की प्रतिष्ठा को धूमिल किया जा रहा है और हमारी स्वतंत्रता खतरे में है. लेकिन यह इस तरह से किया जा रहा है कि अधिकांश नागरिकों को शासन के अपने सामान्य अनुभव में इस अंतर का अनुभव नहीं हो रहा. हिंसक मूल्यहीनता की स्वीकार्यता हमारी स्वीकृति की सीमाओं से कहीं ज्यादा फैल चुकी है, लेकिन अधिनायकवाद के खतरे की तरह ही, काफी लोग यह भी मान बैठे हैं कि अभी भी कोई इतनी व्यापक हिंसा नहीं हो रही है, जो किसी के विवेक पर दबाव डालती हो या अव्यवस्था की आशंका पैदा करती हो. उन्हें ऐसे ख़तरे की आशंकाएं बहुत दूर की बातें लगती हैं. कांग्रेस ने भ्रष्टाचार की आलोचना को प्रमुखता दी है. इसमें दो समस्याएं हैं. ऐसा अभियान केवल उस परिस्थिति में काम करता है, जब उसे कोई विश्वसनीय शख्सियत चलाये- या तो जयप्रकाश नारायण जैसा कोई बाहरी प्रतिष्ठित व्यक्ति या शुरुआती दिनों में आम आदमी पार्टी, या वीपी सिंह जैसा सत्तारूढ़ प्रणाली से बाहर निकला कोई बड़ा व्यक्ति हो. दूसरी समस्या है आलोचना का स्तर- उदाहरण के लिए, भ्रष्ट विधायकों को लेकर बहुत असंतोष व्याप्त था, या परीक्षा भर्ती के बारे में काफी चिंताएं थीं. लेकिन इन मुद्दों को उठाने की बजाय अडानी की एक अमूर्त आलोचना करना जनता को समझ में आने वाले मुद्दों से एक विचलन था, वह भी तब जबकि राजस्थान जैसे राज्य में जहां 5,000 करोड़ रुपये का निवेश अडानी से प्राप्त हो रहा है. समस्या का दूसरा पहलू अर्थव्यवस्था को लेकर है. यह एक जटिल मुद्दा है- राज्य को कल्याणकारी गठबंधनों को एक साथ जोड़ना पड़ता है और प्रतिस्पर्धा अक्सर क्षमता के मामले में होती है. लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विपक्ष को तेजी से वामपंथ की ओर झुकते हुए देखा जा रहा है- बड़े व्यवसाय विरोधी और व्यवसाय विरोधी होने के बीच की रेखा को समझाना कठिन है. इसमें कोई नया प्रतिमान नहीं है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक नया मार्ग खोलता हो. इसलिए, नेतृत्व, रणनीति और संगठनात्मक मुद्दे के अलावा, विपक्ष, चाहे वह अकेले कांग्रेस हो या 'इंडिया' गठबंधन, विपक्ष अभी भी एक असरदार आलोचना के लिए सटीक भाषा और अवसर की तलाश में जूझ रहा है. फिलहाल तो यह उन्हीं लोगों से संवाद बना पा रहा है जो पहले से ही उससे सहमत हैं.

('इंडियन एक्सप्रेस' से साभार)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

कर्मानुसार फलप्राप्ति

एक बार एक राजा एक व्यक्ति के काम से खुश हुआ. उसने उस व्यक्ति को अपने पास बुलाकर कहा कि तेरी मेहनत, वफादारी व हिम्मत से मैं बहुत प्रसन्न हूं, इसलिए मैं आज तुझे कुछ इनाम देना चाहता हूँ. फिर उसने कहा कि काम तो चाहे तुमने लगभग 500 रुपये जितना किया है, पर मैं तुम्हें कुछ इससे अधिक देना चाहता हूं. वह व्यक्ति बहुत खुश हो रहा था और राजा ने उससे कहा, आज रात तुम मेरे व्यक्तिगत कमरे में ही गुजारना. वहां सब प्रकार का कीमती सामान है, तुम्हें जो चाहिए, वह उसमें से ले लेना परन्तु सुबह सात बजे कमरा खाली कर देना. व्यक्ति का तो ख़ुशी का ठिकाना न रहा. वह व्यक्ति रात के ठीक नौ बजे राजा के कमरे में प्रवेश किया. अनेक प्रकार की आलीशान वस्तुओं को देख कर उसकी आंखें चमक उठीं. वह एक-एक चीज़ को बडे ध्यान से देखता और मन में सोच लेता कि वह यह चीज भी अपने साथ ले जाएगा, वह भी ले जाएगा और इस प्रकार उसने कई वस्तुओं को अपने साथ ले जाने की योजना बना ली. फिर सोचा कि सारा दिन बहुत काम करके वह थक गया है. तो क्यों न कुछ देर सुस्ता ही लिया जाये और उसके बाद सब सामान इकट्ठा कर सुबह होते ही सामान सहित कमरे से बाहर चला जायेगा. यह सोचकर वह उस पलंग पर जाकर चैन से लेट गया. थका हुआ तो था ही, और कुछ ही क्षणों में उसे निद्रा देवी ने घेर लिया. वह सोया रहा, सोया रहा और इतना सोया रहा कि सुबह के 7 बज गए. उसी वक्त राजा के नौकर ने आकर दरवाजा खटखटाया. वह व्यक्ति आंखें मलता हुआ हड़बड़ा कर उठ बैठा. उसने जल्दी से बिस्तरे से उठ कर दरवाजा खोला. नौकर ने कहा समय पूरा हो गया है. उस व्यक्ति ने घड़ी की तरफ देखा और कमरे से बाहर निकलते वक्त सामान तो बांधकर नहीं रखा था. सो एक टेबल लैंप को ही खींचता हुआ ले आया. और किसी से पूछने पर मालूम हुआ कि उस लैम्प की कीमत कुल 500 रुपये ही है. जितना उस व्यक्ति ने काम किया था, उसको उतनी ही प्राप्ति हो गई. जरा सोचिये सारा कमरा, कीमती सामान, आलीशान वस्तुओं से भरा उस व्यक्ति के सामने था, वह उसमें से जितना चाहे उतना ले सकता था, परन्तु तकदीर के बिना मनुष्य को कुछ भी प्राप्त नहीं होता. श्रेष्ठ कर्म करने वालों की ही श्रेष्ठ तक़दीर बनती है.

किसानों को अधिक रिटर्न देने की आवश्यकता

• कृषि

ललित

जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए कृषि के वर्तमान मॉडल पर की जाने वाली चर्चाओं का दौर बढ़ रहा है. यह सच है कि कृषि आज कई प्रकार से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान करती है. जैसे चावल की खेती व पशुधन से मीथेन उत्सर्जन और खेतों पर सिंथेटिक उर्वरकों और खाद के उपयोग से नाइट्रस ऑक्साइड के माध्यम से उत्सर्जन. यहां तक कि ताड़ के तेल का उत्पादन करने के लिए वर्षावनों सहित जंगलों की बड़े पैमाने पर कटाई से जलवायु-जोखिम वाली दुनिया का संकट और बढ़ गया है. इसके अलावा खाद्य प्रसंस्करण और बिक्री के लिए बहु-महाद्वीपीय परिवहन व्यवस्था आदि. अभी तक अधिकांश डेयरी किसान व्यक्तिगत रूप से ही काम करते हैं, अपने पशुओं के लिए खुले रूप में ही फीडिंग का उपयोग करते हैं. उनके फार्म एग्रोसिल्वोपास्टोरल सिस्टम (भूमि-उपयोग की वह तकनीक है जो पेड़ों और फसलों को पशुधन पालन में शामिल करती है) पर आधारित हैं. लेकिन अब ये तेजी से बदल रहा है. किसान तेजी से महंगे संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं. जैसे उर्वरक से लेकर बीज और कीटनाशक तक. इससे उन पर कर्ज का बोझ बढ़ जाता है, जिससे वे फसल के नुकसान और चरम मौसम के प्रभावों के प्रति और भी अधिक संवेदनशील हो जाते हैं तो हमारी जलवायु-जोखिम वाली दुनिया में आजीविका-पोषण-प्रकृति सुरक्षा के लिए कृषि मॉडल के तत्व इस प्रकार हैं. सबसे पहले, यह एक कम संसाधन आधारित मॉडल होना चाहिए, जो किसान को कई जोखिमों से बचाए. इससे किसानों के हाथों में अधिक पैसा भी आएगा, खासकर जब हम जानते हैं कि अधिकांश देशों में भोजन की उच्च लागत वहन करने योग्य नहीं है. यहां तक कि जिसे स्मार्ट कृषि के नाम पर प्रचारित किया जा रहा है, वह उच्च लागत वाले संसाधनों पर निर्भर करती है, जो खेती की लागत को बढ़ाती है. तर्क यह दिया गया है कि इस रणनीति से अधिक पैदावार होगी, जिससे किसान को अधिक आय मिलेगी. लेकिन यह तभी काम करता है जब लागत मुनाफे को खत्म न कर दे. छोटे किसानों के मामले में यह संभव नहीं है. हालांकि, पैदावार बढ़ाने के लिए मिट्टी के स्वास्थ्य पर काम करने और किसानों को सिंचाई उपलब्ध कराने की जरुरत होगी, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता हो. जलवायु परिवर्तन नए कीट भी लाएगा. इससे कृषि का लचीला होना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन इसका मतलब कीटनाशकों का उपयोग बढ़ाना नहीं है. इसका मतलब कृषि की प्रथाओं में बदलाव के साथ-साथ गैर-रासायनिक विकल्पों का उपयोग भी हो सकता है और होना भी चाहिए. लब्बोलुआब यह है कि जलवायु लचीलेपन के लिए सामना करने, उबरने और अंततः किसानों के हाथों में अधिक रिटर्न देने की अधिक आवश्यकता होती है. इसका मतलब उन बाजारों में निवेश करना भी है, जो किसानों को अधिकतम लाभ कमाने के अवसर प्रदान करें. पशुधन अर्थव्यवस्था को सुनिश्चित बनाना होगा, क्योंकि यह जोखिम के प्रबंधन की अनुमति देगा, ताकि विभिन्न स्रोतों से आय हो सके. तीसरा, ऐसी फसलों का चयन करना, जो पौष्टिक होने के साथ-साथ स्थानीय पर्यावरण के अनुकूल भी हों.अधिक जैव विविधता और जलवायु-उपयुक्त बाजरा किसानों द्वारा उगाया जाएगा, जहां सरकारों ने उन्हें मध्याह्न भोजन जैसी योजनाओं में शामिल किया है (यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक है, क्योंकि इसका उद्देश्य हर स्कूल में गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराना है). जलवायु-लचीलेपन की दिशा में फसल पैटर्न में बदलाव के लिए इस सहायक संरचना की आवश्यकता होगी. सबसे महत्वपूर्ण तत्व यह है कि किसान जो अन्न उगाते हैं उसका विकल्प उपभोक्ताओं के हाथों में है. यदि हम अपना आहार बदलते हैं, तो यह किसान को अलग तरह से बढ़ने के संकेत प्रदान करता है. हम जानते हैं कि भोजन औषधि है, फिर भी हम गलत खाना खाते रहते हैं. हमारी थाली में मौजूद भोजन में पोषण के तत्व खत्म हो गए हैं. हमें अच्छे भोजन का ज्ञान खोने का खतरा बढ़ गया है, जो हमारी दादी-नानी अलग-अलग मौसमों में पकाती थीं.यही कारण है कि हमें इस बदली हुई कृषि का हिस्सा बनना चाहिए. जलवायु परिवर्तन संकट मानव निर्मित है. यह इंसान ही हैं जिन्होंने ऐसे उत्सर्जन में योगदान दिया है जो हमारे वर्तमान और हमारे बच्चों के भविष्य के अस्तित्व को खतरे में डालता है. यह हम ही हैं जिन्हें अपने जीवन पर फिर से काम करना चाहिए. सच तो यह है कि हम जलवायु-जोखिम वाले विश्व में कृषि के इस मॉडल के साथ आगे नहीं बढ़ सकते.

छोटे किसानों के मामले में यह संभव नहीं है. हालांकि, पैदावार बढ़ाने के लिए मिट्टी के स्वास्थ्य पर काम करने और किसानों को सिंचाई उपलब्ध कराने की जरुरत होगी, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता हो. जलवायु परिवर्तन नए कीट भी लाएगा. इससे कृषि का लचीला होना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन इसका मतलब कीटनाशकों का उपयोग बढ़ाना नहीं है.

महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा

• क्राइम

शोभा शुक्ला

आज के समय में अनेक मानवीय संपर्क, ऑनलाइन स्थानों पर हो रहे हैं. जैसे-जैसे इंटरनेट और मोबाइल प्रौद्योगिकियां, तथा सोशल मीडिया हमें सुलभ होते जा रहे हैं, हमारे वास्तविक जीवन की कई गतिविधियां यहीं होने लगी हैं. हममें से बहुत से लोग अपने घरों से बाहर निकले बिना भी राय साझा करने, विचारों का आदान-प्रदान करने, अपना ज्ञान बढ़ाने और मनोरंजन खोजने के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन ज़रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक पाते हैं, परंतु पितृसत्तात्मक व्यवस्था इन स्थानों पर भी अपना जाल फैला रही है और ये ऑनलाइन सोशल मीडिया कई लोगों के लिए खतरनाक और असुरक्षित होते जा रहे हैं- विशेषकर महिलाओं, लड़कियों और हाशिए पर रह रहे अन्य समुदायों के लिए. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ऑनलाइन सार्वजनिक क्षेत्र अपने ऑफ़लाइन समकक्ष की तरह ही वास्तविक और प्रभावशाली है और ऑनलाइन लिंग आधारित हिंसा का प्रभाव तेजी से ऑफ़लाइन स्थानों पर भी फैल रहा है- कभी-कभी गंभीर परिणामों के साथ. व्यक्तिगत दुर्व्यवहार और ऑनलाइन लिंग आधारित हिंसा के बीच सह संबंधों को कई अध्ययनों के माध्यम से प्रलेखित किया गया है. महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में 73% महिला पत्रकारों ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन हिंसा को झेला है और 20% ने कहा कि इस ऑनलाइन हिंसा के परिणाम स्वरूप उन्हें वास्तविक हमले का भी सामना करना पड़ा था. शीर्ष अपराधियों में गुमनाम लोग (57%), सरकारी अधिकारी (14%), और सहकर्मी (14%), और राजनीतिक दल (10%) शामिल थे. एशिया-प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र महिला क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 'वर्चुअल स्पेस में लैंगिक समानता और नारीवाद के विरोध को समझने' पर जारी एक शोध अध्ययन से पता चलता है कि विभिन्न पुरुष समूह सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर नारीवाद और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं के खिलाफ ऑनलाइन हमले कर रहे हैं. अध्ययन में विशेष रूप से फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब प्लेटफार्मों पर पोस्ट की गई नारीवाद-विरोधी और लैंगिक समानता-विरोधी सामग्री को शामिल किया गया, जिसका उपयोग भारत, बांग्लादेश और फिलीपींस में लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने के लिए किया जा रहा है. विश्लेषण में पाया गया कि पुरुषों के ये समूह- जिनको आमतौर पर ऑनलाइन "मैनोस्फीयर" कहा जाता है- कई प्रकार के आख्यानों और युक्तियों का उपयोग करते हैं जो नारीवाद पर हमला करते हैं, पुरुषों के मुद्दों को बढ़ावा देते हैं और महिला अधिकार कार्यकर्ताओं को कमजोर करते हैं. उनके द्वारा फैलाई गई झूठी कहानियां पुरुषों को लैंगिक समानता के शिकार के रूप में चित्रित करती हैं और धर्म, संस्कृति और राजनीतिक विचारधाराओं के बहाने स्त्रीद्वेष को उचित ठहराती हैं. इन देशों में मैनोस्फीयर समूहों द्वारा उपयोग की जाने वाली भ्रांतियां पितृसत्ता और महिलाओं के खिलाफ हिंसा और शत्रुता को सही मानती हैं. ये समूह पीड़ितों को दोष देने, बलात्कार संबंधी चुटकुले, नारीवादियों के खिलाफ हमलों को उचित ठहराने का प्रचार करते हैं, और उन राजनीतिक नेताओं का अनुमोदन करते हैं जो लिंगवाद और महिला हिंसा को मंजूरी देते हैं. भारत विश्व के सबसे बड़े इंटरनेट-सक्षम देशों में से एक है, जहां सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की अनुमानित संख्या 2025 तक 90 करोड़ हो जाएगी. वर्तमान में 5.19 करोड़ भारतीय सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं. वैश्विक स्तर पर फेसबुक के सर्वाधिक 2.80 करोड़ उपयोगकर्ता भी इसी देश में हैं. यहां मैनोस्फीयर समूहों के ज़रिये "फेमिनाज़ी" और "पुरुष महिलाओं से बेहतर क्यों हैं" जैसे विषयों में लोगों की रुचि बढ़ी है. उनकी सामग्री लोगों को आकर्षित करने के लिए स्थानीय भाषाओं में अपशब्दों, "नकली नारीवादियों", वायरल सेलिब्रिटी नामों और हैशटैगों का उपयोग करती है. भारत के मैनोस्फीयर में आधे से अधिक पोस्टों का दावा है कि पुरुष लैंगिक समानता का शिकार हो गए हैं. इनमें से कुछ समूह हमारे पुरुष प्रधान समाज में प्रचलित धार्मिक मान्यताओं के चलते एक "अच्छी महिला" के उन कथित गुणों का प्रचार करते हैं जो लिंग-असमानता को बढ़ावा देते हैं. 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' के एक फेसबुक पेज का उद्देश्य लिंग-अनुकूल कानूनों से लड़ना है.

महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण में 73% महिला पत्रकारों ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन हिंसा को झेला है और 20% ने कहा कि इस ऑनलाइन हिंसा के परिणाम स्वरूप उन्हें वास्तविक हमले का भी सामना करना पड़ा था.

मीडिया में अन्यत्र

अनुच्छेद 370 हटने के बाद

केंद्र सरकार द्वारा तत्कालीन जम्मू कश्मीर प्रांत का विशेष संवैधानिक दर्जा समाप्त किए जाने के चार वर्ष बाद सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस कदम की संवैधानिकता पर मुहर लगा दी है. देश के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस विषय पर विभिन्न याचियों द्वारा उठाए गए तमाम प्रश्नों का जवाब दिया है, जो केंद्र सरकार के निर्णय के हक में है. यहां तक कि उठाए गए कुछ खास बिंदुओं को लेकर भी केंद्र सरकार अदालत के निर्णय से खुश होगी. न्यायाधीशों ने कहा कि पहली बात तो जम्मू कश्मीर का अलग संविधान होने का राज्य को भारत के भीतर विशेष दर्जा मिलने में कोई योगदान नहीं है. दूसरा, अनुच्छेद 370 हमेशा से अस्थायी प्रावधान था, भले ही उसका उल्लेख संविधान में है. आखिर में, अगस्त 2019 की राष्ट्रपति की उद्घोषणाएं कानून और प्रक्रियागत दृष्टि से उचित थीं. न्यायमूर्ति कौल के एक अलग लेकिन सहमति वाले निर्णय में सर्वोच्च न्यायालय ने सुझाया कि जम्मू कश्मीर में एक सत्य एवं सुलह आयोग होना चाहिए. यह दर्शाता है कि न्यायपालिका वहां की राजनीतिक हकीकतों और मानवाधिकार संबंधी चिंताओं को लेकर लेकिन कितनी संवेदनशील है. भविष्य में भी कश्मीर का प्रश्न हमेशा की तरह एक गहन राजनीतिक सवाल बना रहेगा, जिसका उत्तर भी प्रक्रियागत नहीं, राजनीतिक ही होगा. यह तीसरा बिंदु और राष्ट्रपति की उद्घोषणाओं से उत्पन्न संबंधित प्रश्न देश के कई अन्य राज्यों में चिंता पैदा करेंगे. संक्षेप में पहले भारत सरकार ने जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लागू किया फिर संकेत दिया कि राज्य का राज्यपाल या भारत का राष्ट्रपति राज्य विधानसभा से संबंधित सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा. इस तरह उसने संकेत दिया कि जम्मू कश्मीर की 'संविधान सभा' की सहमति राष्ट्रपति की सहमति के परिणामस्वरूप हासिल की गई थी. सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह 'शक्ति का अनावश्यक प्रयोग' था. यह बात भी ध्यान देने लायक है कि राष्ट्रपति की उद्घोषणाओं के बाद प्रदेश को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया गया और न्यायालय ने भी इसका अनुमोदन किया है.

(बिजनेस सटैंर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

समान/सम्मान

संसार में जितने भी व्यक्ति हैं, सबको एक समान सम्मान मिलना चाहिए. इस वाक्य में दो शब्द थोड़े से अंतर के साथ दिखायी पड़ रहे हैं-समान और सम्मान. गौर करेंगे तो पायेंगे कि ये दोनों शब्द भौतिक तौर पर भिन्न हैं और अर्थ के तौर पर भी. उर्दू-हिंदी शब्दकोश रेख्ता के अनुसार संस्कृत मूल के शब्द समान का अर्थ है-गुण, मूल्य, महत्व आदि के विचार से किसी के अनुरूप या बराबरी का, बराबर, तुल्य (ईक्वल), आकार, प्रकार रूप आदि के विचार से किसी की तरह का, सदृश (सिमिलर), समतल, समभार, समशक्तिशाली, एक जैसा, समान मात्रा का, उम्र या पद आदि में बराबर, महत्व में किसी के अनुरूप. सुनने में समान की तरह लगनेवाला शब्द सामान है. प्रायः समान और सामान शब्दों के प्रयोग में गलतियां होती रहती हैं. यदि थोड़ी-सी सावधानी बरती जाए तो उन गलतियों से बचा जा सकता है. फारसी भाषा से आये संज्ञा पुल्लिंग शब्द सामान का अर्थ भार्गव हिंदी शब्द कोश के अनुसार उपकरण, सामग्री, साधन रूप वस्तुएं. रेख्ता शब्दकोश के अनुसार सामान किसी कार्य के लिए साधन स्वरूप आवश्यक और उपयुक्त वस्तुएं, उपकरण, सामग्री. जैसे-लड़ाई का सामान, सफर का सामान, घर-गहस्थी की उपयोगिता की चीजें। असबाब। जैसे-चोर घर का सारा सामान उठा ले गये, माल, आवश्यक वस्तुएं , उपकरण, अस्त्र शस्त्र. अब शब्द सम्मान पर भी विचार कर लेते हैं. इसका अर्थ विभिन्न शब्द कोशों के अनुसार किसी व्यक्ति के प्रति होने वाला आदरपूर्ण भाव, आदर, गौरव, इज़्ज़त, प्रतिष्ठा, मान, रुतबा होता है. इससे मिलता-जुलता एक और शब्द है सामान्य. इस शब्द का अर्थ भार्गव हिंदी शब्दकोश के अनुसार है समानता, सादृश्य, साधारण कार्य. वह गुण जो सामान्यतः किसी जाति के सभी व्यक्तियों, वस्तुओं में पाया जाता है. विशेषण के रूप में इस शब्द का अर्थ है जिसमें कोई विशेषता न हो, साधारण, तुच्छ, मामूली, समान, समग्र. काव्य शास्त्र के अनुसार सामान्य वह काव्यालंकार है, जिसमें अनेक वस्तुओं का समान धर्म वर्णन किया जाता है.

रिश्वत का ही बड़ा रूप होता घोटाला!

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

मेज के नीचे से रिश्वत लेना एक मुहावरा है, जबकि सभी जानते हैं कि बड़े अधिकारियों की मेज इतनी चौड़ी लंबी होती है कि उसके नीचे से दोनों के हाथ एक दूसरे से नहीं मिल सकते. रिश्वत लेने के मामले में कई लोग बहुत खुले हुए होते हैं. अर्थात उनके किस काम का कितना रेट है, यह सबको पता होता है. आदमी जाता है और दफ्तर में उनके हाथ में नोट गिन कर दे देता है. वे भी खुलेआम ले लेते हैं. इस तरह खुला खेल चलता रहता है. न लेने वाले को दिक्कत, न देने वाले को दिक्कत. जितने रुपए इकट्ठे हुए, शाम को घर ले गए. जिस आदमी को जो काम कराना था, वह कागज पास करा कर अपने घर ले गया. दोनों खुश. रिश्वत का ही एक आधुनिक नाम निकला है, घोटाला. घोटाला भी एक प्रकार से रिश्वत ही है, लेकिन यह बहुत बड़े तामझाम के साथ किया जाता है. घोटाला बड़े लोग करते हैं. घोटाले दो-चार लाख के नहीं होते. दो-चार करोड़ के घोटाले भी प्रतिष्ठित घोटाले नहीं कहलाते हैं. जब तक सौ, दो सौ, चार सौ करोड़ का घोटाला न हो, उसका नाम घोटालों की टाप टेन लिस्ट में शामिल नहीं होता. आजकल घोटाले हजारों करोड़ से लेकर एक-एक लाख करोड़ तक के होने लगे हैं. यह इतनी बड़ी धनराशि होती है कि किसी की समझ में भी आसानी से नहीं आएगा कि एक लाख करोड़ रुपए किसको कहते हैं. इतने बड़े-बड़े घोटाले कोई मामूली आदमी नहीं कर सकता. इसके लिए बहुत बड़ा दिमाग चाहिए, हुनर चाहिए. अकलमंद, दृढ़ प्रतिज्ञ, दूरदर्शिता से संपन्न , फौलादी इरादों वाला व्यक्ति ही बड़े-बड़े घोटाले कर सकता है. हमारे देश में नेता लोग घोटाले करते हैं. उद्योगपति हजारों करोड़ के घोटाले करते हैं. कुछ लोग घोटाले करके विदेश भाग जाते हैं. कुछ लोग देश में ही डटे रहते हैं और एक घोटाले के बाद दूसरा घोटाला करते रहते हैं. कुछ लोग जेल चले जाते हैं. कुछ लोग जमानत पर छूट जाते हैं. कुछ लोग कानून की गिरफ्त से बाहर रहते हैं. वे भले लोग कहलाते हैं, जब तक कि उन पर कानून का शिकंजा नहीं कसता. अव्यावहारिक कानूनों के कारण रिश्वत बढ़ती है. जब नियमानुसार कोई काम नहीं हो पाता, तब व्यक्ति नियम से हटकर अपनी फाइल पास कराता है और तब रिश्वत का नाम सुविधा शुल्क हो जाता है. अर्थात ऐसा शुल्क, जो आपके कार्य को सुविधाजनक रीति से पूरा कर देता है. ज्यादातर सरकारी कार्यालयों में बिना सुविधा शुल्क के कोई काम नहीं होता. सुविधाजनक नीति से सारे काम हो जाएं, इसी के लिए सुविधा शुल्क बना है.

Her Story

कलेंडर के पलटते पन्नों के साथ मौसम भी करवट बदलता जाता है. एक बार फिर ठंड अपने पूरे शबाब पर है. ठंड के मौसम में ऊन-कांटे का इस्तेमाल भले हम महिलाओं ने अब कम कर दिया है, पर यादों के ऊन के गोले गाहे-बगाहे खुल ही जाते हैं और बुनती चली जाती हैं अनगिनत भूली बिसरी कहानियां. वे धूप-बोरसी के दिन, वे गांती में बंधी दादी की फिक्र, मां-मौसी-बुआ के बनाए स्वेटर का प्यार, गलियों में पसरी भूने तिल और पिघले गुड़ की खुशबू...गुलजार की पंक्तियां बरबस याद आती हैं- एक पुराना मौसम लौटा, याद भरी पुरवाई भी....

एक पुराना मौसम लौटा

याद भरी पुरवाई भी ...

रजाई में साथ सोना और बतकही

कहां है सर्दी...अब पंद्रह दिनों की ठंड पड़ती है, वो भी सुबह – शाम. ठंड तो हमारे बचपन के दिनों में पड़ती थी, जब सूरज ढलने के बाद जैसे पूरे गांव में कर्फ्यू सा लग जाता था. लोग नाक- मुंह तक चादर से ढक लेते थे. जिनके पास गर्म चादर की सुविधा नहीं होती, वह लेदरा (कपड़े जोड़कर, धागे से सीकर बनाई हुई गुदड़ी) ही लपेटकर चलते थे. शाम के चार बजते ही जगह - जगह अलाव जल जाता और सड़क, बाजार की सारी भीड़ धीरे - धीरे वहीं आकर जमा हो जाती.

रश्मि शर्मा

मुझे याद है, सर्दियां शुरू होने के पहले ही धुनिया गांव की गलियों में धनुही की डोरी टनकाता हुआ घूमता और कई घरों से पुरानी रजाई बाहर निकल जाते. तब हमारे घर में रुई की रजाई ओढ़ी जाती थी, क्योंकि कंबल के नाम पर वह खरखरी सी काली कंबल ही मिलती थी, जो बदन में चुभती थी. पापा रुई धुनवाकर उस पर नया कवर लगवाते, ताकि सर्दियां चैन से गुजर जाए.

शाम होते ही आंगन के पास वाले खपरैल कमरे में बोरसी सुलगा ली जाती और हम बच्चे दादा - दादी के साथ हाथ - पैर सेंकते हुए किस्से सुना करते और साथ - साथ मटर और छोटे आलू पकाकर खाते. उनका स्वाद अब तक जिह्वा में बसा है...अतुलनीय.

उन दिनों आठ बजे तक सब रात का भोजन कर लेते और रजाई में जा दुबकते. अलग - अलग नहीं, एक ही रजाई में दादा - दादी के साथ सभी भाई - बहन घुस जाते. तब हमारी बदमाशी शुरू होती. जिसके पैर ठंडे होते, वह दूसरे से सटा देता. फिर तो लड़ाई शुरू. गप्प और कहानियों का दौर चलता फिर नींद आने पर जिसको जहां जगह मिले, लुढ़क जाता.

उन दिनों कुहासे भरी सुबह होती थी. बाहर दूब के ऊपर ओस की सफेद परत बिछी रहती. हमारे घर के बाहर पुआल का मचान बना रहता. उसमें जमी बर्फ से हम अनुमान लगाते कि रात कितनी सर्द रही होगी.

तब हम एक तुकबंदी दुहराया करते थे -

जाड़ा लगे पारा लगे, ओढ़ गुदड़ी
बुढ़िया के दामाद आलौ मार मुंगडी

अब तो तमाम सुविधाएं हैं, और वैसी सर्दी भी नहीं कि उसे जिया जाए.

अपनेपन की आग सुलगती रहती थी

हमने कई मौसम बदलते देखे और ये भी है कि मौसमों को भी चेहरे बदलते देखा. बचपन और किशोरावस्था का वो दौर जब बोरसी में आग तापते थे. प्रकृति की ठंडक से जूझने के लिए भी अग्नि देवता यानि प्रकृति के साथ ही जीते थे. बोरसी की आग चौबीसों घंटे सुलगती रहती थी और उसके चारों ओर बैठकर अपनेपन में लिपटी बातें और लिट्टी और चोखा का स्वाद.... ठंड का वो आनंद अद्भुत था. रंग बिरंगे ऊन की खरीदारी, स्वेटर बुनते हुए सीधे उल्टे फंदे, नए नए डिजाइन सीखना -सिखाना. आंगन और छत पर बतियाती - खिलखिलाती धूप सेंकती बहू- बेटियों से ठंड का मौसम गुलज़ार हो जाया करता था. तिल और चूरा के बने व्यंजनों की महक से हर रसोई समृद्ध हो जाती थी.

डॉक्टर कल्याणी कबीर

पर अब तो हर मौसम या तो कमरे में बंद है या हमारी जेब में. रूम हीटर, लिहाफ, रजाई में दुबककर हम इस मौसम को बिना महसूसे गुजर जाने देते हैं. तिल-तिलकुट, स्वेटर-मफलर सब दुकान में उपलब्ध है. धूप में नहाना भूल गए हैं हम सब या गोरी चमड़ी की फिक्र इतनी कि निकलते ही नहीं. मौसम बाहर से ही गुजर जाता है और हम अपने मन का दरवाजा बंद किये रहते हैं.

वो पिन्नियां, काढ़े और नसीहतें

मौसम के बदलते स्वरूप ने ठंड को भी प्रभावित किया है. अब पहले जैसी ठंड नहीं पड़ती तो गुजरा जमाना याद आ जाता है जब खुले आंगन में सारा दिन धूप में खाट बिछी रहती थी और परिचितों का आना जाना भी लगा रहता था. मां का सब्जी काटना, साग साफ करना, मटर छीलना सब वहीं होता था. हरेक ठंड में मां पिन्नियां (पंजीरी) बनाती थी और हम भाई बहन को अलग-अलग डिब्बे में डाल कर दे देती थी कि जब मर्जी खाओ पर झगड़ना नहीं. फिर भी हम एक दूसरे की चुगने की ताक में रहते थे. शाम होते ही लकड़ी या कोयले के चूल्हे के चारों ओर जमा हो जाते थे. गर्म मकई की रोटी और सरसों का साग प्रिय भोजन था. कंबल के रिवाज नहीं थे. रुई के गद्दे और रजाई में भी काफी देर के बाद शरीर गर्म हो पाता था. सर्दी जुकाम होने पर तेल की मालिश और मां का बनाया काढ़ा ही असली दवाई थी. नहीं पीने पर कुछ लालच देकर मां पिला ही देती थी.

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

आजकल प्रकृति के दोहन और जनसंख्या वृद्धि के साथ ही ठंड का प्रभाव घट गया है. अपार्टमेंट में रहने के चलन ने धूप, हवा आदि छीन ली है.

तरस जाते हैं लोग धूप सेंकने के लिए. बिना आंगन के अलाव और चूल्हे कहां. रजाई कोई लेना नहीं चाहता. फैंसी कंबल और जयपुरी रजाइयां फैशन का सिंबल हैं. यांत्रिक उपकरणों और साधनों से हर मौसम को जीतने की कोशिशें बनी रहती हैं. घर में बनी पंजीरी के लिए नाक भौं सिकोड़ते बच्चे झट मोबाइल से मनपसंद आर्डर करना शान समझते हैं. बहुत याद आते हैं गुजरे जमाने.

जो बात पहले थी अभी वो बात कहां,
वो आंगन, धूप, मस्ती मुलाकात कहां.

लिट्टी-मटन और आंगन का वह उत्सवी माहौल

डॉ संगीता नाथ

उन दिनों पापा पूर्णिया में पोस्टेड थे और वहां बड़ा सा क्वार्टर मिला था. ठंड के मौसम में अक्सर आंगन में उत्सवी माहौल सा बन जाता. आग जला कर चारो ओर बैठ जाते हम बच्चे. पापा अक्सर लिट्टी-मटन का आयोजन करते और अक्सर खुद ही पूरी तैयारी करते. आग में सीधे डाल कर लिट्टी बनती और साथ ही बगल में चूल्हे पर मटन. लिट्टी जब आग से निकलती तो राख से भरी होती, पर हम बच्चों में धैर्य कहां. हमारी मांग के बीच बड़े उस राख को झाड़ते और हमारी प्लेट में डालते जाते.

शीतलहरी का वह स्नान

तब मेरी नयी-नयी शादी हुई थी. मेरी ससुराल में मेरी दादी सास बहुओं की नकेल कुछ ज्यादा ही कस कर रखा करती थीं. उनके लिए उनका फरमान होता था कि टायलेट से आने के बाद बिना स्नान किए नहीं रहना है. यह जानकर मेरे मुंह से निकल गया कि जिसका पेट खराब होगा, उसके लिए भी? उन्होंने मुझे घुड़कते हुए कहा, "और नहीं तो क्या? यह नियम सभी औरतों के लिए है. नहाने से इतना ही डर है तो कम खाया करो!"

गीता चौबे गूंज

उस दिन पहली जनवरी थी. कड़ाके की सर्दी पड़ रही थी. अब तो वैसी सर्दी देखने को ही नहीं मिलती. शीतलहरी ने सबको परेशान कर रखा था. नया साल मनाने के लिए खूब सारे पकवान और लजीज व्यंजन बने थे. दादी सास खाने की खूब शौकीन. खूब छककर खा लिया. दोपहर में उन्हें हाजत महसूस हुई. टॉयलेट से आने के बाद आदत के अनुसार स्नान किया. इस चक्कर में उन्हें ठंड लग गयी. अब बार-बार टॉयलेट जातीं और दो मग पानी डालतीं फिर रजाई में घुसतीं. अपने नियमों में उलझीं प्रतिष्ठा में प्राण गँवाने की नौबत आ गयी थी. हम सभी ने कितना कहा कि आप स्नान करना छोड़ दें. इस कड़कती सर्दी में बार-बार नहाने से तबीयत और भी बिगड़ जाएगी. किंतु वे बार-बार यही कहतीं, -"मैं अगर नियम तोड़ दूँगी तो तुम सबको खुली छूट मिल जाएगी और बात-बात पर नियम तोड़ने लगोगी. ऐसा मैं हर्गिज नहीं होने दे सकती." बात मेरे पतिदेव के कानों तक पहुँची. उनका कहा वे कभी नहीं टालती थीं. उन्होंने आकर समझाया कि बच्चे, बूढ़े और मरीज इन तीनों पर कोई नियम लागू नहीं होता. इस समय आप तीनों ही हैं. बूढ़ी तो हैं ही, पेट खराब होने से मरीज भी हैं और बच्चों जैसी जिद करके बच्ची भी बन गयी हैं. अब आपकी कोई बात नहीं सुनी जाएगी."

पतिदेव की बात उन्हें माननी पड़ी, पर उसके बाद यह नियम सचमुच टूट गया. जब भी शीत का मौसम आता है, वो शीतलहरी और दादी सास का हाल-बेहाल होना बरबस ही याद आ जाता था.

घर में ही बनाइए गर्मागर्म सूप

रानी प्रसाद

मौसम का लुत्फ उठाने एक बेहतर तरीका है इसके अनुकूल स्वाद का आनंद उठाना. हालांकि रेडी टू इट के पैकेट रखने और जोमैटो-स्वीगी से ऑर्डर्डर का जमाना है, लेकिन घर में बने सूप से इनका कोई मुकाबला ही नहीं. ताजी सब्जियों से बनाएं इन सूप-शोरबा में स्वाद और पौष्टिकता ही नहीं, बल्कि ठंड से मुकाबले का माद्दा भी है. कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद साझा कर रही हैं कुछ ऐसी ही रेसिपी. साथ ही वेजिटेबल स्टॉक बनाने का तरीका भी जिससे ये सूप आसानी से तैयार हो जाए.

वेजिटेबल स्टॉक कैसे तैयार करें ?

आमतौर पर हम जो सब्जियां इस्तेमाल करते हैं उनकी डंडियों को बेकार समझ कर फेंक देते हैं, लेकिन इन्हीं सब के प्रयोग से हम वेजिटेबल स्टॉक तैयार कर सकते हैं. वेजिटेबल स्टॉक तैयार करने में जो सब्जियां लगतीं हैं उसमें ज्यादातर फूलगोभी की डंडी, पत्ता गोभी के अंदर का हिस्सा और ऊपर के पत्ते, धनिया की मोटी मोटी डंडिया, गाजर के अंदर का हिस्सा, पीले कद्दू का मोटा छिलका. इन सभी को हम आमतौर से फेंक देते हैं लेकिन इन्हीं से हम स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक स्टॉक तैयार कर सकते हैं. उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट ले और इन्हें नाप ले कि यह कितनी हैं. जैसे, अगर यह एक कप है तो इससे चार गुना पानी ज्यादा डालकर भागोने में इन्हें उबलने के लिए चढ़ा दें. ध्यान रहे आंच तेज नहीं रहनी चाहिए. मध्यम आंच पर इन्हें तब तक पकाएं जब तक यह पानी जलकर आधा न हो जाए उसके बाद जब यह ठंडा हो जाए तो इसे छन्नी से छान ले आपका वेजिटेबल स्टॉक तैयार है. इससे हम स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक सूप तैयार कर सकते हैं.

टमाटर का शोरबा

ये चाहिए

- कटे हुए लाल टमाटर पांच कप
- कटे हुए लाल गाजर एक कप
- कटे हुएबीट आधा कप
- लहसुन की कलियां 6 7
- प्याज छोटा सा
- एक तेज पत्ता
- लॉन्ग चार पांच
- टोमेटो सॉस दो चम्मच
- चीनी एक चम्मच
- नमक स्वाद अनुसार
- काली मिर्च का पाउडर एक चम्मच
- बटर चार चम्मच

ऐसे बनाए

एक कुकर में दो चम्मच बटर डालकर उसमें तेज पत्ता लॉन्ग लहसुन और प्याज डाल कर हल्का से भून लें. उसके बाद टमाटर गाजर और बीट सब एक साथ डालकर 10 कप पानी डालकर चार सीटी आने तक पका ले. जब यह ठंडा हो जाए तो इस मिक्सचर को मिक्सर के जार में पीस ले .तत्पश्चात इसे एक छन्नी से छान दें. अब एक कड़ाही में दो चम्मच बटर डालें और इस शोरबा को छोक दे. जब इसमें उबाल आ जाए तब इसमें नमक चीनी और टमाटर का सॉस मिला दे. ऊपर से काली मिर्च का पाउडर छिड़क दें टमाटर का स्वादिष्ट शोरबा तैयार है. ऊपर से इसे क्रीम से डेकोरेट कर दे.

नोट : अगर ज्यादा गाढ़ा शोरबा पसंद हो तो इसे कॉर्नफ्लोर से गाढ़ा किया जा सकता है.

मिक्स वेजिटेबल सूप

ये चाहिए

- कटे हुए बीस चार चम्मच
- कटे हुए गाजर चार चम्मच
- कटे हुए पत्ता गोभी चार चम्मच
- कटी हुई ब्रोकली चार चम्मच
- कटी हुई शिमला मिर्च चार चम्मच
- कटे हुए प्याज चार चम्मच
- स्वीटकॉर्न चार चम्मच
- कटी हुई लहसुन की कलियां दो चम्मच
- कटे हुए अदरक के टुकड़े दो चम्मच
- नमक स्वाद अनुसार
- पिसी हुई काली मिर्च एक चम्मच
- हरी धनिया के पत्ते दो चम्मच
- टमाटर सॉस दो चम्मच
- नींबू का रस दो चम्मच
- कॉर्नफ्लोर दो चम्मच
- बटर चार चम्मच

ऐसे बनाए

सभी सब्जियों को महीन महीन टुकड़ों में काट लें और एक पेन में दो चम्मच बटर डालकर भून ले. इन सभी सब्जियों को पांच मिनट ही भूनना है. उसके पश्चात इसमें 1 लीटर वेजिटेबल स्टॉक डालकर 5 से 7 मिनट पकाना है. जब यह सब्जियां पक जाए तब इसमें दो चम्मच कॉर्नफ्लोर पानी में घोलकर मिला दे तत्पश्चात नमक काली मिर्च का पाउडर टमाटर सॉसऔर बटर मिला दे. अब इसे गरमा गरम सर्व करें. ऊपर से इसमे हरे प्याज के पत्ते भी डाले जा सकतें हैं. इस सूप को अगर चटपटा खाना हो तो इसमें चिल्ली सौस भी डाला जा सकता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

सीएम आज करेंगे कई योजनाओं का शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज शिवहर जिले में कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे. मुख्यमंत्री के शिवहर दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गयी है. मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार के प्रयास से बरसों से उपेक्षित जिले के एकमात्र ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल देकुली धाम के जीर्णोद्धार का मार्ग प्रशस्त हुआ है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देकुली धाम में बाबा भुवनेश्वर नाथ महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे. दीपक कुमार के इस प्रयास की सराहना जिले में होने लगी है.

घर आए एसएसबी जवान की मौत

बेगूसराय। बेगूसराय में मंगलवार को एसएसबी के एक जवान की अचानक मौत हो गई. मृतक बीहट नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-17 गढ़हारा निवासी स्वर्गीय सुरेश चौधरी के पुत्र लक्ष्मण कुमार उर्फ बौआ है. शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, उसके बाद मृत्यु के खुलासा होगा. घटना के संबंध में मृतक के ससुर निपनिया निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि लक्ष्मण कुमार एसएसबी में हेड कांस्टेबल के पद पर उत्तराखंड में तैनात था. दस दिसंबर को वह छुट्टी में अपने घर आया था. रात में पत्नी रश्मि रानी सहित अपने तीनों बच्चों के साथ घर में ही था.

केंद्रीय मंत्री के ड्राइवर की सरेआम हुई पिटाई

वैशाली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की गाड़ी चलाने वाले चालक की पिटाई का मामला सामने आया है. घायल चालक का इलाज हाजीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है. चालक चंदन कुमार सहदुल्लापुर का रहने वाला है, जो पिछले 10 वर्षों से केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और विधायक अवधेश सिंह की गाड़ियां चला रहा है. मंत्री के चालक की मानें तो घटना तब घटी जब चंदन कुमार अपने घर से हाजीपुर की ओर आ रहा था, रास्ते में जादुआ के पास सड़क जाम था, वहीं एक दारोगा जी अपनी गाड़ी में थे. चंदन कुमार का बुलेट दारोगा जी की गाड़ी में सट गया था, जिससे विवाद उत्पन्न हुआ.

उद्योग-धंधे का विकास सब की जिम्मेवारी : राज्यपाल

- उत्तम माहौल से होता है विकास: अश्विनी चौबे

संवाददाता । पटना

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंगलवार को लघु उद्योग भारती की बिहार प्रदेश इकाई द्वारा ज्ञान भवन, पटना में आयोजित लघु उद्योग मेला-2023 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में औद्योगिक विकास के लिए सरकार, विपक्ष एवं अन्य लोगों को एक साथ मिलकर विचार करना चाहिए, निवेश के लिए उपयुक्त वातावरण का निर्माण किया जाना चाहिए तथा निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम के तहत सारी सुविधाएं मिलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि बिहार के लोग प्रतिभावान और परिश्रमी हैं तथा उनकी क्षमता का उपयोग इस राज्य के विकास में होना चाहिए. बिहार के अनेक बड़े उद्यमी राज्य से बाहर निवेश कर रहे हैं. अनुकूल वातावरण मिलने पर वे इस राज्य में भी अपना उद्योग लगा सकते हैं. केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि माहौल उत्तम हो तो उद्योग-व्यापार के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है.

कार्यक्रम को उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ एवं एमएसएमई के निदेशक प्रदीप कुमार ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष श्याम सुन्दर भीमसेरिया, प्रदेश महामंत्री सुमन शेखर एवं लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य काशीनाथ सिंह, उद्यमीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

आओ जानें

बिहार में 2019-20 में उच्च शिक्षण संस्थान की स्थिति

विश्वविद्यालयों की संख्या	35
अंगीभूत महाविद्यालयों की संख्या	277
स्वायत शोध संस्थानों की संख्या	15
मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों की संख्या	588
भाषा अकादमिकों की संख्या	7
कृषि,वन पशु एवं मत्स्य महाविद्यालयों की संख्या	13
अभियंत्रण महाविद्यालयों की संख्या	34
पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की संख्या	61
विधि महाविद्यालयों की संख्या	17
चिकित्सा महाविद्यलय की संख्या	14
दंत चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या	3
सरकारी बीएड महाविद्यालयों की संख्या	60

जमुई में प्यार का दर्दनाक अंत, सोमवार से लापता थे दोनों

घर से भागे प्रेमी युगल ने ट्रेन के आगे कूदकर दे दी जान

संवाददाता। जमुई

जमुई में मंगलवार सुबह प्रेमी जोड़े की लाश मिली है. दोनों एक दिन पहले यानी सोमवार को अपने घर से गायब हुए थे. सुबह रेलवे ट्रैक पर लाशें मिली तो इलाके में हड़कंप मच गया. लोगों का कहना है कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है. घटना झाझा-जसीडीह रेलखंड के अप लाइन सतीघाट दुधीजोर के पास अप लाईन की है. मॉर्निंक वॉक पर निकले लोगों ने युवक और युवती की लाश देखी तो दंग रह गए. इधर, घटना की जानकारी सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रेमी जोड़े का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई भेज दिया. हत्या और आत्महत्या दोनों ही एंगल से पुलिस जांच कर रही है. हालांकि, जिस तरह से दोनों लाशें रेलवे ट्रैक पर रखी हुए थी, उससे ऐसा प्रतीत होता है कि किसी ने साजिशन ऐसा किया हो. युवती का एक पैर पूरी तरह से कटकर अलग हो गया था. बाकी युवक का लाश क्षत-विक्षत नहीं हुए. कुछ लोगों का कहना है कि किसी ने दोनों की हत्या कर लाशों को रेलवे ट्रैक पर रख दिया ताकि मामला आत्महत्या का बन जाए.

सोमवार से ही घर से लापता थे दोनों

वहीं, पुलिस ने मृतक युवक की पहचान लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के चिन्वेरिया गांव निवासी मोहन दास के 23 वर्षीय पुत्र प्रमोद कुमार और मृतक युवती की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के गुगुलडीह गांव निवासी गुल्ली रविदास की 20 वर्षीय पुत्री बनिता कुमारी के रूप में की. ग्रामीणों का कहना है कि बताया जाता है कि युवक और युवती के बीच प्रेम प्रसंग था. दोनों सोमवार दोपहर से ही अपने घर से लापता थे. पुलिस का कहना है कि मामले में कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है.

शादीशुदा प्रेमिका से मिलने गए प्रेमी पर हुआ एसिड अटैक

हाजीपुर। शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे एक प्रेमी पर एसिड अटैक हो गया. घटना सोमवार (11 दिसंबर) रात की है. प्रेमी युवक से मिलने के लिए उसकी प्रेमिका ने फोन कर उसे बुलाया था. युवक मिलने के लिए पहुंचा तो बेवफा प्रेमी के साथ पहुंचे एक शख्स ने उस पर एसिड फेंक दिया. युवक की हालत गंभीर है. इलाज के लिए उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित प्रेमिका को छह घंटे में ही गिरफ्तार कर लिया है. यह पूरा मामला हाजीपुर के पातेपुर थाना क्षेत्र का है. बताया जाता है कि रात के करीब दो बजे गांव की ही रहने वाली सरिता नाम की शादीशुदा महिला ने अपने प्रेमी धर्मेंद्र कुमार को फोन कर मिलने के लिए गांव के मजार के पास बुलाया था. यहीं बातचीत के दौरान प्रेमिका का एक साथी ने धर्मेंद्र पर तेजाब फेंक दिया. चेहरे के साथ शरीर के कुछ हिस्से जल गए हैं.

उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है. उधर, गांव की रहने वाली सरिता के बारे में चौंकाने वाली बात सामने आई है. बताया जा रहा है कि सरिता की तीन शादी पहले से हुई है. तीनों बार सरिता को एक-एक लड़का हुआ. हालांकि तीनों पति से सरिता का रिश्ता टूट गया. इसके बाद वह धर्मेंद्र के संपर्क में आई.

पिंडदान करने गया पहुंचा जेटली परिवार

- पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली का परिवार के सदस्य आए हैं गया

संवाददाता। गया

गया में देश के पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली का परिवार आया है. गया में अरुण जेटली के पुत्र रोहण जेटली अपने पिता और समस्त पितरों का पिंडदान कर रहे हैं. उनके साथ उनकी मां संगीता जेटली भी आई हैं. पिंडदान का कर्मकांड का पहला दिन मंगलवार को फल्गु से शुरू किया गया है. बता दें कि संगीता जेटली और रोहण जेटली परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सोमवार को ही गया जी पहुंचे थे.

जिसके बाद मंगलवार से पिंडदान का कर्मकांड शुरू किया है. गया जी में 5 दिन का पिंडदान का कर्मकांड होगा. इस संबंध में पिंडदान का कर्मकांड करने वाले गयापाल पंडा अमरनाथ मेहरवार ने बताया कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के पुत्र द्वारा अपने पिता और समस्त पितरों का पिंडदान किया जा रहा है. यह पिंडदान का कर्मकांड 5 दिनों तक चलेगा.

अपराधियों ने युवक को मारी गोली, मौत

मोतिहारी। मोतिहारी में गैंगवार में एक बार फिर ताबड़तोड़ गोलियां चली है. यहां पताही थाना क्षेत्र स्थित गोनाही गांव में हुई गोलीबारी में एक युवक की मौत हो गयी. युवक की पहचान अविनाश सिंह उर्फ ननकू सिंह के रूप में हुई है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से 12 खोखा बरामद किया. इसमें से तीन खोखा 9 एमएम पिस्टल का बताया जा रहा है. पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है. एसपी कामटेश कुमार मिश्रा ने कहा कि गंगवार में युवक की हत्या की गयी है. बताया कि डीएसपी सुबोध कुमार राय के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया है.

बेटे की चाहत में 5 बच्चियों की बनी मां

अब भरण-पोषण करना मुश्किल

संवाददाता। जमुई

आधुनिकता के इस युग में बेटियां किसी भी चीज में बेटों से पीछे नहीं हैं. लेकिन फिर भी हर मां-बाप को बेटे की चाहत होती है, जो उनके वंश को आगे बढ़ाये. लेकिन बेटे की ललक कभी-कभी उनको परेशानी में डाल देती है. ऐसा ही मामला जमुई के खैरा प्रखंड के मांगोबंदर गांव से सामने आया है. जहां 27 वर्षीय बिंदू देवी को पहले से दो बेटियां थी. लेकिन बेटे की चाहत में उसको एक साथ तीन बेटियां हो गयी. जिसके बाद वो पांच बेटियों की मां बन चुकी है. जच्चा-बच्चा सभी स्वस्थ हैं. लेकिन परिवार में तीन बच्चों के जन्म से खुशी की बजाय मायूसी और चिंता है.

दरअसल, बिंदू देवी के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. उसका पति मजदूरी करके किसी तरह दो बेटियों का पालन-पोषण करता था. लेकिन तीन बच्चियों के जन्म के बाद उसकी चिंता और बढ़ गयी है. उसे चिंता सता रही है कि मजदूरी कर वो कैसे पांच बच्चियों का भरण-पोषण करेगी. उनको कैसे पढ़ायेगी-लिखायेगी. बिंदू का कहना है कि उसको राशन भी नहीं मिलता है और ना ही कोई अन्य सरकारी सुविधाएं मिलती हैं. बता दें कि सरकार हम दो हमारे दो की मुहिम चलाकर समय-समय पर लोगों को जागरूक करती है. लेकिन लोगों में आज भी जागरूकता का अभाव है.

कारोबार

सन फार्मा ने कीमत में किया गया बदलाव

नयी दिल्ली। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने इजराइल स्थित टैरो फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज का पूर्ण अधिग्रहण करने के लिए प्रस्तावित कीमत में बदलाव करते हुए उसे बढ़ाकर 43 अमेरिकी डॉलर प्रति शेयर नकद कर दिया है. कंपनी ने इस साल मई में 38 अमेरिकी डॉलर प्रति शेयर के खरीद मूल्य पर टैरो के सभी बकाया शेयर हासिल करने का प्रस्ताव रखा था. इसके बाद, कंपनी ने टैरो के निदेशक मंडल की एक विशेष समिति के साथ इस मूल्य को लेकर कई दौर की वार्ता की.

थर्मैक्स को संयंत्र लगाने करने का मिला ठेका

नयी दिल्ली। थर्मैक्स की इकाई को देश भर में पांच जैव-सीएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए एक प्रमुख ऊर्जा समूह से 500 करोड़ रुपये से अधिक का ठेका मिला है. कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, ये संयंत्र राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में स्थापित किए जाएंगे. यह घोषणा पुणे में मंगलवार से शुरू हुए चार दिवसीय 'थर्मैक्स फेस्ट' में की गई. बयान में कहा गया, कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी को एक अग्रणी ऊर्जा समूह से 500 करोड़ से अधिक का ठेका मिला है. ऊर्जा समूह से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की गई.

राकेश को मुख्य वित्त अधिकारी किया नियुक्त

नयी दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े मंच ओयो ने राकेश कुमार को मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की. कुमार एक जनवरी 2024 से नया कार्यभार संभालेंगे. ओयो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मौजूदा सीएफओ अभिषेक गुप्ता कंपनी के साथ एक सलाहकार एवं परामर्शदाता की भूमिका में जुड़े रहेंगे. कुमार अभी डिप्टी सीएफओ हैं. सीएफओ के रूप में वह वित्त रणनीति व परिचालन दक्षता को बढ़ाने का काम जारी रखेंगे. बयान में कहा गया, ओयो में अपने पिछले छह वर्षों के कार्यकाल में कुमार ने वित्त स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

वीएफएस 70 देश की सरकारों व डिप्लोमेटिक मिशनों को सेवा प्रदान करती है

वीएफएस को मिला ग्लोबल कांट्रैक्ट

भाषा। नयी दिल्ली

3.8 मिलियन आवेदकों के आवेदन का प्रोसेस होगा

बढ़ेगा कारोबार

- वीसीएएस वीजा आउट सोर्सिंग से जुड़ी टेक कंपनी है
- वीएफएस के फाउंडर व सीईओ हैं जुबिन करकरिया

दुनियाभर में भारतीयों का डंका बजता रहा है. चाहे खेल हो या कारोबार भारतीय मूल के लोग अपनी काबिलियत के बदौलत अपनी छाप छोड़ते रहे हैं. इसमें जहां पहले सुंदर पिचाई ने, इंदिरा नूई और सत्य नडेला का नाम था, वहीं अब इसमें एक और नाम जुड़ गया है. वह है जुबीन करकरिया का. दरअसल जुबीन की कंपनी वीएफएस ग्लोबल को यूनाइटेड किंगडम प्रशासन ने ग्लोबल कांट्रेक्ट दिया है. यह कांट्रेक्ट दुनिया के 142 देशों में 240 वीजा और सिटिजनशिप एप्लीकेशन सर्विस (वीसीएएस) उपलब्ध कराने का काम करती है. यह कंपनी वीज़ा आउटसोर्सिंग और इससे जुड़ी टेक कंपनी है. यह दुनिया भर में 70 देश की सरकारों और डिप्लोमेटिक मिशनों को सेवा प्रदान करती है.

वीएफएस ग्लोबल ने ब्रिटिश सरकार का जो कांट्रेक्ट हासिल किया है, उसके तहत अगले साल मतलब कि साल 2024 में ही उसे 142 देशों में 240 वीजा और सिटिजनशिप एप्लिकेशन सेंटर खोलना होगा. इनमें अफ्रीका और पश्चिम एशिया, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप, चीन और ताइवान और एशिया और एशिया प्रशांत क्षेत्रों के देश शामिल हैं. इन केंद्रों में सभी श्रेणियों के वीज़ा आवेदनों के साथ-साथ कुछ स्थानों पर यूके पासपोर्ट आवेदन भी स्वीकार किया जाएगा. वीएफएस ग्लोबल ने एक बयान में कहा, संयुक्त रूप से, इन नए केंद्रों द्वारा हर साल 3.8 मिलियन आवेदकों के आवेदन को प्रोसेस करने का अनुमान है. वीएफएस ग्लोबल के फाउंडर और सीईओ जुबिन करकरिया का कहना है कि वह इस कांट्रेक्ट को हासिल कर बेहद उत्साहित हैं. इस कांट्रेक्ट के बाद अब ग्राहकों की जर्नी को बेहतर करने और एक्सेसिबिलिटी बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाएगा. उनका कहना है कि इस अनुबंध के बाद कंपनी को कई नए लोकेशनों पर भी काम करने का अवसर मिल रहा है. उनकी कोशिश होगी कि सभी जगह ग्राहकों को सीमलेस, सिम्पल और सिक्योर वीजा और पासपोर्ट अप्लीकेशन एक्सपीरियेंस मिले. वैसे भारत समेत चार देश ऐसे हैं, जहां के नागरिकों के बीच यूनाइटेड किंगडम एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन है. इस सूची में भारत पहले नंबर पर आता है. इसके बाद चीन, नाइजीरिया और टर्की का नाम आता है.

बता दें कि वीएफएस ग्लोबल को यूके की तरफ से जिन देशों में वीज़ा सेवाएं प्रदान करने का मैनडेट मिला है उसमें अफ्रीका और मध्य पूर्व के अल्जीरिया, अंगोला, बहरीन, बोत्सवाना, कैमरून, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, कोटे डी आइवर, मिस्र, इथियोपिया, गैबॉन, गाम्बिया, घाना, ईरान, केन्या, कुवैत, मेडागास्कर, मलावी, मॉरीशस, मोरक्को, मोज़ाम्बिक, नामीबिया, नाइजीरिया, ओमान, कतर, रवांडा, सऊदी अरब, सेनेगल, सेशेल्स, सिएरा लियोन, दक्षिण अफ्रीका, सूडान, तंजानिया, ट्यूनीशिया, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात, जाम्बिया और जिम्बाब्वे है.

वहीं अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के देशों में फैली हुई है.

टाटा मोटर्स ने सबसे अधिक मासिक खुदरा बिक्री की दर्ज

नयी दिल्ली। टाटा मोटर्स ने त्योहारी सीजन में स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर नवंबर में अभी तक की सबसे अधिक मासिक खुदरा बिक्री दर्ज की. कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी. टाटा मोटर्स यात्री वाहन के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने बताया कि मोटर वाहन निर्माता की नवंबर में खुदरा बिक्री करीब 53,000 इकाई रही. यह इस साल अक्टूबर की तुलना में आठ प्रतिशत और नवंबर 2022 की बिक्री की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है. कंपनी ने इस वर्ष 47 दिन की त्योहारी अवधि में मजबूत बिक्री की. इसमें करीब 79,374 इकाइयों का पंजीकरण हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है. चंद्रा ने कहा, हमारा त्योहारी सीजन बेहद अच्छा रहा. इसका श्रेय मैं मुख्य तौर पर हमारे नए वाहनों फेसलिफ्टेड नेक्सॉन, हैरियर, सफारी और आईसीएनजी रेंज को दूंगा. इसलिए वाहन पंजीकरण या वास्तविक बिक्री जैसा कि हम इसे कहते हैं अभी तक की सर्वाधिक रही. उन्होंने कहा कि यात्री वाहन खंड चालू वित्त वर्ष में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करने को तैयार है.

यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर में चार प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी। नयी दिल्ली

यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के दम पर नवंबर में घरेलू यात्री वाहन थोक बिक्री में सालाना आधार पर चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कंपनियों से डीलरों को यात्री वाहनों की आपूर्ति नवंबर में बढ़कर 3,34,130 इकाई हो गई. यह नवंबर महीने का अब तक का सबसे अच्छा आंकड़ा है.

पिछले साल इसी महीने में 3,22,268 इकाइयों की आपूर्ति की गई थी. दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 31 प्रतिशत बढ़कर 16,23,399 इकाई हो गई, जो नवंबर 2022 में 12,36,282 इकाई थी. इसी तरह तिपहिया वाहनों की आपूर्ति भी पिछले महीने 31 प्रतिशत बढ़कर 59,738 इकाई हो गई, जो पिछले साल नवंबर में 45,664 इकाई थी. वाहन बनाने वाली कंपनियों के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, नवंबर के पहले पखवाड़े में समाप्त त्योहारी सीजन में मोटर वाहन

उद्योग के सभी खंडों में मजबूत वृद्धि देखी गई. उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक वृद्धि के समर्थन से मोटर वाहन उद्योग वर्ष 2023 को उच्च स्तर पर समाप्त करने के लिए आशावादी है और उम्मीद करता है कि यह प्रवृत्ति 2024 तक जारी रहेगी. सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि यात्री वाहन खंड में नवंबर 2023 में सालाना आधार पर 3.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3.34 लाख इकाइयों की आपूर्ति की गई. यह अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री है. उन्होंने कहा कि नवंबर में तिपहिया वाहनों की आपूर्ति नवंबर 2017 के अभी तक के उच्चतम स्तर से मामूली रूप से कम रही. इसी तरह पिछले महीने दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी नवंबर 2018 के उच्चतम स्तर से मामूली कम थी.

विचार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने दिया बयान

अर्थव्यवस्था पर रोजगार सृजन के लिए सबसे ज्यादा दबाव

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का मानना है कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत में रोजगार सृजन को लेकर काफी दबाव बना हुआ है. इसके साथ ही उन्होंने कौशल विकास के जरिये मानव पूंजी में सुधार की भी पुरजोर वकालत की है. राजन ने पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर रोहित लांबा के साथ संयुक्त रूप से लिखी अपनी किताब 'ब्रेकिंग द मोल्डः रिइमेजिनिंग इंडियाज इकनॉमिक फ्यूचर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत इसकी 1.4 अरब की मानव पूंजी है. हालांकि, इस पूंजी को

मजबूती देना सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है. अमेरिका के शिकॉगो बूथ में वित्तीय मामलों के कैथरीन ड्यूसेक मिलर विशिष्ट सेवा प्रोफेसर राजन ने कहा कि भारत को विकास की राह पर आगे बढ़ते हुए हर स्तर पर नौकरियां पैदा करने की जरूरत है. उन्होंने कहा, नौकरियां भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण दबाव बिंदु हैं. अगर हमारे पास निजी क्षेत्र में अधिक नौकरियां होतीं, तो क्या आरक्षण को लेकर इतना दबाव होता? शायद कुछ हद तक यह कम होता. इसके साथ ही उन्होंने राज्यों के स्तर पर नौकरियों को अपने निवासियों के लिए आरक्षित करने की प्रवृत्ति को भी चिंताजनक बताया. राजन ने कहा, यह दर्शाता है कि हम नौकरियां नहीं दे पा रहे हैं. मैं कहूंगा कि यह बुनियादी चिंता है. हम एक संगठित देश हैं. आप अपने राज्य में अपने निवासियों के लिए नौकरियां आरक्षित नहीं कर सकते. इसे हर किसी के लिए उपलब्ध होना चाहिए. मानव पूंजी में सुधार के संदर्भ में राजन ने कहा, अगर हम हाई स्कूल की अच्छी तरह पढ़ाई करने वाले युवाओं में से कुछ को व्यावसायिक प्रशिक्षण देते हैं तो अगले एक साल में बहुत सारी नौकरियां पैदा हो सकती हैं और देश को रोजगार पैदा करने के लिए 10 साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा. उन्होंने कहा, अगर हम मानव पूंजी में सुधार करते हैं, तो आज की सबसे बड़ी समस्या नौकरियां खुद-ब-खुद सृजित हो जाएंगी. अगर आप कार्यबल की गुणवत्ता को बेहतर करते हैं तो कंपनियां भारत का रुख करेंगी. लोगों को कुशल बनाकर औसत नौकरियों को भी अच्छे रोजगार में बदला जा सकता है. उन्होंने विकेंद्रीकरण और लोकतांत्रिक संस्थानों में सुधार पर ध्यान देने के साथ शासन सुधारों की जरूरत पर भी बल दिया.

खास बातें

- सबसे बड़ी ताकत इसकी 1.4 अरब की मानव पूंजी है
- रघुराम राजन बोले-मैं कहूंगा कि यह बुनियादी चिंता है

ओडिशा में हिंडाल्को करेगी 800 करोड़ रुपये का निवेश

एजेंसी। मुंबई

एल्युमीनियम बनाने वाली कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का लाभ उठाने के लिए 800 करोड़ रुपये के निवेश के साथ ओडिशा के संबलपुर में 'बैटरी फ़ॉइल' विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की अपनी योजना की मंगलवार को घोषणा की. हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के अनुसार, सुविधा जुलाई 2025 तक शुरू हो सकती है. इसमें 25,000 टन एल्यूमीनियम फ़ॉइल का उत्पादन होगा जो लिथियम-आयन और सोडियम-आयन सेल्स के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. बयान के अनुसार, कंपनी अच्छी गुणवत्ता वाले एल्युमीनियम फ़ॉइल बनाने की अपनी क्षमता का उल्लेखनीय रूप से विस्तार करने की भी योजना बना रही है, जिसका इस्तेमाल 'रिचार्जेबल बैटरी' में किया जाता है.

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक सतीश पई ने कहा, हम इलेक्ट्रिक वाहन तथा ग्रिड भंडारण क्षेत्रों के लिए प्रभावशाली दृष्टिकोण के साथ बैटरी सामग्री की मांग में तेजी से वृद्धि देख रहे हैं. ऐसे रणनीतिक क्षेत्रों में कच्चे माल का स्थानीयकरण महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, इस प्रकार हिंडाल्को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में बैटरी सामग्री तथा प्रौद्योगिकियों में विभिन्न निवेश कर रहा है. इस नई बैटरी फ़ॉइल मिल में निवेश इस दिशा में एक और कदम है. कंपनी के अनुसार, ओडिशा में नई इकाई दुनिया भर में गीगा फैक्टरी को सामग्री की आपूर्ति करने की क्षमता को और बढ़ाएगी.

बीबीएमकेयू: जारी की गई खाली सीटों की सूची, 18 को होगा आवेदनों का फाइनल चयन

खाली सीटों के लिए आज से होगा स्पेशल ड्राइव

संवाददाता । धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में पीजी की खाली सीटों पर नामांकन के लिए 13 से 16 दिसंबर तक स्पेशल ड्राइव चलाया जाएगा. इसके बाद 18 दिसंबर को आवेदनों का फाइनल चयन होगा. स्पेशल ड्राइव के लिए मंगलवार को खाली सीटों की सूची जारी कर दी गई है. खाली सीटों पर केवल वे विद्यार्थी नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने पीजी नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल पर आवेदन किया था और मेरिट लिस्ट में शामिल थे, लेकिन प्रमाणपत्र का

सत्यापन नहीं कराया था.

भूगोल व मास कम्युनिकेशन में 15 तक अंतिम तिथि : भूगोल के 64 सीटों में 62 का सत्यापन जबकि इनमें से 58 का नामांकन हो चुका है. पीजी मास कम्युनिकेशन के 32 सीटों में 23 के फॉर्म का सत्यापन व 20 नामांकन हो चुका है. दोनों विषयों में लास्ट मेरिट लिस्ट के छात्रों के लिए 15 दिसंबर तक अंतिम तिथि है. इस वजह से दोनों विषयों के खाली सीटों को नहीं दर्शाया गया है.

विषय	कुल सीटें	खाली सीटें
एमए इन एजुकेशन	48	44
आर्ट एंड कल्चर	32	30
बांग्ला	32	24
फॉरेन लैंग्वेज	32	25
हिंदी	240	59
दर्शनशास्त्र	48	36
संस्कृत	32	22
उर्दू	48	31
रसायन	96	9
कंप्यूटर साइंस	32	10
इंवायरमेंटल साइंस	32	1
भौतिकी	112	15
भूगर्भशास्त्र	32	17
अर्थशास्त्र	168	62
होम साइंस	32	21
मनोविज्ञान	64	37
समाजशास्त्र	64	40

बिरसा सेना के सदस्य से मारपीट, पुलिस से शिकायत

संवाददाता । जमशेदपुर

एमजीएम थाना क्षेत्र में इन दिनों भू-माफिया काफी सक्रिय हो गए हैं. अनावाद बिहार सरकार की जमीन अवैध रूप से खरीद-बिक्री करने का विरोध करने पर बिरसा सेना के एक सदस्य की माफियाओं ने पिटाई कर दी. मंगलवार सुबह लगभग 9 बजे हुई इस घटना के बाद से बिरसा सेना के सदस्यों में आक्रोश है. बताया जाता है कि एमजीएम थाना अंतर्गत मुखियाडांगा स्थित देवघर पंचायत निवासी सरकार मुर्मू उर्फ टाइगर मुर्मू पर घात लगाकर भू-माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया. इस दौरान उन्हें लाठी डंडे से मारा पीटा गया, जिससे वे घायल हो गए. घटना उस वक्त हुई जब वे घर की ओर जा रहे थे. जानकारी मिलने पर बिरसा सेना के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और घायल कोअस्पताल पहुंचाया.

ग्रामीणों को देख फरार हुए आरोपी : सरकार मुर्मू के अनुसार मारपीट करने वालों में कुदरा टुडू, कोंदा टुडू और बबलू टुडू तीनों भाई शामिल थे. हमलावर उन्हें घसीट कर उनकी हत्या करने के इरादे से जंगल में ले जाना चाह रहे थे, परंतु ग्रामीणों को देख सभी वहां से फरार हो गए. बिरसा सेना के केंद्रीय अध्यक्ष दिनकर कश्यप ने कहा कि अगर पुलिस 24 घंटे के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करती है तो बिरसा सेना सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगी.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- हाल ही में किस राज्य की सरकार ने जेपी आन्दोलनकारियों को पेंशन देने की घोषणा की है- **झारखंड**
- झारखंड धाम किस जिले में हैं- **गिरिडीह**
- राज्य में किस स्थान पर सूर्य मंदिर स्थित हैं-**बुंडु**
- कृषि में झारखंड का सर्वाधिक विकसित क्षेत्र कौन-सा हैं-**उत्तर-पूर्वी सीमान्त कृषि प्रदेश**
- झारखंड का कितना प्रतिशत भाग कृषिकार्य हेतु योग्य हैं - 77 %
- झारखंड में सिंचाई के लिए किस संसाधन का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता हैं- **कुए का**
- झारखंड के किस क्षेत्र में नलकूप के द्वारा सर्वाधिक सिंचाई की जाती हैं- **लोहरदगा**
- राज्य में कुएं से सिंचाई की जाने वाला क्षेत्र हैं- **गुमला**
- झारखंड में लौहे इस्पात के उत्पादन कब शुरु हुआ था- **1913**

ब्रीफ खबरें

कोलेबिरा का 19वां स्थापना दिवस मना

कोलेबिरा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रणबहादुर सिंह चौक में कोलेबिरा का 19वां स्थापना दिवस भोक्ता समाज के अध्यक्ष घूंसी सिंह के अगुवाई में माल्यार्पण कर कार्यक्रम का संपन्न किया गया ,कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने परगणाधीश ओहदार रणबहादुर सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित किया, सर्वप्रथम सभी लोग वीर शहीद नीलाम्बर-पीताम्बर स्मारक स्थल में एकत्रित होकर समाज अध्यक्ष घूंशी सिह की अगुवाई में जुलूस के रूप मे जाकर सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित कर प्रार्थना किए कि क्षेत्र में आपसी सौहार्द बना रहे साथ ही बिरसा मुंडा का भी माल्यार्पण किया गया.

कतरी नदी की सफाई कार्य को मिली मंजूरी

कतरास। बीसीसीएल ने सीएसआर फंड से कतरी नदी की सफाई करने की स्वीकृति दे दी है. सफाई कार्य को लेकर मंगलवार को बीसीसीएल एरिया चार के ओवरसियर देवेश शुक्ला, देवाशीष गुप्ता तथा कतरी नदी बचाओ अभियान समिति के संयोजक लखन प्रसाद महतो, संरक्षक मुबारक हुसैन आदि ने कतरी नदी का निरीक्षण किया.कतरी नदी बचाओ संघर्ष समिति ने कतरी नदी की साफ सफाई को लेकर बीसीसीएल एरिया चार के महाप्रबंधक को सीएआर फंड के तहत करने का आग्रह पत्र दिया था .

सोमेन व सुभाष बने ईसीआरकेयू के सचिव

धनबाद। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद लाइन ब्रांच के पुराने स्टेशन स्थित शाखा कार्यालय में मंगलवार को चुने गए दो नये पदाधिकारियों यूनियन ने जोरदार स्वागत किया. 10 दिसंबर को पटना में पूर्व मध्य रेलवे के थर्ड टीजीएम में धनबाद लाइन शाखा के शाखा सचिव नेताजी सुभाष और धनबाद शाखा दो के शाखा सचिव सोमेन दत्ता दोनों को ही केंद्र में संगठन सचिव बनाया गया है. सबसे पहले गुलदस्ता देकर, फिर माला पहनाकर और साल देकर कर दोनों को सम्मानित किया गया.

रैयतों ने अनिश्चितकालीन बंद को वापस लिया

बाघमारा । ब्लॉक दो क्षेत्र अंतर्गत खोखी बिगहा राय बस्ती के रैयत ग्रामीणों को विस्थापन एवं नियोजन की मांग को लेकर मंगलवार के दिन ब्लॉक दो क्षेत्रीय कार्यालय में प्रबंधन के साथ वार्ता हुई. वार्ता में प्रबंधन द्वारा ग्रामीणों की मांग के अनुरूप उन सभी को सुरक्षित स्थान पर विस्थापन एवं नियोजन को ले आश्वासन दिया. वार्ता के उपरांत ग्रामीणों द्वारा किया गया अनिश्चित्कालीन बंदी वापस ले लिया गया. वार्ता में ब्लॉक दो क्षेत्र के महाप्रबंधक चितरंजन कुमार, अपर महाप्रबंधक आर बी प्रसाद, कार्मिक प्रबंधक संजय भारती समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

भाजयुमो ने सीएम का पुतला दहन किया

गोविंदपुर । झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 16 एवं 17 दिसंबर को ली जाने वाली झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 को स्थगित करने के खिलाफ जिला ग्रामीण भाजयुमो ने जिलाध्यक्ष बम्पी चक्रवर्ती की अगुवाई में सुभाष चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर विरोध जताया. मौके पर नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ज्ञानरंजन सिन्हा ने कहा कि हेमंत सरकार राज्य के बेरोजगार युवकों को छल रही है.

आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में 'प्रारम्भ' के साथ नये सत्र की शुरुआत

किताबों से अच्छा दोस्त कोई नहीं : उदय शंकर

संवाददाता । जमशेदपुर

स्थानीय आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में मंगलवार को नए सत्र की शुरुआत हुई. इस अवसर पर रंगारंग "प्रारंभ" शीर्षक समारोह का आयोजन किया गया. समारोह का का उदघाटन मुख्य अतिथि पिलटगार्ड फिल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट हेड उदय शंकर शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया.

इस दौरान मंच पर मुख्य अतिथि के अलावा कॉलेज के अध्यक्ष बिंदा सिंह, विशिष्ठ अतिथि उक्त कंपनी के एचआर हेड सुरजीत पांडा, प्रोडक्शन इंचार्ज बीरेन्द्र यादव, कॉलेज के कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, कार्यकारी सदस्य शक्ति सिंह, प्राचार्य डॉ राजेश कुमार तिवारी एवं अन्य उपस्थित थे. अतिथियों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए उदय शंकर ने कहा कि किताबों को अपना दोस्त बनाइए, क्योंकि भविष्य संवारने के लिए उससे अच्छा दोस्त और साधन दूसरा नहीं हो सकता है. शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि अपने नए छात्रों को देखकर काफी खुशी हो रही है और हम चाहते हैं कि आप जब इस कॉलेज से पढ़-लिख कर नौकरी में जाएं तो आपके माता-पिता और कॉलेज को आप पर गर्व महसूस हो.

खास बातें

- उत्तम कुजूर मिस्टर व श्रुति कुमारी बनी मिस फ्रेशर बनी
- जैमिंग, रैंप वॉक समेत अन्य प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

छात्रों को सुविधाओं का पूरा लाभ मिलेगा

कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि आप सब अपनी पढ़ाई अच्छी तरह पूरी करें. कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं का पूरा फायदा आप को मिलेगा. यह आप पर निर्भर करता है कि आप कितना ज्यादा से ज्यादा इन सुविधाओं का फायदा उठाते हैं. उन्होंने कहा कि आप एक अच्छे और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के मालिक तभी बनेंगे जब आप अनुशासन में रहेंगे. तत्पश्चात प्रारंभ- 2023 " में 2022 के छात्रों ने नवनामांकित छात्र-छात्राओं का स्वागत किया और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये. सबसे पहले ग्रुप डांस ज्योति एंड ग्रुप और पुष्कर एंड ग्रुप ने प्रस्तुत किया. सोलो गीत रोशन और उत्तम ने प्रस्तुत किया.

मिस्टर एंड मिस फ्रेशर्स का चुनाव हुआ

समारोह में जैमिंग, रैम्प वॉक, लेजी ग्रुप डांस के अलावा मिस्टर एंड मिस फ्रेशर्स का चुनाव हुआ. इसमें उत्तम कुजूर (सीएसई) मिस्टर फ्रेशर एवं श्रुति कुमारी (बीसीए) मिस फ्रेशर चुनी गयी. मंच संचालन डॉ सुधीर झा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ विक्रम शर्मा ने किया. इस अवसर पर डॉ रेखा तिवारी, प्रो सुशांत महंती, प्रो जीवन कुमार, प्रो ठाकुर, प्रणव कुमार गौतम, डॉ एसपी सिंह, डॉ सूर्य बहादुर, डॉ सुब्रतो महतो डॉ सुधीर झा, प्रो अमित सिन्हा समेत कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

उत्पाद विभाग में कुल स्वीकृत पदों की संख्या 96 है, कार्यरत मात्र 12

- सहायक उत्पाद आयुक्त ने उपायुक्त को पत्र के माध्यम से दी है जानकारी

संवाददाता। धनबाद

धनबाद का उत्पाद विभाग वेंटिलेटर पर है. जानकारी के मुताबिक विभाग में कुल स्वीकृत पदों की संख्या 96 है, जबकि कार्यरत मात्र 12 ही हैं. इन्हीं 12 कर्मियों के जिम्मे यहां शराब की 140 दुकानें है. सूत्रों के मुताबिक धनबाद का टारगेट 419 करोड़ है और कर्मी मात्र 12 है.

पेट्रोलिंग के लिए एक सरकारी और किराए पर दो गाड़ी ही है.इस संबंध में जिले के सहायक उत्पाद आयुक्त संजय कुमार मेहता ने बताया कि शिकायत मिलने पर उन दुकानों पर रेड करने लायक विभाग के पास बल तक नहीं है. हालांकि पेट्रोलिंग के नाम पर एक सरकारी व किराए पर दो गाड़ी है, लेकिन विभागीय चालक का पद रिक्त है. धनबाद की शराब दुकानों में एमआरपी से अधिक दर पर शराब की बिक्री की शिकायतें सरेआम हैं, लेकिन कर्मियों की कमी के कारण विभाग असहाय बना हुआ है. उत्पाद निरीक्षक के सभी चार पद रिक्त हैं, अवर निरीक्षक के 12 में मात्र 6 कार्यरत है.

हैरत की बात यह है कि फील्ड का निरंतर चक्कर लगाते रहने वाले उत्पाद के सहायक अवर निरीक्षक के सभी 9 पद अरसे से खाली है. सिपाही के 60 में 55 पद लंबे समय से खाली पड़े हैं. सिर्फ पांच सिपाहियों के बल पर यहां का उत्पाद विभाग चल रहा है. अनुसचिवीय कर्मचारियों की किल्लत से विभाग जूझ रहा है. किरानी नहीं है, न सहायक, न टंकक है ना दफ्तरी है. सहायक उत्पाद आयुक्त संजय कुमार मेहता ने कहा की कुछ महीने पहले उपायुक्त को पत्र के माध्यम से कर्मियों की कमी की जानकारी दी गई थी. लेकिन अभी भी कर्मियों की कमी से उत्पाद विभाग जूझ रहा है.

सहायक - 1 कार्यरत - 0,
निरीक्षक -4 कार्यरत 0 ,सहायक अवर निरीक्षक 9 कार्यरत 0,
उत्पाद सिपाही 60 कार्यरत 5,
उत्पाद लिपिक 6 कार्यरत 1,
टाइपिस्ट 1 कार्यरत 00 है.

जैट के आवेदनों के टूटे अब तक के सारे रिकॉर्ड

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ समेत देश की करीब 160 बिजनेस स्कूलों में एडमिशन के लिए होने वाली जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट में इस वर्ष रिकॉर्ड छात्र-छात्राओंने आवेदन किया है. आवेदकों के रजिस्ट्रेशन की संख्या में 40 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई. जैट 2024 के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 135,000 है. पिछले कुछ वर्षों में जैट के रजिस्ट्रेशन में संख्या के लिहाज से यह अभूतपूर्व वृद्धि है. जैट 2024 का रजिस्ट्रेशन 15 जुलाई को शुरू हुआ और 10 दिसंबर को समाप्त हुआ. जैट के संयोजक प्रोफेसर राहुल शुक्ला ने कहा कि जैट हमेशा विविधता का समर्थक रहा है, और हमारे परीक्षण का डिजाइन इसे दर्शाता है.

शिक्षा के लिए बच्चों को अब नहीं जाना होगा धनबाद से बाहर

संवाददाता । झरिया

उच्च शिक्षा के लिए धनबाद के बच्चों को अब धनबाद से बाहर नहीं जाना होगा. मंगलवार को अग्रसेन अकादमी संस्था की ओर से पुराना बालिका भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि पहले धनबाद के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए धनबाद से बाहर दूसरे राज्यों जैसे राजस्थान, बेंगलुरु, अहमदाबाद आदि बड़े शहरों में जाना पड़ता था. लेकिन, अग्रसेन अकादमी के द्वारा यह व्यवस्था किया गया है कि अब बच्चों को धनबाद से बाहर नहीं जाना पड़ेगा. धनबाद में रहकर ही कम खर्च पर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं. इस दौरान बच्चे माता-पिता के साथ घर में रहते हुए अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे. बच्चे अब धनबाद-झरिया में रहते हुए ही इंजीनियरिंग, डॉक्टर, आईआईटी आदि जैसे उच्च शिक्षा का कोर्स अपने शहर में ही पा सकते हैं. दूसरे शहरों में रहकर पढ़ाई करने के दौरान बच्चों का जितना खर्च होता है उससे काफी कम खर्च में अब बच्चे अपने शहर में ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं.

इससे छात्रों के माता-पिता पर भी आर्थिक तौर पर कम दबाव पड़ेगा. इसके साथ ही मारवाड़ी सम्मेलन ट्रस्ट द्वारा उच्च शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप से लेकर बच्चों के प्लेसमेंट तक की व्यवस्था दी जाएगी. वहीं क्लास में मौजूद विद्यार्थी अभिषेक तिवारी , आदित्य पांडेय , मोहित साहू, विनीत रज्जाक , इशिका कुमारी, ऋषिका वर्मा, सृष्टि कुमारी, आकृति कुमारी अग्रवाल , अर्पिता सिंह कश्यप , सिमरन कुमारी ने बताया कि यहां के शिक्षक काफी सपोर्टिवी व अनुभवी है.

गोवा सरस मेला 4.75 लाख के पलाश उत्पादों की हुई बिक्री

संवाददाता। रांची

गोवा सरस मेले में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पलाश के स्टॉल लगाकर सखी मंडल की महिलाओं के उत्पादों की प्रदर्शनी की गयी. पलाश ब्रांड के अंतर्गत दो स्टॉल में राज्य के धनबाद, पलामू और गढ़वा जिला के सखी मंडल की महिलाओं द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की बिक्री के लिए सरस मेला में रखा गया था. जिसमें शुद्ध सरसों तेल, अचार, मधु , मडुआ आटा, मसाले, लोबिया, अरहर दाल आदि की काफी डिमांड रही. वहीं, पलाश के अचार भी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहे. इस बारह दिवसीय सरस मेला के दौरान करीब 4.75 लाख रुपये के पलाश उत्पादों की बिक्री हुई.

ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जेएसएलपीएस द्वारा लगाए गए पलाश स्टॉल ने करीब 4.75 लाख रुपये का कारोबार किया. मेला के समापन समारोह के मौके पर राज्य समन्वयक के रूप में शामिल झारखंड सरकार के अवर सचिव अमरेश कुमार एवं मोहम्मद शहजाद अहमद को गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत द्वारा सम्मानित किया गया.

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू हो

संवाददाता । धनबाद

न्याय तक पहुंचने की सीढ़ी हमारे अधिवक्ता हैं. समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाते हैं लेकिन सरकार की इनके प्रति भी कुछ जिम्मेदारियां हैं. इनमें जिम्मेवारियों में सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है, खुद अधिवक्ता वर्ग अपनी सुरक्षा को लेकर कई बार आवाज बुलंद कर चुके हैं लेकिन इनको अब तक घोषणाओं और वादों के अलावा कुछ नहीं मिला. जबकि धनबाद में तो जेल जैसी जगह भी सुरक्षित नहीं रही.

ऐसे में एक बार फिर धनबाद के अधिवक्ता शुभम संदेश के साथ अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं.

विधि व्यवस्था में अधिवक्ताओं को शामिल किया जाए : जितंद्र कुमार

धनबाद बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि आजादी के बाद से ही अधिवक्ता न्याय दिलाने का काम कर रहे हैं. लेकिन शुरु से उनकी सुरक्षा को लेकर कोई पहल नहीं की गई है. जिला प्रशासन एवं सरकार को विधि व्यवस्था एवं नीति निर्धारण में अधिवक्ताओं के को शामिल करना चाहिए.

अधिवक्ताओं की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी : विजय कुमार

अधिवक्ता विजय कुमार ठाकुर ने कहा कि देश आजाद हुआ तो वकीलों की वजह से. लेकिन आज उनपर ही हमले और मुकदमे हो रहे हैं. सरकार की जिम्मेदारी है कि अधिवक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करें. अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू होना अत्यंत जरूरी है.

अधिवक्ताओं का योगदान अहम देश की रीढ़ है अधिवक्ता : खगेन चंद्र

अधिवक्ता खगेन चंद्र गोराई ने कहा कि देश की आजादी से लेकर देश की अर्थव्यवस्था तक में अधिवक्ताओं का योगदान है. अधिवक्ता देश की रीढ़ है. अन्याय के खिलाफ अधिवक्ता ही लड़ाई लड़ते है. सरकार की जिम्मेदारी है कि अधिवक्ताओं को सुरक्षा दें.

ऑफिसर ऑफ द कोर्ट होते हैं अधिवक्ता : हुसैन हैकल

वरीय अधिवक्ता हुसैन हैकल ने कहा कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू होना अत्यंत जरूरी है. उन्होंने कहा कि अधिवक्ता ही ऑफिसर ऑफ द कोर्ट हैं. इसलिए समाज में इस नियम के लागू होने से एक संदेश जाएगा.

अधिवक्ताओं के लिए सुरक्षा जरूरी : नसरीन परवीन

अधिवक्ता नसरीन परवीन ने कहा कि अधिवक्ता समाज को न्याय दिलाने का काम करते हैं. इसलिए उनकी सुरक्षा अत्यंत जरूरी है. अधिवक्ताओं को अपराधियों से हमेशा खतरा बना रहता है.

पेज एक का शेष...

सीबीएसई 10वीं और 12वीं परीक्षाओं की डेटशीट जारी

12 वीं का परीक्षा शेड्यूल : 15 फरवरी, 2024 को एंटरप्रेन्योरशिप सहित अन्य सब्जेक्ट की परीक्षा होगी. 16 फरवरी को बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रानिक्स टेक्नोलॉजी सहित अन्य विषयों की परीक्षाएं सुबह 10: 30 से 1: 30 बजे तक ली जाएगी. 17 फरवरी को इंजीनियरिंग ग्राफिक्स, कथकली डांस, हार्टीकल्चर, डाटा साइंस सहित अन्य विषयों की परीक्षाएं होंगी. 19 फरवरी को हिंदी इलेक्टिव और हिंदी कोर की परीक्षाएं ली जाएंगी. 20 फरवरी को फूड प्रोडक्शन, डिजाइन और इलेक्ट्रानिक्स एंड हार्डवेयर की, 21 फरवरी को हिंदुस्तानी म्यूजिक और 22 फरवरी, 2024 को इंग्लिश कोर सहित अन्य सब्जेक्ट की परीक्षा होगी. 23 फरवरी को रिटेल और 24 टाइपोग्राफी सहित अन्य की परीक्षा ली जायेगी. इस क्रम में -4 मार्च को फिजिक्स और 9 मार्च, को मैथ्स सब्जेक्ट की परीक्षा ली जायेगी. 12वीं की अन्य परीक्षाएं अलग-अलग तिथियों मंस आयोजित होकर 2 अप्रैल, 2023 को समाप्त होंगी.

चालाकी से हमें बदनाम किया जा रहा

बच्चों को डॉक्टर-इंजीनियर बनने में गरीबी नहीं बनेगी बाधा : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के गरीब बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक तंगी अब कोई बाधा नहीं बनेगी. बच्चियां अब बोझ नहीं बनेंगी. बच्चियां बेहतर तरीके से पढ़ें, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी फुले सावित्री योजना का लाभ दिया जा रहा है. इस योजना के तहत अब घर में जितनी भी बच्चियां होंगी, उनको इसका लाभ मिलेगा. अब वे डॉक्टर- इंजीनियर और अफसर बनेंगी. इसमें पैसे की तंगी बाधा नहीं बनेगी, क्योंकि उनकी पढ़ाई का पूरा खर्च सरकार उठाएगी.

मुख्यमंत्री ने कई विकास योजनाओं का दिया तोहफा

मुख्यमंत्री ने 1035.10 करोड़ रुपए की 5358 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया. इसमें 835.71 करोड रुपए की 5308 योजनाओं की नींव रखी गई , जबकि 199.38 करोड रुपए की 50 योजनाओं का उद्घाटन किया. विभिन्न योजनाओं के 34077 लाभुकों के बीच 53 करोड 23 लाख 10 हज़ार रुपए की परिसंपत्तियां भी बांटी गईं.

अब ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक बताएगी गायों की बीमारी

हृदय-गति व तापमान को मापकर बीमारी बताती है तकनीक : मॉडल की कार्यप्रणाली को लेकर छात्र सर्वज्ञ ने बताया कि उनका यह मॉडल खास तकनीक पर आधारित है, जिसमें सेंसर के जरिए पशुओं की हृदय-गति और उनके शरीर के तापमान को मापकर वेब एप पर जानवरों के संभावित रोगों की जानकारी मिलती है. इसके बाद इस स्थानीय पशु चिकित्सकों से संपर्क कर राय मशविरा लिया जा सकता है. साथ ही, समय पर मवेशियों का उपचार कर उनकी जान बचाई जा सकती है. इस मॉडल को बनाने में उन्हें लगभग 900 रुपये तक का खर्च आया है, जिसमें नंदिनी वेब एप के अलावा इलेक्ट्रिकल बोर्ड और सेंसर जुड़े हैं.

बैठक केंद्रीय राज्य मंत्री ने जिले के अधिकारियों को दिए निर्देश

देवघर में विकसित होगा नगर वन: अश्विनी चौबे

संवाददाता। देवघर

बाबा नगरी देवघर में वर्यावरण संरक्षण और लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए शहर की 5 किलोमीटर की परिधि में नगर वन विकसित होगा. देवघर पहुंचे केंद्रीय वन-पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने परिसदन में मंगलवार को इस मुद्दे पर अधिकारियों के साथ बैठक की और जरूरी निर्देश दिए. बैठक में उपयुक्त, वन विभाग के अधिकारी, सिविल सर्जन व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे. मंत्री ने कहा कि नगर वन में लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की पूरी व्यवस्था रहेगी. ऐसा वन बनाया

जाएगा जिसमें लोग बैठ सकेंगे, घूम सकेंगे, टहल सकेंगे और योग कर सकेंगे.

बैठक में मौजूद स्थानीय विधायक नारायण दास ने केंद्रीय राज्य मंत्री के समक्ष शहर के समीप चिड़ियाघर बनाने का प्रस्ताव रखा. कहा कि डिग्रिया पहाड़ के समीप वन विभाग की जमीन पर चिड़ियाघर खोला जा सकता है. वहीं, सिविल सर्जन डॉ रंजन सिंह ने सदर अस्पताल में मेडिसिनल गार्डन खोलने का आग्रह किया. इस पर मंत्री ने अधिकारियों को इन प्रस्तावों पर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया. उन्होंने अधिकारियों से जिले में केंद्रीय योजनाओं की वस्तुस्थिति की जानकारी ली.

खास बातें

- पांच किलोमीटर के दायरे में बनेगा नगर वन
- विधायक नारायण दास ने चिड़ियाघर बनाने का प्रस्ताव रखा

मिशन उत्थान के तहत 17 से शुरू होगा प्रशिक्षण

धनबाद। सीएमडी समीरन दत्ता की विशेष पहल पर बीसीसीएल में आरंभ हुई मिशन 'उत्थान' योजना के तहत कंपनी के सामान्य मजदूरों को वैधानिक तकनीकी पदों पर चयन के लिए आवेदन करनेवाले कर्मियों को 17 दिसंबर से प्रशिक्षण शुरू होगा. बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैय्या ने मोटीवेशनल और मार्गदर्शी सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सभी क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधकों को निर्देशित कर दिया गया है कि आवेदन करनेवाले सभी कर्मियों के वांछित भूमिगत और ओपनकास्ट अनुभव के आधार पर तत्काल सूची तैयार कर मुख्यालय प्रेषित करें. आवेदकों की सुविधा के लिए एक वेब-पोर्टल भी बनाया गया है, जिसके माध्यम से इच्छुक कर्मी अपना पंजीकरण करा सकते हैं.

फुटबॉल : सऊदी अरब के रियाद सीजन कप में दो मैच खेलेगी इंटर मियामी

एक फरवरी को होगी मेस्सी व रोनाल्डो की टक्कर

भाषा । फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)

दुनिया भर के फुटबालप्रेमियों को जिस मुकाबले का इंतजार था, वह एक फरवरी को सउदी अरब में होगा जब लियोनेल मेस्सी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीमें आमने सामने होंगी. मेस्सी की टीम इंटर मियामी ने सोमवार को पुष्टि की कि वह सउदी अरब में रियाद सीजन कप खेलेगी. उसका सामना अल हिलाल से 29 जनवरी को और रोनाल्डो की टीम अल नासर से एक फरवरी को होगा.

सउदी प्रो लीग में ये दोनों क्लब शीर्ष पर हैं और रोनाल्डो लीग में सर्वाधिक गोल कर चुके हैं. इंटर मियामी के खेल निदेशक क्रिस हेंडरसन ने कहा कि इन मैचों से हमें नये सत्र की तैयारी में मदद मिलेगी. अल हिलाल और अल नासर जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ हमें खुद को आजमाने का मौका मिलेगा.

खास बातें

- 29 जनवरी को अल हिलाल से भिड़ेगा इंटर मियामी
- सउदी प्रो लीग में अल हिलाल व अल नासल दोनों शीर्ष पर हैं

आमने सामने

मेस्सी		रोनाल्डो	
मेस्सी की टीम जीती	16	रोनाल्डो की टीम जीती	10
मेस्सी ने गोल दागे	21	रोनाल्डो ने गोल दागे	20
ड्रॉ	09		

35 बार आमने-सामने आ चुके हैं मेस्सी व रोनाल्डो

मेस्सी और रोनाल्डो क्लब और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 35 बार आमने सामने रहे हैं जिनमें से मेस्सी की टीम ने 16 और रोनाल्डो की टीम ने 10 मैच जीते हैं जबकि नौ मैच ड्रॉ रहे. इन मैचों में मेस्सी ने 21 गोल किये और 12 में सहायक रहे जबकि रोनाल्डो ने 20 गोल किये और एक में सहायक रहे. मेस्सी ने मई में सउदी अरब पर्यटन के प्रचार के लिये एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था जिसकी वजह से उनकी पूर्व टीम पेरिस सेंट जर्मेन ने उन्हें निलंबित कर दिया था. मेस्सी और रोनाल्डो क्रमशः बार्सीलोना और रियाल मैड्रिड के लिये भी कई बार एक दूसरे के खिलाफ खेल चुके हैं

ब्रीफ खबरें

विश्व कप में खिलाड़ी अभद्रता की हुई शिकार

ज्यूरिख । महिला विश्व कप फुटबॉल में पुरूष विश्व कप की तुलना में आनलाइन अभद्रता के 29 प्रतिशत अधिक मामले सामने आये. यहां सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. फीफा और वैश्विक खिलाड़ियों के संघ फिफप्रो के अनुसार, महिला विश्व कप में हर पांच में से एक खिलाड़ी को धमकी भरे, पक्षपातपूर्ण और अभद्र संदेश भेजे गए. उन्होंने फीफा की सोशल मीडिया प्रोटेक्शन सर्विस (एसएमपीएस) के आंकड़े जारी किये. एसएमपीएस का काम खिलाड़ियों, टीमों और अधिकारियों का आनलाइन अभद्रता और नफरत फैलाने वाली सामग्री से बचाव करना है. एसएमपीएस ने कहा कि करीब 50 प्रतिशत अभद्र मैसेज समलैंगिकता के संबंध में घृणा और लैंगिक पक्षपात से भरे थे.

टेस्ट श्रृंखला से मुझे बाहर रखना सही: वोक्स

ब्रिजटाउन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने स्वीकार किया कि भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से उन्हें बाहर रखकर इंग्लैंड ने सही फैसला किया है क्योंकि उपमहाद्वीप में उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है. 34 वर्ष के वोक्स को पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में नहीं चुना गया है. पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जायेगा. वोक्स ने कहा कि मिले जुले जज्बात हैं. आप हमेशा टेस्ट टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं. लेकिन मेरी उम्र और उपमहाद्वीप में मेरे रिकॉर्ड को देखते हुए यह सही फैसला था. वोक्स ने इंग्लैंड में 21.88 की औसत से गेंदबाजी की है लेकिन विदेश में उनका औसत 51 . 88 है.

डब्ल्यूटीए के सीईओ पद से हट जाएंगे सिमोन

वाशिंगटन । डब्ल्यूटीए ने मंगलवार को घोषणा की कि स्टीव सिमोन महिला टेनिस टूर में अपनी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की जिम्मेदारियां छोड़ देंगे जबकि कार्यकारी चेयरमैन की भूमिका में बने रहेंगे. डब्ल्यूटीए के शीर्ष पदों में आगामी बदलाव में एक नये सीईओ को नियुक्त किया जायेगा जो सिमोन को रिपोर्ट करेगा. वहीं डब्ल्यूटीए अध्यक्ष मिकी लॉलर भी पद छोड़ देंगी लेकिन उनकी जगह किसी को नहीं लाया जायेगा. वह 2014 से यह भूमिका निभा रही थीं. सिमोन ने कहा कि सीईओ पद के लिए महिला उम्मीदवार ढूंढने को तरजीह दी जायेगी.

जूनियर हॉकी विश्व कप: भारत ने रोमांचक क्वाफा में नीदरलैंड को हराया

भारत सेमीफाइनल में

- भारत ने नीदलैंड को 4-3 से पराजित किया
- सेमीफाइनल में जर्मनी से भिड़ेगा भारतीय टीम

भाषा । कुआलालंपुर

दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए भारतीय टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में नीदरलैंड जैसी मजबूत टीम को 4-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. भारतीय टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में जर्मनी से खेलेगी. विश्व रैंकिंग में तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज भारत और नीदरलैंड के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा. हाफटाइम तक डच टीम 2-0 से आगे थी लेकिन उसके बाद भारत ने वापसी की और दूसरे हाफ में चार गोल दागे. नीदरलैंड के लिये टिमो बोएर्स (पांचवां मिनट), पेपिन वान डेर हेडेन (16वां मिनट) और ओलिवियर होर्टेनसियस (44वां मिनट) ने गोल किये जबकि भारत के लिये आदित्य लालागे (34वां मिनट) , अराइजीत सिंह हुंडल (36वां मिनट) ,आनंद कुशवाह (52वां मिनट) और कप्तान उत्तम सिंह (57वां मिनट) ने गोल दागे. नीदरलैंड टीम ने पहले ही क्वार्टर से आक्रामक शुरूआत करते हुए पेनल्टी कॉर्नर बनाया जिसे बोएर्स ने गोल में बदला. दूसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में वान डेर हेडेन ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके टीम को 2-0 की बढत दिला दी जो हाफटाइम तक बनी रही.

दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने की शानदार वापसी

आखिरी दस मिनटों में भारत ने दो गोल दागे

आखिरी दस मिनटों में भारतीय टीम ने जबर्दस्त हॉकी का प्रदर्शन करते हुए दो गोल कर डाले. कुशवाह ने 52वें मिनट में रिबाउंड पर गोल करके स्कोर बराबर किया. भारत को 57वें मिनट में महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर गोल करने में कप्तान उत्तम सिंह ने चूक नहीं की. आखिरी दो मिनटों में डच टीम ने बराबरी का गोल करने की भरसक कोशिश की लेकिन भारतीय डिफेंस चट्टान की तरह अडिग रहा. आखिरी क्वार्टर में रोहित ने लगातार छह पेनल्टी कॉर्नर बचाये और उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिये प्लेयर आफ द मैच चुना गया.

भारत की शानदार वापसी के सूत्रधार रहे अराइजीत : तीसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की जिसके सूत्रधार रहे अराइजीत सिंह. उन्होंने 34वें मिनट में लालागे के गोल में सहायक की भूमिका निभाई और दो मिनट बाद पेनल्टी स्ट्रोक को तब्दील करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया. तीसरे क्वार्टर में ही डच टीम ने फिर बढत बनाई जब ओलिवियर ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किया.

स्मृति मंधाना ने महिला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का समर्थन किया

मुंबई । भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने महिला टेस्ट क्रिकेट में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के सुझाव का स्वागत किया लेकिन इंग्लैंड की अनुभवी खिलाड़ी टैमी ब्यूमोंट ने कहा कि जब तीन ही देश नियमित टेस्ट खेल रहे हैं तो ऐसी प्रतिस्पर्धा अनुचित है. पुरूष क्रिकेट में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019-21 में शुरू हुई. फिलहाल इसका तीसरा सत्र चल रहा है. महिला क्रिकेट में ऐसी कोई स्पर्धा नहीं है. महिला क्रिकेट में सिर्फ भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ही नियमित टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं हालांकि उसमें भी लंबा अंतराल रहता है. मंधाना ने भारतीय टीम के अभ्यास सत्र से पूर्व मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा बनना चाहूंगी लेकिन यह बोर्ड और आईसीसी को तय करना है. उन्होंने कहा कि मैने पुरूष टेस्ट क्रिकेट काफी देखा है लेकिन इस तरह की स्पर्धा का हिस्सा बनना रोमांचक होगा. लेकिन यह फैसला प्रशासकों को लेना है.

भारत और इंग्लैंड यहां गुरुवार से एक टेस्ट खेलेंगे. भारतीय टीम दो साल बाद टेस्ट की मेजबानी कर रही है. इंग्लैंड टीम छह महीने बाद टेस्ट खेल रही है. दस साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से आठ टेस्ट खेल चुकी ब्यूमोंट ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह सही समय है. इस समय तीन या चार देश ही लगातार टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और तीन या चार बोर्ड की महिला टेस्ट की मेजबानी कर सकते हैं.

आओ जानें

आईपीएल से सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी

1- **रोहित शर्मा :** मुंबई इंडियंस के कप्तान आईपीएल से 178 .6 करोड़ रूपए की कमाई कर चुके हैं. 2- महेंद्र सिंह धौनी : आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने 16 सालों में 176 .84 करोड़ रुपये की कमाई की है.

3- **विराट कोहली :** विराट कोहली ने आईपीएल इतिहास में 173 .2 करोड़ रूपए कमाई की है.

4- **सुरेश रैना :** मिस्टर आईपीएल नाम से मशहूर सुरेश रैना ने आईपीएल से 110 करोड़ रूपए की कमाई की

5- **रवींद्र जडेजा :** भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने आईपीएल से 109 करोड़ रूपए कमाई की है.

6- **सुनील नरेन :** सुनील नरेन अब तक आईपीएल से 107 .2 करोड़ रूपए की कमाई कर चुके हैं.

7- **एबी डीविलियर्स :** साउथ आफ्रीकी खिलाड़ी एबी डी विलियर्स ने आईपीएल से 102 .5 करोड़ रूपए कमाए है.

8- **गौतम गंभीर :** गौतम गंभीर ने खिलाड़ी के तौर पर आईपीएल से 94 .62 करोड़ रूपए कमाए हैं.

9- **शिखर धवन :** . शिखर धवन ने आईपीएल से 91 .8 करोड़ रूपए कमाई की है.

10- **दिनेश कार्तिक :** भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने आईपीएल से 86 .92 करोड़ रूपए कमाए हैं.

एशियाई चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगी मीराबाई चानू

भाषा । नयी दिल्ली

चोटिल मीराबाई चानू अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगी. पूर्व विश्व चैंपियन चानू अब भी अक्टूबर में एशियाई खेलों के दौरान लगी 'हिप टेंडिनाईटिस' चोट से उबर रही हैं. 49 किग्रा वजन वर्ग में हिस्सा लेने वाली चानू ने आईडब्ल्यूएफ ग्रां प्री दो में भी कोई वजन नहीं उठाया. उम्मीद थी कि वह उज्बेकिस्तान के ताशकंद में तीन से 10 फरवरी तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप तक फिट हो जायेंगी.

लेकिन चानू ने मंगलवार को पीटीआई से कहा कि मैं इस बार एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लूंगी. बल्कि मैं विश्व कप में शिरकत करूंगी.

नेपाल को हराकर सेमीफाइनल में भारत

अंडर 19 एशिया कप

भाषा । दुबई

तेज गेंदबाज राज लिम्बानी ने 13 रन देकर सात विकेट लिये जिसकी मदद से भारत ने नेपाल को दस विकेट से हराकर अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. नेपाल को 22 . 1 ओवर में सिर्फ 52 रन पर आउट करने के बाद हरफनमौला अर्शिन कुलकर्णी (नाबाद 43 रन) के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ने सिर्फ 7 . 1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. पिछले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से आठ विकेट से हारी भारतीय टीम को नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिये आखिरी लीग मैच हर हालत में जीतना था. पहले दोनों मैच हारकर नेपाल पहले ही दौड़ से बाहर हो चुका था.

नेपाल का कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. बड़ौदा के 18 वर्ष के तेज गेंदबाज लिम्बानी ने किसी भी नेपाली बल्लेबाज को टिकने ही नहीं दिया. लिम्बानी का यह प्रदर्शन हालांकि अंडर 19 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भारतीय गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है. पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने लाहौर में 2004 में जूनियर एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ 16 रन देकर नौ विकेट लिये थे. नेपाल के लिये सर्वाधिक आठ रन हेमंत धामी ने बनाये. वहीं अर्शिन ने अपनी पारी में पांच छक्के जड़े.

खास बातें

- भारत के लिम्बानी में 13 रन देकर सात विकेट चटकाए
- 7 .1 ओवरों में भारत ने हासिल किया 53 रनों का लक्ष्य

डब्ल्यूटीए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी स्वियातेक

सेंट पीटर्सबर्ग । लगातार दूसरे साल सत्र के आखिर में नंबर एक रैंकिंग हासिल करके इगा स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया और यह श्रेय हासिल करने वाली वह सेरेना विलियम्स के बाद दूसरी महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई. पिछले साल खेल को अलविदा कहने वाली सेरेना 2012 से 2015 के बीच हर साल वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही. उन्होंने कुल सात बार यह सम्मान हासिल किया. पोलैंड की स्वियातेक ने इस साल 68 मैच जीते और 11 गंवाये. उन्होंने फ्रेंच ओपन समेत छह खिताब जीते. पिछले महीने डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीतकर उन्होंने एरिना सबालेंका को नंबर एक रैंकिंग से हटाया. स्वियातेक के कोच टोमाज विक्टोरोवस्की को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार मिला जबकि एलिना स्वितोलिना को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ वापसी का पुरस्कार दिया गया.

झारखंड की बालिका टीम ने स्वर्ण जीता

स्पूल गेम्स के तीरंदाजी में राज्य के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार

खेल संवाददाता । रांची

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में गुजरात में आयोजित स्कूल गेम्स के अंडर- 19 तीरंदाजी प्रतियोगिता में झारखंड बालिका तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण पदक जीता. वहीं झारखंड बालक टीम ने रजत पदक पर कब्जा किया. बालिका टीम में मनीषा ने 30 मीटर रजत और मधु कुमारी ने 50 मीटर में रजत ओवरऑल में कांस्य पदक जीते. वहीं बालक वर्ग में चंदन प्रमाणिक ने 30 मीटर में रजत पदक और ओवर ऑल में कांस्य पदक जीता. इंडियन राउंड में झारखंड के बालक और बालिकाओं ने क्रमशः 50 मीटर और 30 मीटर की दूरी पर निशाना साधे. टीम के साथ मैनेजर के रूप में शिक्षा विभाग से संबंधित शारीरिक शिक्षक अमरनाथ शर्मा और राधा वर्मा मौजूद थे. कोच के रूप में मोहन कुमार साहू और आर्यन साव टीम के साथ मौजूद थे.

सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरेन सोरेन व सभी खेल प्रेमियों ने बधाई दी.

खास बातें

- झारखंड की बालक टीम ने रजत पदक जीता
- 30 मीटर स्पर्धा में मनीषा ने जीता रजत पदक

फुटबॉल कतर में 12 जनवरी से शुरू होने वाले एशिया कप टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी शुरू

चोट के कारण अनवर अली संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर

भाषा । नयी दिल्ली

भारत को 12 जनवरी से कतर में शुरू होने वाले एएफसी एशियाई कप में अपने मुख्य सेंट्रल डिफेंडर अनवर अली की कमी खलेगी जो टखने की चोट के कारण इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं बन पायेंगे.भारत ने गुरुवार को 50 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की जिसमें से 23 वर्षीय अली को बाहर रखा गया है क्योंकि उनके दायें टखने में फ्रेक्चर हो गया है. अली की चोट से मुख्य कोच इगोर स्टिमक की योजना प्रभावित होगी जिन्होंने संभावित खिलाड़ियों में मिडफील्डर जैकसन सिंह को शामिल करने का जोखिम लिया है क्योंकि केरला ब्लास्टर का यह खिलाड़ी भी कंधे की चोट से जूझ रहा है. देखना होगा कि जैकसन 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशियाई कप के पहले मैच से पहले 23 खिलाड़ियों की टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं.

अली की अनुपस्थिति में उम्मीद है कि डिफेंस की जिम्मेदारी संदेश झिंगन, प्रीतम कोटल और सुभाशीष बोस उठायेंगे. मोहन बागान में अली के साथी आशीक कुरूनियान भी चोट के कारण संभावित सूची में शामिल नहीं हैं. ग्रुप बी में 102 फीफा रैंकिंग पर काबिज भारत सबसे निचली टीम है और स्टिमक की योजना राउंड 16 में जगह बनाने की होगी.

भारत के संभावित खिलाड़ी

- **गोलकीपर :** गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, विशाल कैथ, धीरज सिंह मोइरंगथेम और गुरमीत सिंह चहल
- **डिफेंडर :** नाओरेम रोशन सिंह, बिकाश युमनाम, लालचुंगनुंगा, संदेश झिंगन, निखिल पुजारी, चिंगलेनसाना सिंह, प्रीतम कोटल, होर्मिपम रुइवा, सुभाशीष बोस, आशीष राय, आकाश मिश्रा, मेहताब सिंह, राहुल भेके, नरेंद्र गहलोत और अमेय राणावाडे.
- **मिडफील्डर :** सुरेश सिंह वांगजम, रोहित कुमार, ब्रैंडन फर्नांडिस, उदांता सिंह कुमाम, यासिर मोहम्मद, जैकसन सिंह थौनाओजम, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, ग्लेन मार्टिंस, लिस्टन कोलाको, दीपक टांगरी, लालेंगमाविया राल्टे, विनीत राय, निन्थोइंगानबा मीतेई और नाओरेम महेश सिंह.
- **फॉरवर्ड :** सुनील छेत्री, रहीम अली, फारुख चौधरी, नंदकुमार सेकर, शिव शक्ति नारायणन, राहुल केपी, ईशान पंडिता, मनवीर सिंह, कियान नासिरी, लालियानजुआला चांगटे, गुरकीरत सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, बिपिन सिंह थौनाओजम, पार्थिब गोगोई और जेरी माविहमिंगथांगा

भारत का शेड्यूल

13 जनवरी	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया
18 जनवरी	भारत बनाम उज्बेकिस्तान
23 जनवरी	भारत बनाम सीरिया

भारतीय स्पिनर 'बैजबॉल' की धज्जियां उड़ा सकते हैं: वॉन

भाषा । लंदन

पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले इंग्लैंड को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत के खतरनाक स्पिन आक्रमण के सामने 'बैजबॉल' शैली पूरी तरह से नाकाम साबित हो सकती है. इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के उपनाम 'बैज' के आधार पर टीम के आक्रामक तेवरों को 'बैजबॉल' नाम दिया गया है. पिछले डेढ साल में क्रिकेट जगत में इसके चर्चे है और इंग्लैंड ने पिछले 18 में से 13 टेस्ट जीते हैं. वॉन ने कहा कि दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन भारत में खेलना है. एशेज में नाथन लियोन ने भी आपको परेशान किया था और ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से बढत बना ली थी. उन्होंने कहा कि लॉर्डस में पहली पारी में कुछ ओवरों में ही नाथन ने वह कमाल किया था. वह अकेला स्पिनर था और एजबस्टन में उसने पांच विकेट लिये थे.

इंग्लैंड की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के तहत भारत में पांच टेस्ट खेलेगी और पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होगा. वॉन ने कहा कि भारत की स्पिन लेती विकेट पर अश्विन, जडेजा और अक्षर पटेल मिलकर बैजबॉल को नेस्तनाबूद कर देंगे. भारत में जीतना बहुत कठिन होगा.

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी का फरमान : राष्ट्र विरोधी नारे लगाए तो लगेगा 10 हजार फाइन

धरना दिया तो छात्रों पर लगेगा 20 हजार का जुर्माना

एजेंसी। नयी दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में कैंपस में धरना देने पर छात्रों को 20 हजार रुपये जुर्माना देना पड़ेगा. अगर कोई राष्ट्र विरोधी नारे लगाएगा तो उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना ठोका जाएगा. जेएनयू प्रशासन द्वारा यह आदेश जारी कर दिया गया है. इस नये नियम यहां पढ़ रहे छात्र-छात्राओं में रोष है.

अब जो छात्र अपने हितों के लिए समय-समय पर विश्वविद्यालय में प्रदर्शन कर अपनी मांग उठाते थे अब उन मांगों को नहीं उठा पायेंगे. नये आदेश को लेकर एबीवीपी के सदस्य और मीडिया इंचार्ज अंबुज तिवारी ने कहा है कि जेएनयू का यह नया तुगलकी फरमान पूर्व भी आ चुका है, जिसके खिलाफ हम लोगों ने काफी प्रदर्शन किया था. जेएनयू ने बाद में आदेश वापस ले लिया था, लेकिन आज फिर से ऐसी ही फरमान आ गया है. इसमें छात्रों के प्रदर्शन पर रोक लगाने की बात कही गयी है.

खास बातें

- जेएनयू प्रशासन ने आदेश जारी कर दिया है
- जेएनयू का यह तुगलकी फरमान है : छात्र संगठन

प्रदर्शन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है

अंबुज तिवारी ने इसे गलत करार देते हुए कहा कि यह हमारा संवैधानिक अधिकार है कि हम अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करें. उन्होंने चेताया कि जेएनयू प्रशासन हमारा संवैधानिक अधिकार ना छीने. हालांकि यह भी कहा कि जो राष्ट्र विरोधी नारे या फिर संदिग्ध गतिविधियों में पाये जाने पर 10,000 जुर्माना लगाने की बात कही गयी है, एबीवीपी उस पर जुर्माने का समर्थन करता है, लेकिन विश्वविद्यालय के अंदर अगर कोई भी संगठन अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहा है तो उसे प्रदर्शन करने की इजाजत मिलनी चाहिए.

मार्च में भी जारी किया गया था आदेश

खबर है कि पिछले मार्च में भी जेएनयू प्रशासन ने यह नियम लागू किया था. कहा गया था कि परिसर में धरना देने पर छात्रों पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगेगा, हिंसा करने पर उनका एडमिशन रद्द हो सकता है या 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है. छात्र संगठनों द्वारा विरोध- प्रदर्शन किये जाने के बाद बाद में इसे वापस ले लिया गया था.

दलाई लामा ने गंगटोक में दिया धार्मिक उपदेश

गंगटोक। तिब्बती आध्यात्मिक नेता 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने मंगलवार को हजारों अनुयायियों को गंगटोक के पलजोर स्टेडियम में उपदेश दिया. दलाई लामा 10 साल के अंतराल के बाद हिमालयी राज्य की चार दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं. दुनियाभर से आए अनुयायी सोमवार रात दो बजे से ही स्टेडियम में पहुंचना शुरू हो गये थे, जो लोग कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच सके, उनके लिए एमजी मार्ग और चिंतन भवन पर बड़ी 'एलईडी' स्क्रीन लगाई गईं. दलाई लामा ने बोधिसत्व के 37 अभ्यास पर उपदेश दिया और इसके साथ ''बोधिचित्त'' (मन की जागृति) को लेकर एक समारोह भी आयोजित किया गया. दलाई लामा ने उपदेश देने के बाद राज्य सरकार की दो परियोजनाओं का ऑनलाइन माध्यम से शिलान्यास किया.

आओ जानें

दिल्ली : सामान्य ज्ञान

1. दिल्ली का स्थापना दिवस : दिसंबर 1991
2. दिल्ली की राजकीय भाषा : हिंदी
3. दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री : चौधरी ब्रह्म प्रकाश
4. दिल्ली के पहले उपराज्पाल : आदित्यनाथ झा
5. दिल्ली का राजकीय पशु : हनुमान लंगूर
6. दिल्ली का राजकीय पक्षी : धूसर तीतर
7. दिल्ली का क्षेत्रफल : 1483 वर्ग किलोमीटर
8. दिल्ली के प्रमुख लोक नृत्य : भरतनाट्यम, कुमी, कोलट्टम, कावड़ी
9. दिल्ली की प्रमुख नदी : यमुना
10. दिल्ली की सीमाएं : हरियाणा, उत्तरप्रदेश
11. दिल्ली में जिलों की संख्या : 9

ब्रीफ खबरें

शाहरुख ने की वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा

जम्मू। मशहूर अभिनेता शाहरुख खान ने अपनी फिल्म 'डंकी' के प्रदर्शन से पहले यहां मंगलवार को माता वैष्णो देवी गुफा की यात्रा की. उन्हें माता वैष्णो देवी - कटरा भवन के मार्ग में यात्रा करते देखा गया. शाहरुख के साथ उनकी मैनेजर पूजा डडलानी और उनके सुरक्षा कर्मी थे. उनकी वैष्णो देवी की यह तीसरी यात्रा है. उन्होंने अपनी फिल्म 'जवान' और 'पठान' की रिलीज से पहले इस साल अगस्त और पिछले साल दिसंबर में मंदिर की यात्रा की थी. जम्मू के रियासी जिले में स्थित वैष्णो देवी मंदिर त्रिकुटा पर्वतीय क्षेत्र में स्थित एक तीर्थस्थल है.

एफबीआई निदेशक पुलिस आयुक्त से मिले

नयी दिल्ली। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर ए रे मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस के मुख्यालय गए और उन्होंने आयुक्त संजय अरोड़ा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की. रे अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ जय सिंह रोड स्थित पुलिस मुख्यालय पहुंचे. दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने आतंकवाद, साइबर धोखाधड़ी और फर्जी कॉल सेंटर समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की.

यमन के तट के पास नार्वे के पोत पर हमला

दुबई। लाल सागर में यमन के तट के पास संदिग्ध रूप से हूती विद्रोहियों द्वारा दागी गई एक मिसाइल नार्वे के ध्वज वाले एक टैंकर से टकरा गई. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. तेल, रासायनिक पदार्थ से लदे टैंकर स्ट्रिंडा पर हमला ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा 'बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य' के पास पोतों को निशाना बनाने के अभियान का विस्तार है. विद्रोही अब उन पोतों को निशाना बना रहे हैं. हमला स्वेज नहर से आने वाले मालवाहक पोतों और ऊर्जा नौवहन को संभावित रूप से खतरे में डालता है.

उमर की तलाक की याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला की तलाक की याचिका खारिज कर दी और कहा कि उनकी अपील सुनवाई योग्य नहीं है. न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने निचली अदालत के उस आदेश को बरकरार रखा जिसने अब्दुल्ला को तलाक देने से इनकार कर दिया था. उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत के 2016 के फैसले के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा दायर अपील में कोई दम नहीं है.

डोनाल्ड टस्क पोलैंड के प्रधानमंत्री बने

वारसॉ। मध्यमार्गी दल 'सिविक प्लेटफॉर्म' के नेता डोनाल्ड टस्क सोमवार को संसद में मतदान के बाद पोलैंड के प्रधानमंत्री बने. इससे आठ साल तक रूढ़िवादी 'लॉ एंड जस्टिस पार्टी' के शासन के बाद नयी यूरोपीय संघ (ईयू) समर्थक सरकार का मार्ग प्रशस्त हुआ. टस्क ने 2014 से 2019 तक यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था. वह 2007 से 2014 तक पोलैंड के प्रधानमंत्री थे. चुनाव के लगभग दो महीने बाद टस्क सत्ता में आए हैं. चुनाव में वामपंथी से लेकर उदारवादी रूढ़िवादी पार्टियों के गठबंधन ने जीत हासिल की थी.

विधायक दल की बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने किया ऐलान

भजन लाल बने राजस्थान के सीएम, दीया-बैरवा डिप्टी सीएम

एजेंसियां। जयपुर

भजन लाल शर्मा राजस्थान के नये सीएम बनाए गए हैं. वे सांगानेर विधानसभा सीट से विधायक हैं. वे ब्राह्मण समुदाय से आते हैं. पहली बार विधायक चुने गये हैं. भजन लाल शर्मा संघ से जुड़े रहे हैं. इसकी घोषणा मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में की गयी. केंद्रीय पर्यवेक्षक और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नाम का ऐलान किया. राजनाथ सिंह ने बताया कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने भजन लाल शर्मा का नाम प्रस्तावित किया. सभी ने सर्वसम्मति से इस पर मुहर लगा दी. वहीं, दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा राज्य के दो डिप्टी सीएम होंगे. वासुदेव देवनानी राजस्थान के स्पीकर चुने गये हैं. इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोपहर में जयपुर पहुंचे. सिंह के साथ सह-पर्यवेक्षक विनोद तावड़े और सरोज पांडेय भी जयपुर आये.

भाजपा विधायकों के साथ पर्यवेक्षकों का फोटो सेशन : भाजपा प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सीपी जोशी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने जयपुर हवाई अड्डे पर इन नेताओं का स्वागत किया. इसके बाद भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक यहां भाजपा कार्यालय में दोपहर बाद 4 बजे शुरू हुई. बैठक में सर्वसम्मति से सीएम के नाम पर मुहर लगी. बैठक से पहले भाजपा विधायकों के साथ पर्यवेक्षकों का फोटो सेशन हुआ. राजनाथ ने भाजपा के नये विधायकों से सीएम चेहरे को लेकर राय ली. इससे पहले राजनाथ सिंह ने वसुंधरा राजे से वन टू वन मीटिंग की. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी राजनाथ से फोन पर बात की.

सरकार बनाने का दावा पेश किया : भजनलाल शर्मा ने मंगलवार शाम को यहां राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की. इस दौरान पार्टी की ओर से राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश किया गया. राजभवन के बयान के अनुसार,राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भाजपा के उच्चस्तरीय शिष्टमंडल ने मंगलवार शाम यहां राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सी. पी. जोशी ने राज्यपाल को राजस्थान में मुखयमंत्री के रूप में भजन लाल शर्मा के नाम का पत्र प्रस्तुत किया. उन्हें विधायक दल का नेता चुने जाने संबंधी पत्र भी सौंपा गया. इसी के साथ भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह ने अपने 115 विधायकों की सूची भी राज्यपाल को सौंपी. इस अवसर पार्टी के चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद रहे.

खास बातें

- देर शाम को राज्यपाल से मिले भजन लाल शर्मा
- अपने 115 विधायकों की सूची राज्यपाल को सौंपी

'नेहरू-नेहरू कर ध्यान भटका रहे'

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि जाति जनगणना और भागीदारी के बुनियादी मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए सरकार की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा कुछ अन्य मुद्दों का उल्लेख किया जा रहा है. उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्यसभा में दिए गए एक वक्तव्य के बारे में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की. गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राज्यसभा में जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर को प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ''गलतियों'' के कारण नुकसान उठाना पड़ा. इस क्रम में शाह ने 'असामयिक' संघर्षविराम और कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने जैसे फैसलों को गिनाया. कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों के सदस्यों ने गृह मंत्री के जवाब के दौरान सदन से बहिर्गमन किया.

राहुल गांधी ने शाह के बयान के बारे में पूछे जाने पर संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, पंडित नेहरू ने हिंदुस्तान के लिए अपना जीवन दे दिया. वह वर्षों जेल में रहे. अमित शाह जी को शायद इतिहास मालूम नहीं है. मैं उम्मीद भी नहीं करता कि उन्हें इतिहास मालूम होगा क्योंकि वह इतिहास का पुनर्लेखन करते रहते हैं. उन्होंने दावा किया, सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए यह सब किया जा रहा है. जाति जनगणना और भागीदारी तथा धन किसके हाथ में जा रहा है, यही बुनियादी और मुख्य मुद्दा है. ये लोग इन मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं, इनसे भागते हैं. भाजपा द्वारा मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) से आने वाले मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा, हमारे मुख्यमंत्री भी ओबीसी थे. सवाल यह है कि पूरी व्यवस्था में कितनी भागीदारी है.

ममता 20 को प्रधानमंत्री मोदी से करेंगी मुलाकात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य का बकाया जारी करने की मांग पर बातचीत के लिए 20 दिसंबर को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगी. एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पीएमओ ने मोदी से मुलाकात के लिए बनर्जी के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है. अधिकारी ने से कहा, यह बैठक 20 दिसंबर को पूर्वाह्न करीब 11 बजे होगी. बनर्जी ने इस सप्ताह की शुरुआत में दावा किया था कि केंद्र को मनरेगा के तहत 100 दिन काम देने सहित विभिन्न मदों में पश्चिम बंगाल को 1.15 लाख करोड़ रुपये बकाया राशि देनी है.

म्यामां दुनिया का शीर्ष अफीम उत्पादक देश बना : यूएन

भाषा। बैंकॉक

संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी द्वारा मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक गृह युद्ध से प्रभावित म्यामां अफगानिस्तान को पीछे छोड़कर दुनिया का शीर्ष अफीम उत्पादक देश बन गया. मादक पदार्थ और अपराध संबंधी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने अपने दक्षिण-पूर्व एशिया अफीम सर्वेक्षण 2023 में कहा कि म्यामां का अफीम उत्पादन अफगानिस्तान से भी अधिक है. तालिबान के शासन में आने के बाद अफगानिस्तान में अफीम के उत्पादन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. यूएनओडीसी ने पिछले महीने कहा था कि तालिबान के प्रतिबंध के कारण अफीम पोस्ता की खेती में 95 प्रतिशत की गिरावट आई है. यूएनओडीसी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 से 2023 के बीच म्यामां में अफीम की खेती का क्षेत्रफल 18 प्रतिशत बढ़कर 47,100 हेक्टेयर (1,16,400 एकड़) हो गया. रिपोर्ट के मुताबिक, अफीम की अनुमानित उपज 16 फीसदी बढ़कर 22.9 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गयी है, जो 2022 के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है.

ट्रेनों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायत की मांग सदन में उठी

भाषा। नयी दिल्ली

लोकसभा में कुछ सदस्यों ने रेलगाड़ियों में यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए किराये में रियायत एवं सुविधाएं बढ़ाने की मांग उठाई. सदन में शून्यकाल के दौरान जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी आने से पहले वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में छूट मिलती थी, लेकिन इसे बंद कर दिया गया.

उन्होंने कहा, कोरोना खत्म हो गया, लेकिन वरिष्ठ नागरिकों को किराये में रियायत मिलना शुरू नहीं हुई. कुमार ने सरकार से आग्रह किया कि वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में पहले मिलने वाली रियायत को बहाल किया जाए. भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने सरकार से आग्रह किया कि रेलगाड़ियों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नीचे की सीट सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें यात्रा में परेशानी नहीं हो.

उन्होंने कहा, आजकल छोटे परिवार होते हैं और वरिष्ठ नागरिक आमतौर पर अकेले यात्रा करते हैं. ट्रेन में बीच की या ऊपर की सीट मिलने से उन्हें परेशानी होती है. यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें नीचे की सीट ही मिले. कांग्रेस सांसद रवनीत बिट्टू ने कहा कि दिल्ली में उन किसानों के सम्मान में स्मारक बनाया जाना चाहिए जिनकी किसान आंदोलन के दौरान मौत हो गई थी. कांग्रेस के प्रद्युत बारदोलोई ने कहा कि पूर्वोत्तर देश का 'कैंसर कैपिटल' बन रहा है और सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए.

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि कैंसर के इलाज को किफायती बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं. जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र मुंगेर में कुछ स्टेशनों पर यात्री ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने का आग्रह किया.

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने उत्तराखंड की सिल्कयारा सुरंग में 41 मजदूरों के कई दिनों तक फंसे रहने का विषय उठाया और कहा कि ऐसा यह कोई इकलौता मामला नहीं है, ऐसे कई मामले हो चुके हैं.

उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी में इस तरह की त्रासदी को टाला जा सकता था, अगर पहले विशेषज्ञों की राय पर अमल किया जाता. चौधरी ने आरोप लगाया कि सरकार ने विशेषज्ञों की राय पर अमल नहीं किया.

2023-24 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों बैच को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। लोकसभा ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष में 58,378 करोड़ रुपये के शुद्ध अतिरिक्त व्यय को मंजूरी प्रदान कर दी, जिसमें एक बड़ा हिस्सा मनरेगा योजना और उर्वरकों के लिए सब्सिडी पर दिया जाएगा. सरकार ने लोकसभा में वर्ष 2023-24 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के प्रथम बैच में 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सकल अतिरिक्त व्यय की मंजूरी मांगी, जिसमें से 70,968 करोड़ रुपये को बचत और प्राप्तियों से समायोजित किया जाएगा. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वर्ष 2023-24 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के प्रथम बैच और वर्ष 2020-21 के लिए अनुदान की अतिरिक्त मांगों पर चर्चा का जवाब दिया. उनके जवाब के बाद सदन ने इन अनुपूरक मांगों को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान की.

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई है 'मोदी की गारंटी': किरण रीजीजू

भाषा। नयी दिल्ली

भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने 'भ्रष्टाचार की बीमारी' फैला दी है, जिसके खिलाफ न केवल सरकार को बल्कि लोगों को भी आंदोलन शुरू करना होगा. केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता किरण रीजीजू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद), तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के नेताओं के खिलाफ कथित घोटालों और भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों का जिक्र किया.

रीजीजू ने कहा, कांग्रेस और उसके मित्रों ने भ्रष्टाचार की ऐसी बीमारी फैला दी है जिसके खिलाफ न केवल सरकार को बल्कि देश के लोगों को भी आंदोलन शुरू करना होगा.

उन्होंने कहा, कांग्रेस के 'भ्रष्टाचार की दुकान' को बंद किया जाना चाहिए और इसके लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है. भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई मोदी की गारंटी है.

मोदी की गारंटी की आखिर वारंटी क्या है?

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सरकार से आमलोगों को गुमराह न करने की सलाह देते हुए कहा कि सत्तापक्ष ने अब मोदी की गारंटी के नये जुमले गढ़े हैं, लेकिन सरकार को यह बताना चाहिए कि गारंटी की वारंटी क्या है. लोकसभा में विपक्षी दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने वर्ष 2023-24 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें-प्रथम बैच तथा वर्ष 2020-21 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों पर चर्चा के दौरान मंगलवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा. कहा कि आम लोगों को गुमराह करना सरकार का काम नहीं होता.

पुस्तक विमोचन राहुल गांधी ने फाड़ दिया था अध्यादेश, भड़क गये थे प्रणब मुखर्जी

जब प्रणब ने राहुल गांधी को लेकर कहा था, वह है कौन..

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत प्रणब मुखर्जी राहुल गांधी द्वारा सितंबर 2013 में एक अध्यादेश की कॉपी फाड़ देने पर काफी नाराज हुए थे. यह खुलासा उनकी बेटी शर्मिष्ठा ने अपनी किताब प्रणब माई : ए डॉटर रिमेंबर्स के लॉन्चिंग समारोह में कही. मामले की तह में जायें तो अप्रैल 2013 में सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया था कि न्यूनतम दो साल की सजा वाले विधायकों और सांसदों को अपील के लिए तीन माह का समय दिये बिना सदन से तत्काल अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा. इस आदेश के कुछ समय बाद केंद्र में कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार यह अध्यादेश लेकर आयी थी, जिसमें दोषी सांसदों और विधायकों को अयोग्य घोषित करने के फैसले को पलटने की बात कही गयी थी.

राहुल पार्टी के फैसले के खिलाफ थे. उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि ऐसे अध्यादेश को फाड़कर फेंक देना चाहिए. यह कहते हुए उन्होंने पत्रकारों के सामने ही अध्यादेश की प्रति फाड़ दी थी. शर्मिष्ठा के अनुसार उनके पिता प्रणब मुखर्जी तब राहुल के अध्यादेश फाड़ने की बात पर काफी नाराज थे. शर्मिष्ठा ने कहा कि हालांकि पिता भी अध्यादेश के खिलाफ थे, लेकिन उनका मानना था कि इस पर संसद में चर्चा की जानी चाहिए थी.

राहुल तब कैबिनेट का हिस्सा भी नहीं थे : सोमवार को शर्मिष्ठा ने बताया कि मैंने ही उन्हें (प्रणब मुखर्जी) यह खबर दी थी. जिससे वह काफी नाराज हो गये थे. प्रणब मुखर्जी के अनुसार कोई भी इस बात से सहमत होगा कि राहुल गांधी द्वारा अध्यादेश फाड़ा जाना बेहद अहंकारी और राजनीतिक तौर पर अपरिपक्व हरकत थी.

राजीव गांधी ने कैबिनेट से मेरे पिता को बाहर कर दिया

शर्मिष्ठा ने कहा कि मेरे पिता के बारे में राजीव गांधी या सोनिया गांधी क्या सोचते थे यह तो वही दोनों जानते हैं, लेकिन जहां तक मेरे पिता के विचारों की बात है तो उन्होंने अपने नोट्स में लिखा था कि राजीव गांधी का सोचना था कि मैं एक सख्त व्यक्ति हूं, जो किसी की भी बात आंख मूंदकर नहीं मान सकता. शायद इसी कारण उन्होंने कैबिनेट से मेरे पिता को बाहर कर दिया. पुस्तक पर बातचीत के क्रम में उन्होंने अपने पिता द्वारा आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल होने के विरोध को भी याद किया. कहा कि मैंने बाबा से उनके फैसले पर तीन-चार दिनों तक लड़ाई की थी. लेकिन उन्होंने कहा कि यह मैं नहीं, बल्कि देश इसकी इजाजत दे रहा है.

केरल के राज्यपाल का बड़ा आरोप

सड़कों पर गुंडों का कब्जा सीएम चोट पहुंचाना चाहते हैं

एजेंसी। तिरुवंनपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर उन्हें शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है. कहा कि तिरुवनंतपुरम की सड़कों पर गुंडों ने कब्जा कर लिया है. जान लें कि राज्यपाल खान कल शाम जब दिल्ली की फ्लाइट पकड़ने के लिए तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जा रहे थे, उस समय सत्ताधारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) की छात्र शाखा स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर उनके वाहन में धक्का मार दिया.

राज्य में संवैधानिक तंत्र ध्वस्त होता जा रहा है

राज्यपाल अपनी कार से बाहर निकले और मीडिया से कहा कि यह मुख्यमंत्री विजयन हैं, जिन्होंने उन्हें शारीरिक रूप से चोट पहुंचाने के लिए लोगों को भेजने की साजिश रची है. आरोप लगाया कि राज्य में संवैधानिक तंत्र ध्वस्त होता जा रहा है. राज्यपाल ने आरोप लगाया कि एसएफआई कार्यकर्ता सीएम के निर्देश पर मुझे शारीरिक रूप से चोट पहुंचाने के लिए आये थे, जैसा कि उन्होंने कन्नूर में किया था.

- अक्तूबर में नगर पालिका सेवा संवर्ग के पदों के लिए परीक्षा हुई थी
- इस परीक्षा में कई केंद्रों पर क्वेश्चन पेपर का सील टूटा मिला था
- कमीशन ने पहले छात्रों की शिकायतों को खारिज कर दिया था

परीक्षा स्थगित

छात्रों में बढ़ रहा रोष

झामुमो सरकार जिन वादों के साथ सत्ता में आई थी उनमें से एक युवाओं को जल्द ही रोजगार देना था. सत्ता में आने के बाद युवाओं को खुशी हुई कि अब रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और बेरोजगारी दूर होगी. इसके लिए प्रदेश में वैकेंसी निकाली गई. परीक्षा के लिए फॉर्म भी भरे गये. इससे युवाओं का उत्साह भी बढ़ा. लेकिन इसके साथ ही परीक्षा के कैंसिल होने का सिलसिला भी शुरू हो गया. इसमें अक्तूबर में राज्य में नगर पालिका सेवा संवर्ग के 921 पदों के लिए ली गई परीक्षा भी थी. यह परीक्षा भी विवादों के घेरे में आ गई है. इसमें कई केंद्रों पर क्वेश्चन पेपर का सील टूटा होने, कुछ केंद्रों पर परीक्षार्थियों को ओएमआर शीट न मिलने, बुकलेट पर सीरियल नंबर प्रिंट न होने या मार्कर-पेन से लिखे होने जैसी शिकायतें मिली थी. इसे लेकर कई केंद्रों पर छात्रों ने हंगामा भी किया था. जिसे कमीशन ने पहले छात्रों की शिकायतों को खारिज कर दिया था और हंगामा करने वाले कई छात्रों पर एफआईआर दर्ज कराई थी. छात्रों की शिकायतों के मद्देनजर कमीशन ने फिर पांच केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी. इसे लेकर छात्रों के संगठन और विपक्षी दलों के नेता परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की जांच की मांग की. इस मुद्दे को लेकर झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने रांची में मोरहाबादी मैदान से लेकर राजभवन तक न्याय मार्च भी निकाला और परीक्षा में गड़बड़ियों की सीबीआई जांच कराने की मांग की. ऐसे कई मामले हैं, जिससे प्रदेश के विद्यार्थियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. उनका कहना है कि जेएसएससी की वजह से उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है. नौकरी की उम्र समाप्त होती जा रही है. जबकि पड़ोसी राज्य बिहार में धड़ल्ले से परीक्षा हो रही है और समय पर बहाली भी हो रही है. जाहिर है इससे परीक्षार्थियों में रोष है. वे सरकार से जल्द परीक्षा लेकर बहाली की मांग कर रहे हैं. इस मामले पर शुभम संदेश की टीम ने विद्यार्थियों से बात कर तैयार की रिपोर्ट...

रांची

छात्रों को तनाव से गुजरना पड़ता है: श्वेता प्रधान

जेएसएससी की तैयारी कर रही श्वेता प्रधान ने कहा कि नजदीक समय आने के बाद इस तरह से परीक्षा स्थगित कर देने से हम तैयारी करने वाले लोगों पर काफी बुरा असर पड़ता है. छात्रों को मानसिक तनाव से गुजरना पड़ता है. सरकार और जेएसएससी यह तय करे कि आखिर वह क्यों परीक्षा नहीं ले पा रही है. जो एजेंसी योग्य नहीं है उसे हटाकर योग्य एजेंसी को परीक्षा लेने दिया जाए. यह पहली परीक्षा नहीं है. इससे पहले भी कई परीक्षाएं स्थगित हो चुकी हैं.

इस तरह कब तक तैयारी करते रहेंगे: योगेश

परीक्षा की तैयारी करने वाले योगेश चंद्र भारती ने कहा आखिर हम इस तरह से कब तक तैयारी करते रहेंगे. यह सरकार क्यों स्पष्ट नहीं करती है. रिक्तियां निकालती है. परीक्षा नजदीक आने के बाद तुरंत स्थगित कर दिया जाता है. तो कभी कॉपी लीक हो जाता है. तो कभी सील टूटा हुआ रहता है. ऐसे में मानसिक प्रताड़ना से हम ही को गुजरना पड़ता है. सरकार अगर इस तरह से करती रही तो हम छात्र मजबूरी में आकर आंदोलन पर उतर आएंगे. हम फॉर्म भरते हैं. खूब मेहनत से तैयारी करते हैं. जी जान लगा देते हैं. उसके बाद भी हमें निराशा ही हाथ लग रही है.

अब हमारा सब्र टूट रहा है: नितेश कुमार महतो

नितेश कुमार महतो ने कहा कि अब हमारा सब्र टूट रहा है. अब पढ़ने का मन नहीं करता है. क्योंकि घर में भी कहा जाता है कि आखिर कब तक पढ़ोगे. क्योंकि घर की आर्थिक स्थिति काफी सामान्य है. हम प्रयास करते हैं लेकिन फॉर्म भरने के बाद परीक्षा ही नहीं हो रही है. ऐसे में हमारा पढ़ने का मन ही टूट जाता है. कई बार तो घर से भी कहा जाता है पढ़ाई लिखाई छोड़कर कोई काम धंधा करो ताकि घर की जो परेशानियां हैं वह दूर हो सके. सरकार को छात्रों के भविष्य को देखना चाहिए और परीक्षा लेकर नौकरी देना चाहिए. पड़ोसी प्रदेश में तो समय पर परीक्षा हो रही है. कोई परेशानी भी नहीं है.

लड़कियों के साथ ज्यादा परेशानी होती है: भारती

भारती कुशवाहा ने कहा कि हम लड़कियों के साथ ज्यादा परेशानी होती है. इधर जेएसएससी परीक्षाएं नहीं लेता है और उधर हमारी शादी के लिए भी घर में कहा जाता है. एजेंसी अगर परीक्षा नहीं ले पा रही है तो इस एजेंसी को तुरंत हटा दिया जाए. किस बात का इंतजार हो रहा है. अयोग्य है तो उसे रख के क्या फायदा. उसे हटाकर कोई दूसरी एजेंसी को दे. जिससे हमारी परीक्षा हो और छात्रों का भविष्य बने.

आदित्यपुर

छात्रों के लिए राज्य सरकार की नियोजन नीति जिम्मेदार, सरकार जल्द बनाए कारगर नीति

रोजगार को लेकर सरकार को अब एक कारगर नियोजन नीति बनानी चाहिए: बैजू यादव

झारखंड सरकार ने जो नियोजन नीति 2021 तैयार किया था वह दोषपूर्ण था. हाईकोर्ट ने सही फैसला दिया है. इस नियोजन नीति से हिंदी और अंग्रेजी भाषी छात्रों को नुकसान हो रहा था. अब झारखंड सरकार को एक कारगर नियोजन नीति बनानी चाहिए जिससे कि राज्य के सभी वर्ग के छात्रों का कल्याण हो. इस नीति में राज्य के बाहर पढ़ने वाले छात्रों को भी बाहर रख दिया गया था इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे एक बड़ा छात्र समूह सरकार के नियोजन नीति से नाखुश थे. इसी के वजह से जेपीएससी प्रतियोगी परीक्षाएं नहीं हो पा रही है. प्रिपरेशन करने वाले छात्रों की उम्र सीमा समाप्त हो रही है. सरकार को इसकी चिंता करनी चाहिए अन्यथा हम लोग बेरोजगार हो जाएंगे.

जेपीएससी की तैयारी करते हैं, परीक्षा स्थगित होने से असर पड़ता है: सिंटू

राज्य में जो बार बार प्रतियोगी परीक्षाओं की तिथि बदल रही है. इसका मुख्य वजह यहां की दोषपूर्ण नियोजन नीति है. झारखंड की वर्तमान नियोजन नीति से हमलोग वंचित रह रहे थे. हाईकोर्ट ने इस पर जो फैसला सुनाया था वह बड़े छात्र समूह के लिए फायदेमंद था. हमलोग जेपीएससी और एसएससी का प्रिपरेशन करते हैं. लेकिन इस वर्तमान नियोजन नीति से राज्य में नौकरी पाना मुश्किल हो गया था. राज्य में बस अब एक कारगर नियोजन नीति बनाने की आवश्यकता है. तभी प्रतियोगी परीक्षाओं के द्वार खुलेंगे और विद्यार्थियों का कल्याण होगा. सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए.

ऐसी नियोजन नीति बने जिसमें विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद नहीं हो : विशाल कुमार

झारखंड की नई नियोजन नीति 2021 में कई खामियां थीं. जिस पर हाई कोर्ट ने रोक लगाई वह स्वागतयोग्य है. हमलोग इस राज्य में जन्मे, यहीं पढ़े लिखे और अब जब रोजी रोजगार की बात आई तो सरकार ने ऐसी नियोजन नीति बना दी कि हमलोग खुद को बाहरी समझने लगे थे. इसमें संशोधन की आवश्यकता थी, जिसे माननीय उच्च न्यायालय ने रद्द कर एक सकारात्मक कदम उठाया है. अब विद्यार्थियों की मांग है कि ऐसी नई नियोजन नीति बने जिसमें सभी विद्यार्थियों का कल्याण हो. यह काम सरकार को जल्द करनी चाहिए और रोजगार के अवसर बनाने चाहिए. इसके लिए जरूरी है कि नियुक्ति हो.

गिरिडीह

अब तो कई परीक्षार्थियों की उम्र भी समाप्त हो रही है: अविनाश कुमार भदानी

जमुआ प्रखंड के अविनाश कुमार भदानी ने कहा कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ली जाने वाली जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में राज्य सरकार अब तक विफल रही है. राज्य के विद्यार्थी 24 अगस्त 2017 से इंतजार में हैं. इसके बाद कई बार परीक्षार्थी फार्म भर चुके हैं. फिल्हाल 14 दिसंबर से होने वाली परीक्षा भी स्थगित कर दी गई है. राज्य सरकार की शिथिलता के कारण कई परीक्षार्थियों की उम्र भी समाप्त हो रही है. लेकिन सरकार लगता है इस पर कुछ सोचती नहीं है.

सरकार को विद्यार्थियों की समस्या पर ध्यान देने की जरूरत है: रोहित तुरी

गांडेय प्रखंड के छात्र रोहित तुरी ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बहाली की प्रक्रिया शुरू की गई थी. इससे युवाओं में काफी आस जगी थी. परीक्षा की तिथि स्थगित होने से परीक्षार्थी काफी निराश हो गए हैं. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को विद्यार्थियों की समस्या पर ध्यान देने की जरूरत है. अगर युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा तो वे कहां जाएंगे. इसी के लिए वोट नहीं दिया गया था. सरकार ने नौकरी देने का वादा किया था. इस पर उन्हें युवाओं ने चुना, लेकिन स्थिति तो और खराब होती जा रही है.

पिछले पांच वर्षों से परीक्षा की तैयारी कर रहे थे, सब बेकार हो गया : राहुल

गावां प्रखंड के छात्र राहुल कुमार शर्मा ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से परीक्षा की तैयारी कर रहे थे. लेकिन परीक्षा नही हो पाई है. अब उम्र समाप्त होने वाली है. इससे हमलोग काफी मायूस और निराश हैं. राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार ने युवाओं को धोखा दिया है. युवा को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करना गलत है उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा राज्य सरकार को आगामी 2024 के चुनाव में सबक सिखाएगी. समय पर परीक्षा नहीं होने से युवाओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है.

सरकार के उदासी रवैसे से छात्र के भविष्य पर खतरा मंडराने लगा है: सैफ रजा

बेंगाबाद प्रखंड के छात्र सैफ रजा ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में विलंब होने से छात्र छात्राओं के भविष्य पर खतरा मंडराने लगा है. समय पर परीक्षाएं संचालित नहीं होने से परीक्षार्थियों का एक वर्ष बर्बाद होता है. कई परीक्षार्थियों का उम्र भी समाप्त होने के कगार पर आ गया है. इसकी चिंता भी राज्य सरकार को करनी चाहिए. आखिर युवाओं ने उन्हें यही सोचकर अपना मत दिया था. इसलिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना उचित नहीं है. इस पर सरकार का मंतव्य स्पष्ट नहीं है.

कई वर्षों से जेएसएससी की परीक्षा ही नहीं ली गई है, यह ठीक नहीं है: राहुल सिन्हा

डुमरी प्रखंड के छात्र राहुल सिन्हा ने कहा कि वे पिछले दस वर्षों से हजारीबाग में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं. लेकिन कोई फायदा नहीं. एक उम्मीद के साथ परीक्षा का फार्म भरते हैं. फिर तैयारी में लगते हैं. कुछ दिन बाद ही परीक्षा स्थगित हो जाती है. वहीं पिछले चार वर्षों से जेएसएससी की परीक्षा ही नहीं ली गई है. परीक्षा नहीं होने से समय और पैसा की बर्बादी हो रही है. इस स्थिति में छात्र आखिर क्या करे. इस पर सोचना होगा. यह छात्रों के भविष्य का सवाल है.

बहरागोड़ा

युवाओं के साथ हो रही है काफी नाइंसाफी : सुब्रत

विद्यार्थी सुब्रत घोष का कहना है कि जेएसएससी सीजीएल की तैयारी करते-करते उम्र बॉर्डर लाइन में आ जाने पर तैयारी करने में मनोबल टूट जाता है. सरकार का गलत नीति तथा सही समय पर एग्जाम ना करा पाने से विद्यार्थियों का उम्र सीमा पार होता चला जाता है. जिससे कि वे सरकारी नौकरी से वंचित रह जाते है. साथ ही अपना मनोबल टूटता चला जाता है. इससे उनकी आगे की पढ़ाई बाधित होती है. वे आगे की तैयारी नहीं कर पाते हैं. आखिर कब तक हमलोग यह सब झेलते रहेंगे. सरकार के कई साल तो बीत गए. अब तो कुछ करना चाहिए.

अधिकारियों की लापरवाही से हो रहा है: हिमांशु शेखर

जेएसएससी सीजीएल की तैयारी कर रहे विद्यार्थी हिमांशु शेखर का कहना है कि सरकारी अधिकारी के लापरवाही के कारण विद्यार्थियों का भविष्य दिन प्रतिदिन अंधकारमय होता चला जा रहा है. यदि सही समय पर परीक्षा संचालन होती तो कई सारे विद्यार्थियों का भविष्य बन जाता. लेकिन जेएसएससी व अन्य संस्थाओं द्वारा अपने जारी कैलेंडर के आधार पर परीक्षा संचालन नहीं कर पाने से परीक्षार्थियों का भविष्य दांव पर लग जाता है. जिसका सुधी लेने वाला कोई नहीं है. यह सरकार सिर्फ वादों की सरकार बन कर रह गई है.

समय पर परीक्षा न ले पाना कमीशन की विफलता: प्रधान

जेएसएससी सीजीएल का तैयारी करें विद्यार्थी विश्वजीत प्रधान का कहना है कि जेएसएससी परीक्षा लेने का कैलेंडर तो जारी कर देती है. इसके अनुरूप विद्यार्थी अपने तैयारी में लग जाते हैं. लेकिन कैलेंडर के आधार पर परीक्षा न होने से परीक्षार्थी का मनोबल टूट जाता है. साथ ही उनकी तैयारी पर भी असर पड़ता है. वहीं परीक्षा के संचालन समय गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी अपने जिले से बाहर दूसरे जिले में परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है. जिससे गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को काफी आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता है. जिसमें सरकार को विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए.

परीक्षा संचालन में सालों लगना दुर्भाग्यपूर्ण: प्रतिमा

जेएसएससी सीजीएल की तैयारी कर रहे है प्रतिमा पाल का कहना है कि समय सीमा पर परीक्षा ने नहीं ले पाना अति दुर्भाग्यपूर्ण विषय है. इससे सरकार की तथा उससे संबंधित अधिकारियों की गैरजिम्मेदारी का पता चलता है. वैकेंसी निकल कर कभी स्थानीय नीति तो कभी कानूनी अड़चन के हवाला देकर अधिकारी अपना पल्ला झाड़ लेते हैं. लेकिन विद्यार्थी की दुर्दशा समझने के लिए कोई आगे नहीं आता है. इसलिए सरकार को इस विषय को गंभीरता से लेना चाहिए. जिससे कि आगे होने वाली परीक्षा तय समय सीमा पर ही पूर्ण हो सके. लेकिन इस पर किसी का ध्यान नहीं है.

जेएसएससी छात्रों ने निकाला कैंडल जुलूस

जेएसएससी की परीक्षा रद्द होने से नाराज छात्रों ने देर शाम कैंडल जुलूस निकाला सभी छात्र हाथों में तख्ती और नारेबाजी करते हुए फिरायालाल चौक से शहीद चौक तक पैदल मार्च किया. छात्रों का कहना है कि यह सरकार रोजगार देने में असफल रही .है अब इस सरकार के खिलाफ सड़को पर छात्र उतर के प्रदर्शन करेगी. छात्रों का कहना है कि 15 दिसंबर को पूरे राज्य के प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र जेएसएससी कार्यालय का घेराव करेंगे.

प्रदेश के लाखों अभ्यर्थियों को हेमंत सरकार ने एक बार फिर धोखा दिया : बाबूलाल मरांडी

इस पूरे मामले पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फिर कटघरे में खड़ा किया. मरांडी ने कहा कि झारखंड कर्मचारी आयोग द्वारा आगामी 16 एवं 17 दिसंबर को आयोजित होने वाली झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी सीमित प्रतियोगिता परीक्षा 2023 को स्थगित किए जाने को हेमंत सरकार की असमर्थता बताया. उन्होंने कहा कि यह परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी की असमर्थता नहीं है. कहा कि झारखंड में सरकारी नौकरी की प्रतीक्षा कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को हेमंत सरकार ने फिर एक बार धोखा दिया है. दरअसल यह सरकार युवाओं को नौकरी नहीं देना चाहती. हेमंत सरकार की न नीति साफ है न नीयत. उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी राज्य सरकार ने रघुवर सरकार द्वारा निकाली गई वैकेंसी को पूरी तरह रद्द कर दिया था. बताया कि मुख्यमंत्री जो कुछ नौकरी दे रहे वो रघुवर दास सरकार द्वारा ली गई परीक्षाओं की है. जिसे उनकी सरकार ने न्यायालयों में उलझा दिया. आज जो नियुक्तियां हो रही है वह सब न्यायालय के आदेश के आलोक में हो रही. मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनाव में युवाओं से प्रतिवर्ष 5 लाख नौकरी देने, बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया और वोट लिया और फिर बेरोजगार बनाकर छोड़ दिया. कहा कि अब झारखंड के युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राजनीतिक बेरोजगार बनाने को तैयार हैं.

धनबाद

इसे सरकार की नाकामी कहें या युवाओं के प्रति उदासीन रवैया: राजेश ओझा

धनबाद चासनाला के रहने वाले राजेश ओझा ने कहा कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा एक बार फिर से अनिश्चित काल के लिए स्थगित होना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. इसे सरकार की नाकामी कहें या युवाओं के प्रति उदासीन रवैया समझ नहीं आता. जबकि छात्र परीक्षा की तैयारी एक छोटे से कमरे में रहकर सालों साल करते हैं. मगर सरकार लगातार उसके सपनों के गले घोंटते रहती है. सरकार रोजगार के मुद्दे पर जिन वादों के साथ आई थी वह पूरी नहीं हुई. आखिर कब तक छात्र यह सब देखते रहेंगे.

झारखंड में बेरोजगारी चरम पर आ गई है, सरकार इस पर ध्यान दे : अनूप कुमार

सिंदरी के रहने वाले अनूप कुमार ने कहा कि झारखंड के विद्यार्थी झारखंड के परीक्षा पर केंद्रित होने के कारण बिहार या अन्य परीक्षा में भाग नही ले पाते हैं. इससे उनका नुकसान हो रहा है. इससे झारखंड में बेरोजगारी चरम पर आ गई है. यही नहीं बार-बार परीक्षा स्थगित करने से हम विद्यार्थियों का भविष्य भी अधर में जाता दिख रहा है. इससे विद्यार्थियों की उम्र सीमा भी खत्म हो रही है. लेकिन इस पर सरकार का ध्यान नहीं है. सरकार सबकुछ जानती है. वैकेंसी निकलने से पहले ही अगर सबकुछ ठीक कर लिया जाएगा तो ऐसी स्थिति ही नहीं आएगी. जाहिर है सरकार की नीति ही स्पष्ट नहीं है.

झारखंड के 6.5 लाख अभ्यर्थियों के जिंदगी के साथ हो रहा है खिलवाड़ : विशाल पाल

धनबाद बैंक मोड़ के रहने वाले विशाल पाल ने कहा कि झारखंड के 6.5 लाख अभ्यर्थियों के जिंदगी के साथ झारखंड सरकार व झारखंड कर्मचारी चयन आयोग खिलवाड़ कर रही है. ऐसे में सरकार व आयोग की कड़ी निंदा करता हूं. राज्य में 6.5 लाख अभ्यर्थियों के 6.5 लाख परिवार भी है. यदि 6.5 लाख परिवार 2024 के विधानसभा चुनाव में वोट विपक्ष को देने का संकल्प ले लिया तो मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं बचेगी. इसीलिए सरकार को जल्द से जल्द इस नियुक्ति को पूरा करवाना चाहिए. ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके.

छात्रों के लिए बहुत बड़ा झटका है, इससे छात्रों में काफी आक्रोश है: कुणाल सिंह

धनबाद भूली के रहने वाले कुणाल प्रताप सिंह ने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए एक बहुत बड़ा झटका है. इससे छात्रों में काफी आक्रोश है. उन्होंने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग 2015 से 2023 तक 8 वर्षों से लगातार जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा तिथि स्थगित कर रही है. अब यह परीक्षा 2024 तक चली जाएगी. किसी एक परीक्षा में इतना वक्त लगना किसी भी छात्र के लिए असहनीय है. सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए.

लातेहार

परीक्षा मे देरी से छात्रों को होती है परेशानी: सुमित रवि

बनवारी साहु डिग्री कॉलेज के छात्र सुमित कुमार रवि ने कहा कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी होने से परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र व छात्राओं को परेशानी होती है. झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में देरी अथवा परीक्षा बार-बार स्थगित किये जाने से छात्रो को न सिर्फ मानसिक परेशानी होती है वरन उन्हें आर्थिक मुसीबतों का भी सामना करना पड़ता है.

छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है: मो अशफाक

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बालुमाथ के मो अशफाक ने कहा कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं में देरी और उसे बार-बार स्थागित किए जाने से राज्य भर के छात्र गुस्से में हैं. जेएसएससी की वजह से छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है. परीक्षाओं में देरी होने से न सिर्फ परीक्षा व वरन नौकरियों की भी उम्र समाप्त हो जा रही है. सरकार को इसे देखना चाहिए.

परीक्षा का कैलेंडर जारी होना चाहिए: सरफराज

कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रहे बालूमाथ के छात्र सरफराज ने कहा कि कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा में विलंब और बार-बार परीक्षा स्थगित किये जाने वे खासे परेशान हैं. समय से परीक्षाओं का कैलेंडर जारी नहीं होता है. हम सभी तैयारी कर रहे हैं, लेकिन पता नहीं चलता कि परीक्षाये कब होगी. अगर तिथि घोषित भी होती है तो उसे टाल दी जाती है. यह छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)